{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 07 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 192
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	-	74,106.85
निफ्टी	-	22,968.25
सोना	-	1,50,660
चांदी	-	2,50,000
डॉलर	-	92.96

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

साउथ टीवी अभिनेत्री सुभाषिनी ने की आत्महत्या

चेन्नई। तमिल टीवी इंडस्ट्री से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। लोकप्रिय अभिनेत्री सुभाषिनी ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। पारिवारिक विवाद के बाद अभिनेत्री ने कथित तौर पर फांसी लगाकर जान दी है। उन्होंने अपने जन्मदिन से चंद दिन पहले यह कदम उठाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक सुभाषिनी ने अपने चेन्नई स्थित आवास पर सुसाइड की। श्रीलंकाई मूल की सुभाषिनी चेन्नई के इयप्पनथंगल में एक अपार्टमेंट में रह रही थीं। कथित तौर पर उन्हें इसी अपार्टमेंट में सुसाइड किया।

7 विदेशी 30 दिन की न्यायिक हिरासम में

नई दिल्ली। एनआईए कोर्ट ने सात विदेशी नागरिकों को 30 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इनमें 6 यूक्रेनी और 1 अमेरिकी नागरिक शामिल हैं। ये सभी लोग वीजा लेकर भारत आए थे। लेकिन बाद में मिजोरम के रास्ते म्यांमार पहुंच गए और जातीय सशस्त्र समूहों से संपर्क किया। एनआईए के मुताबिक, इन लोगों ने म्यांमार में ट्रेनिंग ली और फिर वहीं सक्रिय समूहों को ट्रेनिंग भी दी। ये समूह भारत के उग्रवादी संगठनों से जुड़े बताए जा रहे हैं। ये लोग यूरोप से भारत के रास्ते बड़ी संख्या में ड्रोन लेकर आए थे।

19 निर्वाचित सदस्यों ने ली राज्यसभा की सदस्यता

नई दिल्ली । महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से चुनकर आए नेताओं ने सोमवार को राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ली। संसद के उच्च सदन राज्यसभा में सोमवार यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां नवनिर्वाचित और पुनः निर्वाचित कुल 19 सदस्यों ने सोमवार शपथ ली। एनसीपी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार, केंद्रीय मंत्री व महाराष्ट्र की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के नेता रामदास अठावले, एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता थंबीदुरई व डीएमके के तिरुची शिवा जैसे वरिष्ठ नेता शपथ लेने वालों में शामिल रहे हैं। ये सभी नेता फिर से राज्य सभा के सदस्य बने हैं। सोमवार को यह आयोजन राज्यसभा में ही आयोजित किया गया। राज्यसभा के सभापति सी। पी। राधाकृष्णन ने राज्यसभा कक्ष में सभी सदस्यों को शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले सभी 19 सदस्यों में रामदास आठवले, माया चिंतामन इवनाते, शरदचंद्र पवार, रामराव सखाराम वडकुटे, ज्योति नागनाथ वाघमारे, क्रिस्टोफर मणिकम, अंबुमणि रामदोस, कोंस्टांडिन रवींद्रन, एल। के। सुधीश, एम। थंबीदुरई, तिरुची शिवा, बाबुल सुप्रियो बराल, मेनका गुरुस्वामी, राजीव कुमार, रुक्मिणी मलिक, बिस्वजीत सिन्हा, संतृप्त मिश्रा, दिलीप कुमार रे और मनमोहन सामल शामिल रहे।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लोकसभा और राज्यसभा के 193 सांसदों द्वारा लगाया महाभियोग का प्रस्ताव खारिज हो गया है। विपक्षी दलों की ओर से यह प्रस्ताव मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए लाया गया था। महाभियोग प्रस्ताव के इस प्रस्ताव पर 193 सांसदों (लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63) ने हस्ताक्षर किए थे। उसका नोटिस 12 मार्च 2026 को राज्यसभा सभापति को सौंपा गया था। जिसके आज लोकसभा सचिवालय और राज्यसभा चेयरमैन की ओर से खारिज कर दिया गया। यह पहली बार था, जब किसी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया था।

लोकसभा महासचिव ने क्या कहा?

लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए कहा, यह फैसला भारत के संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत दिए गए प्रस्ताव की सूचना पर लिया गया। इस प्रस्ताव में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की गई थी। सदस्यों को जानकारी दी जाती है कि 12 मार्च 2026 की तारीख का एक प्रस्ताव नोटिस दिया गया था।

उन्होंने कहा, इस पर लोकसभा के 130 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए थे। यह नोटिस संविधान के अनुच्छेद 324(5) और अनुच्छेद 124(4) के साथ-साथ 2023 के कानून और 1968 के न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत दिया गया था। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश को हटाने की मांग की गई थी।

इसमें आगे कहा गया, यह नोटिस लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा गया था। इसके बाद इस प्रस्ताव नोटिस पर पूरी तरह से विचार किया गया। सभी जरूरी पहलुओं और मुद्दों की सावधानी से और निष्पक्ष तरीके से जांच की गई। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ने अपने अधिकारों का इस्तेमाल किया। जो अधिकार उन्हें न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3 के तहत मिले हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने इस प्रस्ताव नोटिस को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

राज्यसभा : सभापति ने सीईसी के खिलाफ प्रस्ताव को स्वीकार करने से किया इनकार

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए सांसदों द्वारा दिए गए प्रस्ताव (नोटिस) को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 12 मार्च 2026 को राज्यसभा के 63 सदस्यों द्वारा एक प्रस्ताव का नोटिस दिया गया था। यह नोटिस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) और अनुच्छेद 124(4) के साथ-साथ मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की धारा 11(2) तथा न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के प्रावधानों के तहत दिया गया था। इस प्रस्ताव के जरिए भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाने की मांग की गई थी। राज्यसभा सभापति ने नोटिस पर विचार करने के बाद और सभी संबंधित पहलुओं व मुद्दों का सावधानीपूर्वक तथा निष्पक्ष आकलन करने के उपरांत इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। सभापति ने यह निर्णय जजेज (इंक्वायरी) एक्ट, 1968 की धारा 3 के तहत उन्हें प्राप्त शक्तियों का उपयोग करते हुए लिया। इस फैसले के साथ ही ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग से जुड़ी यह प्रक्रिया फिलहाल समाप्त हो गई है।

क्या है महाभियोग की प्रक्रिया?

मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के जज की तरह ही होती है। इसके लिए 'साबित दुर्व्यवहार' या 'अक्षमता' को आधार बनाना होता है। यह प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में लाया जा सकता है। इसे पास कराने के लिए सदन के कुल सदस्यों के बहुमत और मौजूद व वोट देने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होती है।

क्या था नोटिस में?

विपक्ष की ओर तैयार किए गए नोटिस में सीईसी पर सरकार के इशारे पर एसआईआर के बहाने जानबूझ कर उचित मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटाने का आरोप लगाए गए थे। नोटिस में कहा गया था कि उनकी पक्षपातपूर्ण कार्रवाई से लोकतंत्र की विश्वासनीयता पर खतरा उत्पन्न हो गया है।

-एलपीजी संकट को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर कसा तंज

मजदूर के पास चूल्हे जलाने तक के पैसे नहीं, नतीजा- शहर छोड़ो, गांव भागो

नई दिल्ली। ईरान युद्ध के बाद एलपीजी की कमी को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कहा था कि गैस संकट को भी कोविड की तरह हैंडल करेंगे और किया भी ठीक वैसा ही। राहुल गांधी ने कहा कि जिस तरह के कोविड के दौरान नीति शून्य थी और घोषणाएं बड़ी-बड़ी की गई थीं, वैसे ही हालात आज भी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर राहुल गांधी ने कहा कि मोदीजी ने कहा था एलपीजी गैस संकट को कोविड की तरह हैंडल करेंगे और सच में वही किया। बिल्कुल कोविड के जैसे ही नीति शून्य, घोषणा बड़ी, और बोझ गरीबों पर। 500-800 की दिहाड़ी कमाने वाले प्रवासी मज़दूरों के लिए रसोई गैस पहुंच से बाहर हो गई। रात को घर लौटते मज़दूर के पास चूल्हे जलाने तक के पैसे नहीं। नतीजा- शहर छोड़ो, गांव भागो।

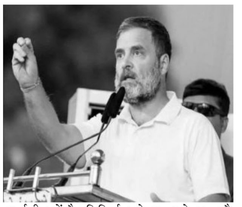

राहुल गांधी ने कहा कि जो मजदूर टेक्सटाइल मिलों और फैक्ट्रियों की रीढ़ हैं। आज वही टूट रहे हैं। टेक्स्टाइल सेक्टर पहले से आईसीयू में है। विनिर्माण क्षेत्र दम तोड़ रहा है और यह संकट आया कहां से? कूटनीति की मेज पर हुई उस चूक से जिसे सरकार आज तक स्वीकार नहीं करती है। जब अहंकार नीति बन जाए अर्थव्यवस्था चरमराती है, मज़दूर पलायन करते हैं, उद्योग बर्बाद होते हैं और देश दशकों पीछे धकेल दिया जाता है। सवाल एक ही है हर संकट में सबसे पहले गरीब क्यों मरता है? चुप मत रहो। यह सिर्फ गरीब का नहीं, हम सबका सवाल है।

राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते की पृष्ठभूमि में सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार की ओर इस बात को लेकर अंधेरे में रखा गया कि भारत का डेटा कैसे सुरक्षित रहेगा। राहुल ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, भारत का डेटा भारत के लोगों का है। एआई आधारित अर्थव्यवस्था में एआई का निर्माण करना, कंपनियों का विकास करना और नौकरियां पैदा करना हमारी सबसे बड़ी ताकतों में से एक हो सकता है। उनका कहना है, इसलिए मैंने सरकार से अमेरिका के साथ हालिया व्यापार समझौते के बारे में कुछ अहम सवाल पूछे थे।

राहुल गांधी ने कहा मैंने सवाल किया था कि अमेरिका के साथ व्यापार बाधाओं को कम करने का हमारे डेटा के लिए क्या मतलब है? क्या हमारा स्वास्थ्य डेटा, वित्तीय डेटा और सरकारी डेटाबेस भारत में रहेगा? क्या भारत को अब भी विदेशी कंपनियों को यहां डेटा संग्रहीत करने और उसका उपयोग अपनी एआई बनाने के लिए करने की आवश्यकता हो सकती है?

अमित जोगी को उम्र कैद, जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट का फैसला

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने राम अवतार जग्गी हत्याकांड में अमित जोगी को उम्र कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही 1000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच 78 पेज के मैं यह फैसला सुनाया है।

एनसीपी नेता राम अवतार जग्गी की हत्या के मामले में हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को रद्द करते हुए अमित जोगी को उम्र कैद की सजा सुनाई है । फैसले में कहा गया है कि आरोपी अमित जोगी उर्फ अमित ऐश्वर्या जोगी को आईपीसी की धारा 302 के साथ ही धारा 120 बी के तहत दंडनीय अपराध का दोषी ठहराया जाता है और उसे आजीवन कारावास के साथ 1000 रुपए का जुर्माना लगाया जाता है। जुर्माना न भरने पर 6 महीने का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। अपीलकर्ता सीबीआई द्वारा दायर अपील स्वीकार की जाती है। शिकायतकर्ता सतीश जग्गी द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका का भी निपटारा किया जाता है। क्योंकि 4 अप्रैल 2024 के निर्णय के माध्यम से अन्य संबंधित अपीलों में अन्य आरोपियों दोषियों को दी गई दोष सिद्ध और सजा की पुष्टि पहले ही कर दी है इसलिए शिकायतकर्ता सतीश जग्गी द्वारा दायर पुनरीक्षण याचिका निष् प्रभावी होने के कारण खारिज की जाती है।

फैसले में कहा गया है कि आरोपी अमित जोगी जमानत पर हैं। उनकी जमानत आज से 3 सप्ताह की अवधि तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान उन्हें संबंधित ट्रायल कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करना होगा। ऐसा न करने पर ट्रायल कोर्ट उन्हें हिरासत में ले लेगा और इस न्यायालय द्वारा दी गई सजा को पूरा करने के लिए उन्हें जेल भेज देगा। रजिस्ट्री को निर्देश दिया जाता है कि वह इस फैसले की एक प्रति आरोपी अमित जोगी उर्फ अमित ऐश्वर्या योगी को भेजें और उन्हें सूचित करें कि उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष इस फैसले को चुनौती देने का अधिकार है। चाहे वह स्वतंत्र रूप से चुनौती दे या कानूनी सहायता से।

जैसा कि मालूम है कि 4 जून 2023 को एनसीपी नेता राम अवतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

शराब नीति मामले में हाईकोर्ट पहुंचे केजरीवाल, खुद रख सकते हैं पक्ष

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार को कथित शराब नीति मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में स्वयं अपना पक्ष रख सकते हैं। यह मामला सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) की उस याचिका से जुड़ा है, जिसमें ट्रायल कोर्ट द्वारा केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और अन्य आरोपियों को दी गई राहत को चुनौती दी गई है। इस मामले में रविवार को एक नया मोड़ तब आया, जब केजरीवाल सहित 22 आरोपियों ने सुनवाई कर रहीं जज स्वर्ण कान्ता शर्मा को केस से अलग करने की मांग की। आरोपियों का तर्क था कि निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ रहे हैं, इसलिए मामले को किसी अन्य बेंच में ट्रांसफर किया जाना चाहिए।

असम में आज पीएम मोदी की ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां

बरपेटा, होजाई और डिब्रूगढ़ में बीजेपी उम्मीदवारों के समर्थन में करेंगे प्रचार

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को असम में तीन अहम चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। ये रैलियां आगामी राज्य चुनावों के मद्देनजर आयोजित की जा रही हैं, जहां 9 अप्रैल को मतदान होना है। प्रधानमंत्री का यह दौरा चुनाव प्रचार को गति देने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पहली रैली निचले असम के बरपेटा जिले के भवानीपुर-सोरभोग क्षेत्र में होगी, जहां वे भाजपा नेता रनजीत कुमार दास के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री मध्य असम के होजाई में पहुंचेंगे, जहां वे भाजपा उम्मीदवार एस देव के लिए प्रचार करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की तीसरी और अंतिम रैली ऊपरी असम के डिब्रूगढ़ में आयोजित होगी। यहां वे राज्य मंत्री प्रशान्ता फुकान के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। इन तीनों क्षेत्रों में भाजपा ने चुनावी समीकरण को मजबूत करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। यह इस चुनावी सीजन में प्रधानमंत्री मोदी का असम का दूसरा दौरा है। इससे पहले 1 अप्रैल को भी उन्होंने राज्य में रैलियां की थीं। उस दौरान उन्होंने चाय बागानों में काम करने वाली महिलाओं से मुलाकात कर संवाद भी किया था।

सात साल बाद भारत ने ईरान से खरीदा कच्चा तेल, वोस्ट्रो अकाउंट से हुआ भुगतान!

-ईरान डॉलर में नहीं करता खरीद-फरोख्त, इंटरनेशनल बैंकिंग सिस्टम से है बाहर

नई दिल्ली। ईरान से जंग कर अमेरिका ने वह दिन दिखा लिए जो उसने सपने में भी नहीं सोचा था, जिस देश के साथ कारोबार पर सात साल पहले अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया था, उसके साथ खरीद-फरोख्त करने की छूट भी उसी ने दी। इस छूट का फायदा उठाते हुए भारत ने 7 साल बाद ईरान से लाखों बैरल कच्चा तेल खरीदा है। इस खबर से देश के लोगों में जितनी खुशी है, उतने ही सवाल भी मन में उठ रहे हैं। जब ईरान डॉलर से भुगतान वाले सिस्टम में है ही नहीं, तो फिर भारत ने उसे पैसों का ट्रांसफर कैसे किया होगा।

बता दें भारत ने मई 2019 के बाद अब साल 2026 में ईरान से तेल खरीदा है। ऐसा साल 2018 में अमेरिका की ओर से ईरान पर प्रतिबंध लगाए जाने के कारण हुआ था। हालांकि, इससे पहले भी ईरान के साथ खरीद-फरोख्त डॉलर में नहीं होता था। क्योंकि अमेरिका ने उसे काफी पहले ही इंटरनेशनल बैंकिंग सिस्टम से बाहर कर दिया था। यही वजह है कि ईरान के साथ कारोबार के लिए कोई भी देश डॉलर में लेनदेन नहीं कर पाता है।

अमेरिका ने भले ही ईरान को सिफ्ट से बाहर करके डॉलर में लेनदेन को रोक दिया था, लेकिन साल 2019 से पहले कारोबार के लिए भारत अपना खुद का पेमेंट सिस्टम बना लिया था। देश के पेट्रोलियम मंत्रालय ने भी पिछले दिनों कहा था कि ईरान के क्रूड को खरीदने के लिए पेमेंट सिस्टम कोई बाधा नहीं बनेगी। सरकार ने ईरान के साथ लेनदेन के लिए वोस्ट्रो अकाउंट बनाए थे। इसी अकाउंट के जरिये सात साल पहले भी लेनदेन होता था और माना जा रहा है कि आज भी भारत ने इसी अकाउंट का इस्तेमाल ईरान से लेनदेन में किया है।

ईरान के बैंकों और कंपनियों ने काफी पहले भारत के सरकारी बैंक यूको में अपने खाते खोले थे। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत इसी अकाउंट में ईरान से सामान खरीदने के बाद रुपए डालता था। बाद में ईरान इन रुपयों का इस्तेमाल भारत से चावल और अन्य चीजों को खरीदने में करता था। माना जा रहा है कि इस बार भी ईरान से तेल खरीदकर भारत इसी अकाउंट का इस्तेमाल भुगतान के लिए कर सकता है। कयास यह भी लगाए जा रहे कि इस बार गैर डॉलर वाले भुगतान के अन्य तरीके भी इस्तेमाल हो सकते है। इसमें लोकल करेंसी का इस्तेमाल किया जा सकता है, जो डॉलर के बजाय किसी अन्य देश की करेंसी भी हो सकती है।

कुछ ना कहना

जनगणना अधिकारी जिला स्तर पर बुनियादी ढांचे के आंकड़े हैंडबुक में करेंगे रिकॉर्ड

पहला चरण पूरा होने के दो महीने बाद हैंडबुक के लिए जमीनी स्तर पर शुरु होगा काम

नई दिल्ली। जनगणना का पहला चरण खत्म होने के दो महीने बाद स्थानीय निकायों के सरकारी अधिकारी 784 जिलों में नागरिक सुविधाओं के बारे में आंकड़े इकट्ठा करेंगे, ताकि देश की जिला जनगणना हैंडबुक (डीसीएचबी) तैयार की जा सके। इस हैंडबुक में गांव और शहर के स्तर पर नागरिक बुनियादी ढांचे का पूरा रिकॉर्ड होगा।

भारत के महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में कहा है कि वे जनगणना-2027 का पहला चरण पूरा होने के दो महीने बाद इस हैंडबुक के लिए जमीनी स्तर पर काम शुरू करें और इसे 30 दिनों में पूरा कर लें। इस हैंडबुक में स्कूल, अस्पताल, जलनिकासी व्यवस्था, बिजली कनेक्शन, सड़कें, बैंक और दर्जनों अन्य सुविधाओं का रिकार्ड होगा। इसमें न केवल यह बताया जाता है कि कोई सुविधा मौजूद है या नहीं, बल्कि यह भी बताया जाता है कि अगर वह मौजूद न हो तो निवासियों को उसके लिए कितनी दूर जाना पड़ेगा। आजादी के बाद 1951 में हुई पहली जनगणना के बाद से लगातार प्रकाशित हो रही इस हैंडबुक को तैयार करने के तरीके में अब एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। पहली बार आंकड़े मोबाइल एप के जरिये इकट्ठा किया जाएंगे। 9 क्षेत्रों के आंकड़े किए जाएंगे। यह हैंडबुक देश के सभी 784 जिलों के लिए अलग-अलग तैयार की जाती है, जिससे यह हर गांव और शहर के नागरिक बुनियादी ढांचे का पूरा रिकॉर्ड होता है। ग्राम निर्देशिका में नौ क्षेत्रों के आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे। इनमें शैक्षिक एवं चिकित्सा सुविधाएं, जल एवं स्वच्छता, परिवहन एवं संचार, बैंकिंग और ऋण, बिजली आपूर्ति, भूमि उपयोग एवं सिंचाई, मुख्य कृषि उत्पाद, विनिर्मित वस्तुएं और हस्तशिल्प शामिल हैं।

प्रत्येक सुविधा के लिए क्षेत्रीय कर्मचारियों को यह दर्ज करना होगा कि क्या वह उपलब्ध है और वहां कितनी सरकारी व निजी सुविधाएं मौजूद हैं। अगर कोई सुविधा नहीं है, तो सबसे नजदीकी सुविधा की दूरी कितनी है। इसे पांच किलोमीटर से कम, 5-10 किलोमीटर के बीच या 10 किलोमीटर से ज्यादा के रूप में दर्ज किया जाएगा। नगर निर्देशिका में झुग्गी-झोपड़ी स्तर के बुनियादी ढांचे, सामाजिक एवं मनोरंजक सुविधाएं और 1911 से जनसंख्या वृद्धि के इतिहास पर अतिरिक्त अनुभाग शामिल हैं। इस निर्देशिका में अग्निशमन केंद्र, पक्की सड़कें और शौचालय जैसी नागरिक व अन्य सुविधाएं भी संकलित की जाती हैं।

जल्द खत्म हो सकती है ईरान जंग! 45 दिन के सीजफायर पर कूटनीतिक कोशिशें तेज

पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की कर रहे मध्यस्थता, अमेरिका-ईरान के बीच संवाद जारी

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल के साथ ईरान की लड़ाई जारी है। मिडिल ईस्ट में हर घंटे हालात और ज्यादा खतरनाक होते जा रहे हैं। इस बीच कूटनीतिक गलियारों से राहत की खबर आ रही है। दरअसल अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच 45 दिन के संभावित सीजफायर को लेकर कूटनीतिक कोशिशें तेज हो गई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थ देशों के बीच इस प्रस्ताव पर गंभीर बातचीत चल रही है, जिसे युद्ध खत्म करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक ये बातचीत पाकिस्तान, मिस्त्र और तुर्की की मध्यस्थता में हो रही है। साथ ही अमेरिका और ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच सीधे संदेशों के जरिए भी संवाद जारी है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थों का एक समूह संभावित 45 दिन के सीजफायर की शर्तों पर चर्चा कर रहा है, जिससे युद्ध हमेशा के लिए खत्म हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मध्यस्थ दो चरणों वाले समझौते की शर्तों पर चर्चा कर रहे हैं। पहला चरण संभावित 45 दिन का सीजफायर होगा, जिसके दौरान युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करने पर बातचीत होगी। दूसरा चरण युद्ध खत्म करने पर एक समझौता होगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर बातचीत के लिए और समय की जरूरत हुई, तो सीजफायर को बढ़ाया जा सकता है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस आज

इधर चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा स्वास्थ्य महकमा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। केवल भारत देश ही नही बल्कि विश्वभर में आज 7 अप्रैल को, विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य, लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को ब ?ाना है ।ताकि लोग बेहतर स्वास्थ्य के साथ जिंदगी गुजार सके ।लेकिन जब स्वास्थ्य विभाग में पर्याप्त अधिकारी कर्मचारी ही नहीं रहेंगे और विभाग में खाली पदों पर भर्ती नहीं की जाएगी तो विश्व स्वास्थ्य दिवस भी, अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर पाएगा। यह बात हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि जिले का स्वास्थ्य महकमा लंबे अर्से से चिकित्सकों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा है। चिकित्सकों की कमी का दंश जिले ने कोरोना काल के दौरान भी झेला था, लेकिन तब आयुष चिकित्सकों की भर्ती ने कुछ हद तक चिकित्सकों की कमी को पूरा कर दिया था। लेकिन अब हालात पहले जैसे ही हो गए है। दरअसल, जिला अस्पताल के विभिन्न विभागों में स्वीकृत चिकित्सकों, विशेषज्ञों और स्टाफ के कई पद अब तक नहीं भरे गए हैं। कई बार तहसील व ग्रामीण अंचलों में चिकित्सको व सुविधाओ की कमी व उचित उपचार न मिलने के चलते मजबूरन लोगो को बालाघाट जिला अस्पताल आकर अपना उपचार कराना पड़ रहा है। लेकिन यहां पर भी चिकित्सक स्टाफ की भारी कमी देखी जा रही है ।शायद यही वजह है कि मरीजों की संख्या ज्यादा होने और चिकित्सकों की कमी होने के कारण कई मरीजों को निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है ।जहा सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों की इसी कमी का फायदा उठाकर निजी अस्पताल संचालक मरीजों और उनके परिजनों से उपचार के नाम पर मोटी रकम ऐंठ रहे हैं।

जिला अस्पताल को प्राप्त है नेशनल अस्पताल का दर्जा, फिर भी ऐसे हालात

आपको बताए कि जिला अस्पताल,को नेशनल क्वालिटी इंश्योरेंस स्टैंडर्ड सर्वे के तहत एक्वास सर्टीफिकेट मिला है ।जो अब नेशनल दर्जे के अस्पतालो में शामिल है, बावजूद इसके भी इस अस्पताल में रोग विशेषज्ञ, चिकित्सको और स्टाफ की कमी देखी जा रही है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार 400 बेड के इस अस्पताल में प्रथम श्रेणी के रोग विशेषज्ञ के करीब 40 पद स्वीकृत है, जिसमें से महज 22 पदो पर रोग विशेषज्ञ काम कर रहे हैं, जबकि 18 पद रोग विशेषज्ञों के रिक्त हैं। इसके अलावा द्वितीय श्रेणी के अंतर्गत आने वाले चिकित्सा अधिकारियों के करीब 25 पद स्वीकृत है, जिसमें से महज 15 पदों पर चिकित्सा अधिकारी काम कर रहे हैं। जबकि चिकित्सा अधिकारी के 10 पद अभी भी रिक्त हैं। इसके अलावा तृतीय श्रेणी के स्टाफ, नर्सिंग ऑफिसर, के कुल 175 स्वीकृत पद है जिसमें से 175 सभी काम कर रहे हैं। तो वहीं चतुर्थ श्रेणी के अंतर्गत आने वाले भृत्य, स्वीपर,

अटेंडर,वार्ड बाय, ओटी अटेंडर, डाक अटेंडर सहित कई स्वीकृत पदों पर अब तक प्रतिपूर्ति नहीं हो पाई है। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब नेशनल स्तर के इस जिला अस्पताल में इतने अधिक पद खाली पड़े हैं तो फिर ग्रामीण अंचलों के अस्पतालो और स्वास्थ्य केंद्रों क्या हाल होगा।

रिफर सेंटर बनते जा रहे ज्यादातर सरकारी अस्पताल

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति काफी नाजुक है। मैदानी स्तर पर विशेषज्ञों सहित चिकित्सकों की भारी कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और विकट है। यहां से मरीजों को जिला अस्पताल रिफर कर दिया जाता है ।वही जिला अस्पताल से कई बार इन्ही वजहों से मरीजो को रिफर करना प? रहा है। जिले के ज्यादातर सरकारी अस्पताल अब रिफर सेंटर बनते जा रहे हैं जिसका प्रमुख कारण चिकित्सक व स्टाफ की भारी कमी होना बताया जा रहा है।

वर्षो से खाली पड़े पदों पर नही दिया जा रहा ध्यान

जिले का स्वास्थ्य महकमा इन दिनों चिकित्सकों की भारी कमी से जूझ रहा है। जिला अस्पताल से लेकर ग्रामीण अंचलों तक डॉक्टरों के कई पद वर्षों से खाली पड़े हैं, लेकिन अब तक इनकी पूर्ति के लिए कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इसका सीधा असर मरीजों पर पड़ रहा है, जिन्हें समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है ।जानकारी के अनुसार, जिला अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों सहित कई महत्वपूर्ण पद लंबे समय से रिक्त हैं। हालात यह हैं कि कुछ विभागों में एक ही कर्मचारी के भरोसे पूरा काम चलाया जा रहा है, जिससे मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। कई बार तो मरीज बिना इलाज के ही लौटने को मजबूर हो जाते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति और भी बदहाल

जिला अस्पताल की यह स्थिति है तो ग्रामीण अंचलों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की हालत का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। कई केंद्रों में नियमित डॉक्टर तक उपलब्ध नहीं हैं, जिसके चलते ग्रामीणों को छोटे-छोटे उपचार के लिए भी शहर का रुख करना पड़ता है।

पत्राचार के बावजूद नहीं हुई भर्ती

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा उच्च स्तर पर कई बार रिक्त पदों की पूर्ति के लिए पत्राचार किया गया है, लेकिन इसके बावजूद भर्ती प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई है। विभागीय उदासीनता के चलते मरीजों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

निजी अस्पतालों का बढ़ा सहारा

सरकारी अस्पतालों में चिकित्सको व अन्य स्टाफ की कमी के चलते मरीज अब निजी अस्पतालों की ओर रुख करने को मजबूर हैं, जहां इलाज काफी महंगा है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए यह स्थिति और भी गंभीर बन गई है।

प्रथम श्रेणी रोग विशेषज्ञों के रिक्त पद एवं जानकारी

इस जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल में रोग विशेषज्ञों की भारी कमी देखी जा रही है

रोग विशेषज्ञ-	स्वीकृत पद	-भर्ती-	रिक्त
नाक,कान गला।	02	01	01
नेत्र रोग विशेषज्ञ	02	01	01
सर्जिकल विशेषज्ञ	02	01	01
मेडिकल स्पेशलिस्ट	04	03	01
शिशु रोग विशेषज्ञ	07	08	1 अधिक
स्त्री रोग विशेषज्ञ	04	04	00
रेडियोलॉजिस्ट	02	00	02
पैथोलॉजिस्ट	02	00	02
हड्डी रोग विशेषज्ञ	02	01	01
दंत रोग विशेषज्ञ	02	00	02
टीवी रोग विशेषज्ञ	01	00	01
निश्चेतना विशेषज्ञ।	03	03	00
चर्म रोग विशेषज्ञ।	01	00	01
मनोरोग विशेषज्ञ।	01	00	01

नोट- पैथोलॉजिस्ट विशेषज्ञ के रूप में डॉ. नूपुर बाफना अनुबंध के तहत कार्यरत है।

तृतीय श्रेणी नर्सिंग ऑफिसर स्टाफ के रिपोर्ट की जानकारी

नाम-	स्वीकृत पद	-भर्ती-	रिक्त
नर्सिंग अधीक्षक	01	00	01
नर्सिंग ब्रदर	01	00	01
मेंर्टन	09	00	09
नर्सिंग सिस्टर।	10	03	07
नर्सिंग स्टाफ।	175	175	00
एलएचवी	01	01	00
एएनएम	03	03	00
बायोकेमिस्ट	01	00	01
ड्रेसर	08	00	08
ओटी टेक्नीशियन	08	00	08
मुख्य लिपिक।	01	01	00
सहायक ग्रेड2	02	01	01
सहायक ग्रेड3	03	00	00
वाहन चालक।	03	01	02
इलेक्ट्रीशियन	02	00	00
स्टूबॉय भोजन व्यवस्था	01	01	00

द्वितीय श्रेणी मेडिकल ऑफिसर के रिक्त पदों की जानकारी

नाम-	स्वीकृत पद	-भर्ती-	रिक्त
दंत चिकित्सक	03	03	00
आयुष चिकित्सक	01	00	01
मेडिकल ऑफिसर	19	15	04

एक नज़र इधर भी

- जिला अस्पताल में चर्म रोग विशेषज्ञ का अब तक कोई पद सृजन नहीं किया गया था, लेकिन 2025 में चर्म रोग विशेषज्ञ का पद स्वीकृत किया गया है लेकिन अब तक इस पद पर किसी भी चिकित्सक की भर्ती नहीं हो पाई है।

- रिक्त पदों पर एनएचएम (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) के तहत कुछ कर्मचारियों की भर्ती की गई है लेकिन फिलहाल उसके आंकड़े नहीं मिल पाए हैं।

- इसके अलावा आउटसोर्स के तहत करीब 151 पद स्वीकृत है, जिसमें से सभी 151 पदों पर कर्मचारियों की भर्ती की गई है, जो वर्तमान में कार्यरत है।

-समस्त आंकड़े सूत्रों के हवाले से प्राप्त हुए हैं कुछ आंकड़ों में आंशिक हेरफेर हो सकता है।

सुबह से दोपहर हो गई कोई चिकित्सक मरीज को देखने नहीं आया-महेंद्र

सर्जिकल वार्ड में भर्ती एक मरीज के परिजन महेंद्र उपवंशी ने चर्चा के दौरान बताया कि मरीज बेड पर पड़ा है रात के समय चिकित्सक राउंड पर आए थे उसके बाद कोई नहीं आया। आज भी सुबह से दोपहर हो गई, कोई चिकित्सक मरीज को देखने तक नहीं आया है। यह चिकित्सकों की लापरवाही है, जबकि एक चिकित्सक हमेशा वार्ड या उनके केबिन में बैठा रहना चाहिए, ताकि मरीज को कोई तकलीफ होने पर, इमरजेंसी में मरीज को कोई परेशानी होने पर उन्हें बताया जा सके। लेकिन यहां चिकित्सक ही नहीं आ रहे हैं ।ऐसा ही चलता रहा, तो मजबूरन हमें प्राइवेट अस्पताल जाना पड़ेगा।

हर माह भोपाल भेजी जाती है जानकारी-जैन

सिविल सर्जन डॉक्टर निलय जैन ने बताया कि चिकित्सको या स्टाफ की भर्ती करना हमारे हाथ में नहीं है,जो कार्य हमारे अंडर में आते हैं हम वहां व्यवस्था बना देते हैं, इसके पूर्व भी भोपाल स्वास्थ्य विभाग को रिक्त पदों की संख्या भेजकर पदों की प्रतिपूर्ति के लिए पत्राचार किया गया था, चिकित्सक सहित अन्य स्टाफ के भी स्वीकृत पद, वर्तमान संख्या और रिक्त पदों की जानकारी प्रतिमाह भोपाल भेजी जाती है, ताकि रिक्त पदों पर प्रतिपूर्ति हो सके। कम संख्या के बावजूद भी चिकित्सक व अन्य स्टाफ की कमी से कार्य प्रभावित नहीं होते हैं।

चतुर्थ श्रेणी के स्वीकृत पद एवं रिक्तपदों की जानकारी

नाम-	स्वीकृत पद	-भर्ती-	रिक्त
डार्करूम अटेंडर	02	00	00
डेंटल अटेंडर।	01	00	00
लैब अटेंडर	04	01	03
ओटी अटेंडर	10	01	09
भृत्य	07	06	01
वार्ड बॉय।	44	09	35
वार्ड आया	07	01	06
चौकीदार	02	01	01
माली	01	00	00
स्वीपर	13	02	11
धोबी।	04	02	02
बार्बर नाई	01	00	00

12 राज्यों के 250 प्रतिभागियों के बीच बालाघाट के लक्की मड़ावी ने बिखेरा जलवा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उत्तर प्रदेश के महोबा में आयोजित पारंपरिक लाठी खेल संघ भारत द्वारा दो दिवसीय 04 - 05 अप्रैल राष्ट्रीय लाठी प्रशिक्षण एवं तकनीकी सेमिनार 2026 का आयोजन किया गया ।इस आयोजन में मप्र, उप्र, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, केरल, पंजाब, चंडीगढ़, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, दिल्ली एवं राजस्थान सहित देश के 12 राज्यों के 250 से अधिक खिलाड़ी, कोच एवं रेफरी शामिल हुए ।इस राष्ट्रीय मंच पर बालाघाट जिले से योद्धा कराटे एंड फिटनेस एकेडमी के संस्थापक, संचालक एवं मुख्य कोच सेन्सेई लक्की मड़ावी (ब्लैक बेल्ट 3 डॉन, अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी एवं कोच) ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित करते हुए बालाघाट जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया।

कठोर परीक्षा के बाद मिली सफलता

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेमिनार के दौरान खेल की तकनीकी गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए कोच, रेफरी एवं जज की लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित की गईं। सेन्सेई लक्की मड़ावी ने इन परीक्षाओं को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करते हुए ऑफिशियल ट्रेनिंग पूर्ण की वही कोच एवं नेशनल लेवल जज की परीक्षा पास कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिला सम्मान

कार्यक्रम के दौरान उनके उत्कृष्ट लाठी प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। 250 प्रतिभागियों के बीच उनका प्रदर्शन अलग पहचान बनाकर उभरा, जो उनकी मेहनत, लगन और समर्पण का स्पष्ट प्रमाण है ।उधर बालाघाट के लक्की मड़ावी को राष्ट्रीय जिम्मेदारी संगठन विस्तार क्रम में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए 'एथलीट कमीशन' का सदस्य नियुक्त किया गया है। देशभर के लाठी एथलीटों के कौशल विकास एवं उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पहली बार गठित इस महत्वपूर्ण कमीशन में उनका चयन होना न केवल उनकी योग्यता का प्रमाण है, बल्कि पूरे बालाघाट जिले के लिए गर्व का विषय है।

संगठन में इन्हें दी गई जिम्मेदारी

सेमिनार के दौरान बनाए गए इस संगठन में इंडिया सेक्रेटरी- प्रमोद विश्वकर्मा, टेक्निकल डायरेक्टर- किशोर साकेत,राष्ट्रीय कोच- विनोद बुंदेला,रैफरी कमीशन चेयरमैन- हरीश सिरधना,रैफरी कमीशन सेक्रेटरी- देवेंद्र पवार (राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश),आयोजन सचिव (उत्तरप्रदेश)- पवन आर्या,राष्ट्रीय कोच विनोद बुंदेला एवं रैफरी कमीशन सेक्रेटरी देवेंद्र पवार को अहम जिम्मेदारी दी गई है ।जिन्होंने बताया कि सेन्सेई लक्की मड़ावी जैसे समर्पित एवं कर्मठ प्रशिक्षकों के जुड़ने से एथलीट कमीशन खिलाड़ियों के हित में और अधिक प्रभावी कार्य करेगा।

आत्मरक्षा के लिए लाठी कला अहम कदम

बताया गया कि आत्मरक्षा और संस्कृति की पहचान

आज के समय में पारंपरिक लाठी कला केवल एक खेल नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं आत्मरक्षा का सशक्त माध्यम है। विशेष रूप से बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए यह आत्मरक्षा का प्रभावी और सरल साधन बनकर उभर रहा है। सेन्सेई लक्की मड़ावी द्वारा बालाघाट जिले में इस पारंपरिक कला को बढ़ावा देने का प्रयास निश्चित रूप से युवाओं, महिलाओं एवं समाज में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सुरक्षा की भावना को सशक्त करेगा। उनका यह प्रयास जिले में एक नई खेल संस्कृति को विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है ।यह कार्यक्रम पारंपरिक लाठी राष्ट्रीय रेफरी, कोच परीक्षा एवं सेमिनार 2026 के अंतर्गत सम्पन्न हुआ, जिसके आयोजक पारंपरिक लाठी खेल संघ (क्षेत्रीय इंडिया) एवं स्थानीय आयोजक पारंपरिक लाठी खेल विकास संघ, उत्तर प्रदेश रहे।

कोसमटोला में एक व्यक्ति अपने ही घर मे खून से लथपथ हालत में मिला

जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के लालबर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम निलजी के कोसमटोला में एक सनसनीखेज घटना सामने आई । जहां एक 55 वर्षीय व्यक्ति अपने ही घर के कमरे में खून से लथपथ और बेहोशी की हालत में मिला। घायल समारुलाल पिता गोभी उइके को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां दोपहर में उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई करने के बाद इस व्यक्ति का पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है

प्राप्त जानकारी के अनुसार समारुलाल खेती किसानी करता है ।जिसके दो बेटे हैं। उसकी पत्नी का पहले ही निधन हो चुका है। बड़ा बेटा राकेश, पत्नी के छोड़कर चले जाने के बाद ग्राम पंचेरा में अपनी मौसी के पास रहने लगा है ।जबकि छोटा बेटा निकेश अपनी पत्नी सुमित्रा और दो बच्चों के साथ अलग रहता है। हाल ही में निकेश काम के सिलसिले में सिवनी चला गया था।

5 अप्रैल को शाम करीब 5 बजे तक समारुलाल ने अपनी बहू सुमित्रा के साथ बाड़ी में लहसुन-प्याज की खुदाई की थी। इस दौरान सुमित्रा ने उसे घर पर ही भोजन करने के लिए कही थी ।लेकिन समारुलाल अपने कमरे में खाना खाने की बात कहकर चला गया।

6 अप्रैल की सुबह करीब 4 बजे सुमित्रा को अपने ससुर के कमरे से कराहने की आवाज सुनाई दी। जब वह कमरे में पहुंची तो देखी समारुलाल कमरे के अंदर खून से लथपथ बिस्तर पर पड़ा हुआ है। उसका कान कटा हुआ था, बख्खे कंधे पर गंभीर चोट के

निशान थे और शरीर के अन्य हिस्सों पर भी घाव थे। वह पूरी तरह बेहोश था। सुमित्रा ने घटना की जानकारी तुरंत पड़ोसियों और पति को दी। जिसके बाद सुमित्रा ने निजी वाहन से समारुलाल को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाकर भर्ती कराया। जहां दोपहर में उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना की सूचना मिलती ही लालबर्रा पुलिस भी जिला अस्पताल पहुंच चुकी थी। एफ एस एल टीम से वैज्ञानिक गोतमा मेश्राम उप निरीक्षक मनोज तरवरे पुलिस फोटोग्राफर लोकेश चौकसे जिला अस्पताल पहुंचकर मृतक समारुलाल चोटो का बारीकी से निरीक्षण किया गया और फोटोग्राफी की गई इसके बाद डॉक्टरों की टीम के द्वारा मृतक के परिजनों अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले आरक्षक विक्रम शर्मा लालबर्रा पुलिस थाने से सहायक उपरीनिक्षक विजय बिसेन, सहायक उप निरीक्षक प्रसाद बंसोड़ की उपस्थिति में पोस्टमार्टम किया गया और शव उनके परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

हमले की आशंका- जांच जारी

जिला अस्पताल पुलिस ने सुमित्रा का बयान दर्ज कर मामले की तहरीर आगे की कार्रवाई के लिए लालबर्रा थाना भेज दी है ।बताया जा रहा है कि समारुलाल अक्सर कोसमटोला से लगे मरारी टोला (चिल्लोद) निवासी सुभाष कावरे के साथ रहता था और 5 अप्रैल की रात को भी उसे सुभाष कावरे के साथ देखा गया था ।प्रारंभिक आशंका है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने पुरानी रंजिश के चलते समारुलाल पर धारदार हथियार से हमला किया और गंभीर रूप से घायल करने के बाद उसे उसके कमरे में छोड़ दिया ।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

कायदी में आज से शुरू होगी संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कायदी स्थित श्रीराम मंदिर प्रांगण में आज7 अप्रैल से 13 अप्रैल तक संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन परम् पूज्य साध्वी भारती किशोरी जी वृंदावन (उत्तर प्रदेश) के श्रीमुख से संपन्न होगा ।धार्मिक आयोजन प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु कथा श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे ।कथा का कार्यक्रम- 7 अप्रैल- सुबह कलश यात्रा, विधि पूजन एवं भागवत महात्म्य का वर्णन 8 अप्रैल- धुंधकारी उद्धार, परीक्षित जन्म एवं सुखदेव आगमन,9 अप्रैल- कपिल अवतार एवं अजामिल कथा,10 अप्रैल- प्रह्लाद चरित्र, ध्रुव चरित्र एवं वामन अवतार,11 अप्रैल- श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, नंदोत्सव एवं ब्रज महोत्सव 12 अप्रैल- माखन चोरी, गोवर्धन पूजा एवं महारास की झांकी,13 अप्रैल- रुक्मिणी मंगल एवं गोपी-उद्धव संवाद।

आवश्यकता है
बालाघाट ऑफिस हेतु कम्प्यूटर में मेल, चैटजीपीटी आदि की जानकारी वाले ही जिनकी उम्र 28 से 35 वर्ष तक हो ।
मो. 9479309233

बंपर भर्ती
सनफ्लैग बरठी भंडारा में सुरक्षा गार्ड/सुपरवाईजर की आवश्यकता है
08 घंटे की ड्यूटी
26 दिन काम
04 छुट्टियां
डॉक्यूमेंट के साथ संपर्क करें
उचित वेतन मिलेगा
साथ ही रहने की व्यवस्था उपलब्ध है
-संपर्क करें-
8530070820
9766188388

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

एफ.एल.एन. कार्यक्रम में लापरवाही पर सख्ती, 8 शिक्षकों को नोटिस, वेतन कटौती प्रस्तावित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले के बैहर अनुविभाग अंतर्गत शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला कम्पाउंडरटोला में निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। दिनांक 06 अप्रैल 2026 को एसडीएम बैहर अर्पित गुप्ता द्वारा विद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि एफ.एल.एन. (Foundational Literacy and Numeracy)

कार्यक्रम के क्रियान्वयन में गंभीर अनियमितताएं हैं। पूर्व में आयोजित टी.एल. बैठक में दिए गए निर्देशों के बावजूद अंग्रेजी, गणित एवं हिन्दी विषयों में कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित नहीं की जा रही थीं। आश्चर्यजनक रूप से उपस्थित शिक्षकों को इन निर्देशों की जानकारी तक नहीं थी, जिससे जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही उजागर हुई। इसके अलावा निरीक्षण के समय विद्यार्थी भोजन अवकाश समाप्त होने के एक घंटे बाद भी विद्यालय परिसर में खेलते पाए गए, जबकि शिक्षक आपस में बातचीत में व्यस्त थे। यह स्थिति विद्यालय में अनुशासनहीनता को दर्शाती है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम बैहर ने विकास खंड शिक्षा अधिकारी एवं बी.आर.सी. बैहर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही, शाला के 8 शिक्षकों को शैक्षणिक दायित्वों के प्रति लापरवाही और अनुशासनहीनता के आरोप में अलग-अलग कारण बताओ नोटिस दिए गए हैं। संबंधित शिक्षकों के दिनांक 06 अप्रैल 2026 के वेतन कटौती का प्रस्ताव भी किया गया है। एसडीएम श्री गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि एफ.एल.एन. कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार हेतु तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं। भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

पात्रता परीक्षा पर सियासत, मंत्री का आश्वासन, शिक्षकों का आंदोलन जारी

सरकार करेगी पुनर्विचार याचिका दाखिल, 8 अप्रैल को ज्ञापन रैली का शिक्षको ने ऐलान किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शिक्षकों की पात्रता परीक्षा को लेकर एक ओर जहां सरकार की तरफ से राहत भरी बात सामने आई है, वहीं दूसरी ओर शिक्षक संगठनों ने अपने आंदोलन को जारी रखने का संकेत दिया है। जिले के दौरे पर पहुंचे मध्य प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदयप्रताप सिंह ने मीडिया से चर्चा में कहा कि पात्रता परीक्षा के संबंध में न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार सरकार ने विभाग को क्रियान्वयन के आदेश जारी किए थे। हालांकि अब सरकार इस मामले में पुनर्विचार याचिका दायर करने की तैयारी में है, जिससे शिक्षकों को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। मंत्री के इस बयान को शिक्षक वर्ग के लिए राहत के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन शिक्षक संगठन अभी आश्वस्त नजर नहीं आ रहे हैं। इधर आजाद अध्यापक संघ के पदाधिकारी रितेश गेडाम ने दूरभाष पर चर्चा करते हुए कहा कि केवल मौखिक बयान और आश्वासन से शिक्षकों का आंदोलन समाप्त नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल नहीं करती, तब तक शिक्षक वर्ग अपना आंदोलन और प्रदर्शन जारी रखेगा।

बीते कुछ महीनों से जिले के शिक्षा विभाग में पात्रता परीक्षा को लेकर असंतोष का माहौल बना हुआ है। विभाग को न्यायालय के आदेश के बाद पात्रता परीक्षा

आयोजित करने के निर्देश दिए गए थे, जिसके चलते शिक्षक संगठनों में नाराजगी देखी जा रही है। शिक्षकों का कहना है कि सरकार को इस निर्णय के खिलाफ अन्य राज्यों की तरह न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल करनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। जानकारी के अनुसार न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में मध्य प्रदेश सरकार ने शिक्षा विभाग को पात्रता परीक्षा लागू करने के आदेश जारी किए थे। हालांकि शिक्षक वर्ग का मानना है कि बिना पुनर्विचार याचिका दायर किए सीधे आदेश लागू करना उचित नहीं है। इसी के विरोध में शिक्षकों द्वारा लगातार धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन के माध्यम से अपनी नाराजगी जताई जा रही है। इसी बीच 6 अप्रैल को जिले के प्रभारी मंत्री एवं मध्यप्रदेश शासन के परिवहन व स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह बालाघाट पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए मंत्री उदयप्रताप सिंह ने स्पष्ट किया कि पात्रता परीक्षा का निर्णय सरकार का नहीं, बल्कि न्यायालय का है और न्यायालय के आदेशों का पालन करना सरकार की बाध्यता होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को इस विषय में घबराने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मध्य प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री मोहन यादव इस मुद्दे पर न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करने की दिशा में कदम उठाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के शिक्षक सरकार के लिए गौरव हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करना सरकार की प्राथमिकता है।

दिग्विजय सिंह को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है

मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें इस विषय पर अनावश्यक चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सरकार शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर शिक्षक संगठनों से संवाद की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है, ताकि जमीनी स्तर तक सही जानकारी पहुंच सके और शिक्षक अनावश्यक रूप से परेशान न हों।

आश्वासन से आंदोलन खत्म नहीं होगा - रितेश गेडाम

दूसरी ओर शिक्षक संगठन अपने आंदोलन को जारी रखने के पक्ष में नजर आ रहे हैं। आजाद अध्यापक शिक्षक संगठन के पदाधिकारी रितेश गेडाम ने दूरभाष पर चर्चा में स्पष्ट किया कि सिर्फ बयान जारी होने से उनका आंदोलन खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल नहीं करती, तब तक उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि 8 अप्रैल को जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक ज्ञापन रैली का आयोजन किया गया हैं , जिसका कार्यक्रम पूर्व निर्धारित अनुसार ही रहेगा। संगठन ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, तब तक आंदोलन को जारी रखा जाएगा। शिक्षकों के इस विरोध और सरकार के आश्वासन के बीच अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि सरकार कब तक न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करती है और इस पूरे विवाद का समाधान किस प्रकार निकलता है।

कोडिंग एवं एआई प्रशिक्षण का शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंवार क्षत्रिय संगठन, पंवार समाज जिला बालाघाट द्वारा समाज के बच्चों, युवाओं, पुरुषों एवं महिलाओं के लिए कोडिंग एवं एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 6 अप्रैल 2026 को बालाघाट मुख्यालय स्थित टेक्नो स्किल इंस्टिट्यूट में आयोजित किया गया, जहां समाज के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ पंवार समाज जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन के मार्गदर्शन एवं मुख्यातिथ्य में हुआ। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

टेक्नो स्किल इंस्टिट्यूट के संचालक एवं पंवार समाज युवा प्रकोष्ठ के जिला सह सचिव इंजीनियर संकेत रहांगडाले ने प्रशिक्षण से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पंवार समाज जिला संगठन के सहयोग से इस प्रशिक्षण अभियान में समाज के लोगों के लिए विशेष सुविधा और आकर्षक छूट प्रदान की जा रही है। साथ ही गृहिणियों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण की विशेष व्यवस्था भी की गई है, जिससे वे घर बैठे इस तकनीकी ज्ञान को प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन ने कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बन चुका है। इसे समझना और सीखना आज की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है, ताकि समाज के बच्चे, युवा और महिलाएं तकनीक के साथ कदमताल कर सकें और भविष्य के लिए स्वयं को तैयार कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से समाज के युवाओं को नई दिशा मिलेगी और वे रोजगार के नए अवसरों की ओर अग्रसर हो सकेंगे। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें वेदप्रकाश पटले, देवीशंकर टेम्भरे, ताजेश्वर बिसेन, डोंगरूभाऊ बिसेन, जिला महासचिव डॉ. राजेंद्र एल कटरे, जिला उपाध्यक्ष डॉ. अक्षय कटरे, श्रीमती गायत्री बिसेन, श्रीमती इंदु बिसेन, चेतन पटले, राजा भोज फाउंडेशन सह संयोजक महात्मा हनवत, श्री मुकेश गौतम, रामकुमार राणा सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य शामिल रहे।

कोतवाली पुलिस की तत्परता से खोया सैमसंग टैबलेट बरामद आवेदक को सौंपा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज कुछ ही समय में खोया हुआ कीमती टैबलेट खोजकर उसके मालिक को वापस सौंप दिया।

कोतवाली पुलिस के मुताबिक 6 अप्रैल को सौरभ चौधरी द्वारा थाना कोतवाली में उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई गई कि 4 अप्रैल को श्रीवास्तव नर्सिंग होम में कार्य के दौरान उसका सैमसंग कंपनी का टैबलेट (गैलेक्सी.9+ 5त्र) कहीं गुम हो गया है। काफी तलाश करने के बाद भी टैबलेट नहीं मिला। जिससे यह आशंका जताई गई कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसे उठा लिया गया है। टैबलेट में महत्वपूर्ण डाटा होने के कारण मामला गंभीर था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी कोतवाली के निर्देशन में तत्काल एक पुलिस टीम गठित की गई। टीम द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्र के

सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। फुटेज में एक महिला संदिग्ध रूप से टैबलेट उठाकर ले जाते हुए दिखाई दी। जांच एवं पतासाजी के आधार पर महिला की पहचान स्वाति मेश्राम के रूप में की गई।

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महिला के कब्जे से सैमसंग गैलेक्सी.9+ 5त्र टैबलेट बरामद किया और उसे थाने लाकर विधिवत कार्रवाई उपरांत आवेदक को सुपुर्द कर दिया गया।

इनका रहा सराहनीय योगदान

इस सफल कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक कामेश धूमकेती के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक किरण वटके, आरक्षक लेखराज, अमित बरैया, महिला आरक्षक सोनम चौहान एवं अन्य स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

भूतपूर्व सैनिकों के लिए सुनहरा अवसर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सिवनी एवं बालाघाट द्वारा जिले के भूतपूर्व सैनिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अमरेन्द्र कुमार दास (सेवानिवृत्त) ने जानकारी देते हुए बताया कि एएसएफ कल्याण संयोजक, बालाघाट के पद पर अस्थाई नियुक्ति की जानी है, जिसके लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जूनियर कमीशन अधिकारी (छ्ष्टह्र) के समकक्ष रैंक के भूतपूर्व सैनिक इस पद के लिए पात्र होंगे। इच्छुक उम्मीदवार 09 अप्रैल 2026 को दोपहर 12 बजे कार्यालय सिवनी में उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। इस संबंध में योग्य एवं इच्छुक भूतपूर्व सैनिक निर्धारित समय पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं। कार्यालय द्वारा सभी पात्र भूतपूर्व सैनिकों से समय पर उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की गई है।

पांच वर्षों से फरार 5 हजार रुपये का इनामी आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना क्षेत्र में वर्ष 2021 में दर्ज एक अपहरण प्रकरण में फरार चल रहे 5हजार रुपये के इनामी आरोपी को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपी अक्षय देवारे पिता अमरलाल देवारे 25 वर्ष ग्राम हुड़कीटोला पिपरिया थाना वारासिवनी निवासी है जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के 14 जनवरी2021 को एक सूचनाकर्ता ने थाना वारासिवनी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी को अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। इस पर पुलिस ने धारा 363 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

तलाश के दौरान अपहृत बालिका2मार्च2021 को ग्वालियर में बरामद हुई। बालिका के बयान के आधार पर मामले में बलात्कार, पॉक्सो एक्ट तथा अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराएं जोड़ी गईं। इस प्रकरण में एक सह-आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था।

मुख्य आरोपी अक्षय देवारे घटना के बाद से फरार चल रहा था। वह लगातार अपने मोबाइल नंबर बदलकर महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों में छिपता रहा।जिससे पुलिस को उसे पकड़ने में कठिनाई हो रही थी। आरोपी की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक बालाघाट द्वारा 5000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

थाना अजाक द्वारा मामले की विवेचना एवं आरोपी की तलाश जारी थी। कई बार उसके घर और रिश्तेदारों के यहां दबिश दी गई। लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।

दिनांक 5 अप्रैल2026 को सूचना मिली कि आरोपी रामपायली थाना क्षेत्र के ग्राम मोहगांव में अपने एक रिश्तेदार के घर छिपा हुआ है। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घर की घेराबंदी की और संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की जो अक्षय देवारे निकला।पुलिस ने आरोपी अक्षय देवारे को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया।जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में निरीक्षक ब्रजेश कुमार, प्रधान आरक्षक रमेश उके, आरक्षक शैलेष गौतम, महिला आरक्षक रितु ढेकवार एवं चालक प्रधान आरक्षक चन्द्र कुमार तिवारी की विशेष भूमिका रही।

प्रभारी मंत्री रोटरी क्लब के बालाघाट महोत्सव कार्यक्रम में हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री तथा बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने 06 अप्रैल को बालाघाट प्रवास के दौरान शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के मैदान में रोटरी क्लब द्वारा आयोजित बालाघाट महोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक राजकुमार कर्राहे, पूर्व मंत्री श्री रामकिशोर कावरे, सत्यनारायण अग्रवाल, अन्य गणमान्य नागरिक एवं रोटरी क्लब के पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने रोटरी क्लब द्वारा आयोजित बालाघाट महोत्सव की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से उद्यम व्यवसाय को प्रोत्साहन मिलता है और आमजन को एक ही छत के नीचे हर तरह की सामग्री क्रय करने का अवसर मिलता है। इससे स्थानीय उद्यमी एवं व्यवसायियों को आगे आने का अवसर मिलता है। इस तरह के आयोजन जिले की अर्थव्यवस्था को बढाने में मददगार होते है। रोटरी क्लब सामाजिक कार्यों में बढ-चढ कर भाग लेता है। रोटरी क्लब का यह कार्य एक सामाजिक सेवा की तरह ही है।

अखिल भारतीय कुनबी कुर्मी समाज का राष्ट्रीय महाधिवेशन सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रगतिशील कुनबी समाज, जिलाध्यक्ष सुनिल खोटेले ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अखिल भारतीय कुनबी कुर्मी समाज क्षत्रिय महासभा का 46वाँ राष्ट्रीय महाधिवेशन एवं 5वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन दिनांक 4 एवं 5 अप्रैल को जबलपुर में सम्पन्न हुआ।महाधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यख डॉ व्ही एस रिंजन, सेवा निवृत्त आई.ए.एस., एल पी पटेल संरक्षक, श्रीमती ममता एस पटेल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, उमेश कुमार पटेल राष्ट्रीय महासचिव, श्रीमती लता ऋषि चन्द्राकर, श्रीमती मनीषा गौर राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्य अतिथि मान0 अनुप्रिया पटेल केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर जीता माता, सरदार पटेल, शिवाजी महारा, साहुजी महाराज, शहीद गणेश सिंह संत तुमाराम महाराज जी के चित्रों पर माल्यापर्णन किया गया ।

महिला सम्मेलन मे डॉ0 अनुप्रिया पटेल ने अपने उद्बोधन में महिलाओं के सशक्तिकरण एवं परिवार को किस प्रकार नशामुक्त समाज बने पर अपने विचार व्यक्त किये, विशेष अतिथि सांसद गणेश सिंह ने ओजस्वी विचार व्यक्त कर युवाओं को संदेश दिया, आगामी भारत की जनगणना, अमेरिका ईरान संकट के समय सजगता एवं जागरूकता के लिए अपने विचार व्यक्त किये, सागर सांसद श्रीमती लता वानखेड़े द्वारा स्वागत भाषण मे अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज की एकता एवं कुरीतियों को खत्म कर महिला को नेवृत्व प्रदान करने योय महिला बनने के प्रति विषय पर जोर दिया।उन्होंने बताया कि नारीशक्ति देश की शक्ति है आने वाले समय में महिलाओ

को आधी आबादी को नेतृत्तव करना है।अन्य व्यक्तओं में राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय सिंह निरंजन, प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री रामखिलावन पटेल, पूर्व मंत्री कमलेश्वर सिंह विधायक प्रदीप पटेल, मंत्री राकेश सिंह, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती लता ऋषि चन्द्राकर, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष सतीष चौहान ने अपने विचार व्यक्त किये ।इस सम्मेलन में विचार मंथन के द्वितीय सत्र में संयोजिका मनीषा गौर द्वारा बताया गया कि लडकियों को आत्म सुरक्षा हेतु मार्शल आर्ट जैसे ट्रेनिंग एव गुड टच बैड टच की जानकारी बचपन से दी जानी चाहिये।उन्होंने बताया कि नारी शिक्षा समाज विकास की रीढ़ है उद्योग एवं व्यापार के क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता, प्री वेडिंग शूट समाज में सख्ती से बंद होना चाहिये इत्यादि विषय पर महिला सम्मेलन में विचार व्यक्त किये । उक्त सम्मेलन में 21 प्रान्तों 4 हजार से महिला एंव पुरूष सम्मिलित हुए । विशेष रूप से गोवा, कर्नाटक, उडि़सा, तमिलनाडू, आन्ध्रा, बिहार, के प्रतिनिधि सम्मिलित थे।बालाघाट से प्रतिनिधि के रूप में सुनिल खोटेले जिला अध्यक्ष प्रगतिशील कुनबी समाज, भागवत कुथे, श्रीराम दानी महासचिव, शिवशंकर शिवनकर उपाध्यक्ष, अनन्तराम थेरकर, मनोहर मराठा, अरविन्द पारधी, मोहन थेरकर एवं अभय कापसे उपस्थित रहे ।

बम्हनी में नाली विवाद का नहीं निकला हल, तहसीलदार ने किया निरीक्षण

जिस स्थान से पानी निकासी होता था, उसे लक्ष्मण ने कर दिया बंद, अपनी जमीन में है कहकर पानी निकासी रोकने पर अड़ा

अधिकारी समस्या का समाधान निकाले बिना हुए वापस, स्थल पर बनाया पंचनामा

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से करीब 4 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत बम्हनी में पिछले तीन वर्षों से चला आ रहा नाली निकासी एवं नाली विवाद सुलझने की बजाय और गहराता जा रहा है। सोमवार को तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार ने राजस्व अमले और पंचायत प्रतिनिधियों के साथ विवादित स्थल का निरीक्षण किया। लेकिन घंटों चली समझाइश के बाद भी समाधान नहीं निकल सका। अंतत: अधिकारी पंचनामा की कार्यवाही कर वापस लौट गये।

क्या है पूरा मामला?

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत बम्हनी में लक्ष्मण तुमसरे के मकान के समीप से बनी नाली से पुर्वजों के समय से कुछ ग्रामीणों के घरों एवं बारिश का पानी की निकासी होते आ रहा है। लेकिन करीब 3 वर्ष पूर्व लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा पानी निकासी की नाली को बंद कर उसके ऊपर से निर्माण कर दिया गया था। जिसके बाद एसडीएम, तहसीलदार एवं प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा पहुंचकर बंद नाली को खुलवाकर पानी निकासी की व्यवस्था की गई थी। लेकिन कुछ महीनों बाद पुन: नाली को बंद कर दिया गया था जिससे पानी की निकासी नही होने से परेशानी उत्पन्न हो चुकी थी। जिसके बाद पिछले वर्ष तहसीलदार के द्वारा स्थल का निरीक्षण कर जमीन का सीमांकन करवाकर शासकीय जमीन से पानी निकासी की व्यवस्था कर शोक पीट बना दिया गया है, लेकिन यह स्थाई समाधान नही है। गत दिवस हुई बारिश के चलते पुन: पानी जमा हो गया था, जिससे परेशान ग्रामीणों ने कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर जिस व्यक्ति के द्वारा पानी निकासी की नाली को बंद कर दिया गया है उसे खोलकर पानी निकासी की व्यवस्था करने की मांग की थी। ग्रामीणों की शिकायत पर सोमवार को तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार राजस्व अमला के साथ बम्हनी पहुंचकर पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ विवादित स्थल का निरीक्षण किया। साथ ही अन्य स्थानों का निरीक्षण कर वहां की भौगोलिक स्थिति का जायजा लिया। जिसमें पाया गया कि अधिकांश स्थानों से पूर्वजों के समय से जिस स्थान से पानी निकासी होते आ रही है उस स्थान से हो रही है। किन्तु लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा अपने मकान के समीप से पानी निकासी नही होने दे रहा है। यानि की निकासी की पुरानी नाली को ग्रामीण लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा बंद कर दिया गया है। जिस पर तहसीलदार ने लक्ष्मण तुमसरे को समझाइश देते हुए कहा कि सार्वजनिक हित और जल निकासी की पुरानी व्यवस्था को देखते हुए उन्हें पानी जाने देना चाहिए। जिस पर लक्ष्मण तुमसरे ने स्पष्ट रूप से पानी निकासी देने से मना कर दिया। उनका कहना है कि जिस जमीन से पानी निकासी की बात कही जा रही है, वह अब उसकी निजी भूमि है जिसे उसने खरीदा है। वहां उसका मकान बना हुआ है और वह अपनी निजी जमीन से गंदा पानी नहीं बहने देगा। उसने सुझाव दिया कि प्रशासन आगे से नई नाली का निर्माण करवाये।

नहीं निकला कोई निष्कर्ष

बम्हनी में पानी निकासी की समस्या का हाल निकालने के लिए काफी देर तक चली बातचीत और समझाइश के बाद भी जब लक्ष्मण तुमसरे अपनी बात पर अड़ा रहा और उसने प्रशासनिक निर्देशों को मानने से इनकार कर दिया, तो अधिकारियों ने मौके पर ही पंचनामा तैयार किया। समस्या का कोई ठोस समाधान न निकलने के कारण ग्रामीण अब भी जलभराव की आशंका से डरे हुए हैं। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से पानी इसी नाली से निकलता आ रहा था, जिसे अब अवरूध्द कर दिया गया है। नाली बंद होने के कारण बारिश का पानी एक स्थान पर जमा हो रहा है। प्रशासन ने पूर्व में अस्थाई समाधान के तौर पर लक्ष्मण के मकान के सामने एक गड्ढा खुदवाया था, लेकिन तेज बारिश होने पर वह भर जाता है और गंदा पानी सड़क पर बहने लगता है, जिससे राहगीरों और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन से मांग है कि पानी निकासी की समुचित व्यवस्था बनाये।

अधुरी नाली का निर्माण होने से समस्या का हो जायेगा समाधान - लक्ष्मण

लक्ष्मण तुमसरे ने बताया कि प्रशासन के द्वारा मकान के सामने 15 बाई 15 और लगभग 12 फीट गहरा गड्डा खोद दिया गया है जिसमें वार्ड का गंदा पानी जमा होता है और इसकी दुर्गंध से परिवार के लोग परेशान है एवं स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। श्री तुमसरे ने बताया कि मकान बनाने के लिए जमीन खरीदा हूं और मेरी जमीन से प्रशासन पानी निकासी की व्यवस्था करना चाहता है। जबकि 20 मीटर नाली का निर्माण कार्य अधुरा है, यदि नाली का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाता है तो समस्या का समाधान हो जायेगा।

पानी निकासी की व्यवस्था नही होने पर होगी परेशानी - ढबाले

सरपंच बीआर ढबाले ने बताया कि पानी निकासी को लेकर विगत 3 वर्ष से विवाद चल रहा है क्योंकि लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा पूर्व से जिस स्थान से पानी निकासी होते आ रहा है उसे बंद कर दिया गया है। जिसे कई बार प्रशासन के द्वारा समझाया भी गया है लेकिन वह पानी नही जाने दे रहा है और कह रहा है कि मेरी नीजि भूमि है। जबकि विगत वर्षों से उसी स्थान से पानी जा रहा है, अगर बंद नाली को नही खुलवाया गया तो बरसात के दिनों में सड़क के ऊपर से पानी बहेगा।

बरसात के पूर्व समस्या का कर दिया जायेगा समाधान - तहसीलदार

तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार ने बताया कि बम्हनी में एक परिवार के द्वारा जल निकासी की व्यवस्था को बाधित किया गया है। जिसकी शिकायत के आधार पर मौका निरीक्षण किया गया है और जिसने नाली को बंद किया है उसे समझाईश देकर नाली खोलने कहा गया है। साथ ही तत्कालीन तहसीलदार महोदय एवं अधिकारी के द्वारा पूर्व में बारिश में जल भराव की स्थिति निर्मित ना हो इसलिए वैकल्पिक व्यवस्था कर गड्डा किया गया था, बरसात के पूर्व इस समस्या का समाधान कर दिया जायेगा।

मांझापुर में तीन दिवसीय महिला-पुरूष ओपन व्हॉलीवाल नाईट टूर्नामेंट 12 से

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मांझापुर में एमपीएल व्हालीवाल क्लब के तत्वाधान में आगामी 12 अप्रैल से तीन दिवसीय महिला एवं पुरूष ओपन व्हालीवाल नाईट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। चर्चा में सचिन डहरवाल ने बताया कि तीन दिवसीय महिला एवं ओपन व्हॉलीवाल नाईट टूर्नामेंट का आयोजन 12 अप्रैल से प्रारंभ होगा। इस प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 11001 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 7001 रूपये, महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार 3001 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 2001 रूपये निर्धारित किया गया है एवं प्रवेश नि:शुल्क है। इस महिला-पुरूष ओपन व्हालीवाल नाईट टूर्नामेंट में जिलेभर के व्हालीवाल टीम के खिलाडियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील श्रीमती रूखमणी मर्सकोले सरपंच मांझापुर, घनश्याम चौधरी उपसरपंच, जगदीश प्रसाद सोनगढ़े, हिरेंद्र बिसेन, मदनलाल टेम्भरे, अलखनिरंजन डहरवाल, सावनलाल डहरवाल, महेश मर्सकोले, यादोराव सोनगढ़े, देवेन्द्र बोपचे, गोपाल मुंजारे, नारायण मर्सकोले, आशाराम नारबोदे, देवेन्द्र ठाकरे, पुनाराम बोरीकर, दीपक चौहान, सुरज वादगुले, मानिक बघारे, कन्हैया मुंजारे, गुडडू मुंजारे, डाली हनवत, रजनीश डहरवाल, प्रवीण सोनगढे सहित ग्रामीणजनों ने की है।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय बालाघाट में 'पुस्तक उपहार महोत्सव' का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय बालाघाट में पुस्तक उपहार महोत्सव का भव्य और सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इसे यादगार बना दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और ज्ञान साझा करने की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। महोत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी पुरानी लेकिन उपयोगी

पुस्तकों का दान किया। विद्यालय परिसर में बड़ी संख्या में पुस्तकों का संग्रह किया गया, जिन्हें जरूरतमंद छात्रों तक पहुंचाया जाएगा। इस पहल में छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए बैनर के माध्यम से पुस्तक उपहार महोत्सव का संदेश दिया गया, जिसमें पुस्तक दान को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा गया। शिक्षकों ने बताया कि पुस्तकों के पुन: उपयोग से कागज की बचत होती है, जिससे पेड़ों की कटाई कम होती है और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार तुमसरे ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तकें ज्ञान का अमूल्य स्त्रोत हैं और इन्हें साझा करने से समाज में शिक्षा का प्रसार होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से पढ़ने और पुस्तकों को जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और पुस्तक दान को सामाजिक जिम्मेदारी बताते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। पुस्तक उपहार महोत्सव के माध्यम से विद्यालय ने यह संदेश दिया कि छोटे-छोटे प्रयासों से न केवल पर्यावरण की रक्षा की जा सकती है, बल्कि समाज में ज्ञान का प्रकाश भी फैलाया जा सकता है। विद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया।

श्री सत्य सांई प्रेम प्रवाहिनी दिव्य रथ का हुआ भव्य स्वागत

नगर भ्रमण के बाद भजन-सत्संग का हुआ आयोजन, श्रध्दालुओं ने लिया धर्मलाभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भगवान श्री सत्य सांई बाबा के जन्म शताब्दी वर्ष के पावन उपलक्ष्य में पुट्टपर्ती से प्रारंभ हुई श्री सत्य सांई प्रेम प्रवाहिनी दिव्य रथयात्रा इन दिनों मध्यप्रदेश के प्रवास पर है। 4 अप्रैल को लालबर्रा विकासखण्ड में प्रवेश के पश्चात 6 अप्रैल को प्रात: 10 बजे शांति नगर पहुंचने पर श्री सत्य सांई सेवा समिति के पदाधिकारियों एवं श्रध्दालुओं द्वारा इस दिव्य रथ का भव्य स्वागत किया गया।

चरण पादुका दर्शन हेतु उमड़ा जनसैलाब

पुट्टपर्ती से निकले पांच दिव्य रथों में से सेंट्रल जोन का यह रथ छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के भ्रमण के पश्चात अब बालाघाट जिले की धरा को पावन कर रहा है। रथ में भगवान श्री सत्य सांई बाबा की चरण पादुकाएं विराजमान हैं, जिनके दर्शन और पूजन हेतु श्रध्दालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। जिस भी मार्ग से यह रथ गुजर रहा है, श्रध्दालुजन विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। 6 अप्रैल को श्री सत्य सांई प्रेम प्रवाहिनी दिव्य रथ का आगमन हुआ। जो लालबर्रा के शांति नगर का भ्रमण करते हुए मजार समीप स्थित लॉन पहुंचा जहां दोपहर को विशेष भजन-सत्संग कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान वक्ताओं ने भगवान श्री सत्य सांई बाबा के बताये मार्ग पर चलने और उनके शांति व प्रेम के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आव्हान किया। वहीं शाम को पुन: नगर भ्रमण करते हुए मानपुर स्थित लॉन में संध्या आरती की गई, जिसके बाद रथ ने वहां विश्राम किया। साथ ही श्री सत्य सांई सेवा संगठन द्वारा आयोजित इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य विश्व शांति और प्रेम का प्रसार करना है। उल्लेखनीय है कि 24 अप्रैल 2025 को पुट्टपर्ती से निकले पांच दिव्य रथों में से सेंट्रल जोन का रथ, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के भ्रमण के पश्चात अब बालाघाट जिले की धरा को पावन कर रहा है। इन रथों में भगवान के चरण पादुकाएं विराजमान हैं। बालाघाट जिले में 4 अप्रैल से 17 अप्रैल तक का समय निर्धारित है। जिसमें लालबर्रा विकासखण्ड में 4 अप्रैल से 11 अप्रैल तक श्री सत्य सांई प्रेम प्रवाहिनी दिव्य रथ क्षेत्र का भ्रमण करने के पश्चात रथ अन्य विकासखण्डों की ओर प्रस्थान करेगा।

जनपद अध्यक्ष एवं सभापतियों ने विधायक के आरोपों को नकारा, कहा नियमों के अनुसार हो रही सामूहिक विवाह की प्रक्रिया

प्रेसवर्ता आयोजित कर दी जानकारी, लालबर्रा विकासखण्ड के पात्र हितग्राहियों को दिलवाया जायेगा योजना का लाभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा में आगामी 19 अप्रैल को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न होना है। जिसके लिए जनपद पंचायत में पूर्व में आवेदन जमा किये गये है। लेकिन इस आवेदन प्रक्रिया में अनियमितता बरतने का आरोप जनपद की बॉडी एवं प्रशासन पर लग रहे थे। वहीं गत दिवस क्षेत्रीय विधायक अनुभा मुंजारे के द्वारा सामूहिक विवाह कार्यक्रम के संबंध में क्षेत्रीयजनों से मिल रही शिकायतों के आधार पर नाराजगी व्यक्त की थी और उनके समर्थकों ने भी इस प्रक्रिया में आपत्ति दर्ज करवाते हुए अनियमितता बरतने का आरोप लगाते हुए जांच करवाने की बात कही थी। जिसके बाद विधायक महोदया के द्वारा संबंधित अधिकारी को फटकार लगाते हुए नियमानुसार काम करने निर्देशित किया था। वहीं इस सामूहिक विवाह में आवेदन प्रक्रिया में अनियमितता बरतने एवं प्रचार-प्रसार नही होने एवं जनपद सदस्यों के द्वारा आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाने के पहले ही 200 से अधिक आवेदन जमा कर देने का एक सोशल मीडिया में कनकी सरपंच एवं लालबर्रा जनपद पंचायत के सामाजिक न्याय विभाग के ब्लाक समन्वयक अधिकारी श्री बोकड़े का एक आडियों जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें उनके द्वारा कहा जा रहा है कि 600 से अधिक फार्म जमा हो चुके है। वहीं जनपद में होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रम में आवेदन लेने की प्रक्रिया में अनियमितता होने के आरोपों के बीच में सोमवार को जनपद पंचायत लालबर्रा में जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी एवं सभापति धनेन्द्र नगपुरे व अन्य जनपद सदस्यों ने प्रेसवर्ता आयोजित कर क्षेत्रीय विधायक अनुभा मुंजारे एवं उनके समर्थकों के द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत होने वाले सामूहिक विवाह आयोजन पर लगाये जा रहे अनियमितता के आरोपों को पूरी तरह से निराधार और बेबुनियाद बताया है। साथ ही यह भी कहा कि सामूहिक विवाह के लिए शासन के द्वारा जो नियम बनाये गये है उसी नियम के तहत आवेदन लिये गये है और लगभग 400 आवेदन जमा हुए है। जबकि नियमानुसार 200 जोड़ों का ही विवाह होना है और हमारे द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि हम अपने विकासखण्ड के पात्र हितग्राहियों को प्राथमिकता देकर योजना का लाभ दिलवाये। आगे कहा कि आवेदनों की सूक्ष्मता से जांच की जा रही है, सामूहिक विवाह की संपूर्ण प्रक्रिया शासन के तय नियमों और कानूनों के दायरे में रहकर ही की जा रही है। विधायक एवं उनके समर्थकों के द्वारा लगाये जा रहे आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। यदि किसी को भी प्रक्रिया में कोई त्रुटि लगती है, तो वे इसकी निष्पक्ष जांच करवा सकते हैं। हम पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं।

विधायक एवं उनके समर्थक फैला रहे भ्रामक जानकारी - धनेंद्र

सेवा सहकारिता समिति सभापति धनेन्द्र नगपुरे ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक एवं उनके कुछ समर्थकों के द्वारा जनपद पंचायत में 19 अप्रैल को होने वाले सामूहिक विवाह के आवेदन प्रक्रिया में अनियमितता बरतने का आरोप लगाया जा रहा है। जबकि इस योजना का प्रचार-प्रसार किया गया है और शासन के नियमानुसार 200 जोड़ों का विवाह होना है। करीब 400 आवेदन आये है जिसमें लालबर्रा विकासखण्ड के आवेदनों की जांच सूक्ष्मता से की जा रही है उन्हे ही लाभ दिलवाया जायेगा। श्री नगपुरे ने बताया कि विधायक एवं उनके समर्थक भ्रामक जानकारी फैला रहे है कि इस सामूहिक विवाह में अनियमितता बरती जा रही है, पिछले वर्ष भी उनके भ्रामकता के कारण सामूहिक विवाह कार्यक्रम प्रभावित हुआ था। पहले संपूर्ण जानकारी ले उसके बाद ही आरोप प्रत्यारोप लगाये और आवेदन फार्म लेने के लिए प्रचार-प्रसार भी किया गया है और आवेदनों की जांच कर अंतिम सूची जारी कर दी गई है। यदि किसी को आपत्ति है तो जनपद पंचायत पहुंचकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

लालबर्रा ब्लॉक के पात्र हितग्राहियों को दी जा रही हैं प्राथमिकता - देवीलता

जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवांशी ने बताया कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम में लगभग 400 जोड़ों के आवेदन जमा हुए है। जबकि शासन के नियम के अनुसार 200 जोड़ों का विवाह होना है। जिसमें अन्य ब्लाकों के भी आवेदन आये है लेकिन हमारे द्वारा लालबर्रा ब्लॉक को प्राथमिकता देकर जो पात्र होगें उन्हे पहले लाभ दिलवाया जायेगा। श्रीमती ग्वालवंशी ने बताया कि विधायक एवं उनके समर्थक इस प्रक्रिया में अनियमितता बरतने का जो आरोप लगा रहे है सभी आरोप निराधार एवं बेबुनियाद है, अगर उन्हे संदेह है तो वे जांच करवा सकते है।

आस-पास की खबरें

केशव इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल में प्रवेशोत्सव के साथ नए शिक्षा सत्र की प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। संस्कृति ही संस्कारों की जननी है इस वाक्य को चरितार्थ करता केशव इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल में नए

शैक्षणिक सत्र का प्रारंभ प्रवेशोत्सव के साथ बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। विद्यालय को एवं विद्यालय के प्रवेश द्वार को बहुत ही सुंदर रूप से सजाया गया। जिससे की विद्यालय में किसी पर्व की भांति वातावरण निर्मित हुंआ। इस अवसर पर विद्यालय के मुख्य द्वार पर विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्र'वलन कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया। विद्यालय के प्राचार्य मयंक मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनका स्वागत एवं अभिनदंन किया तथा विद्यालय के नियमों एवं अनुशासन के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अधीक्षक जितेन्द्र टेंभरे ने भी विद्यार्थियों एवं शिक्षकगण को नए सत्र के लिए शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास के साथ हुआ और सभी ने नए सत्र के शुभारंभ के लिए उत्साह व्यक्त किया।

हर घर नल का सपना अधूरा एकोड़ी में एक हैंडपंप पर टिकी 700 लोगों की प्यास

जल जीवन मिशन की सुस्त रफ्तार से ग्रामीणों में भारी आक्रोश, कछुआ गति से चल रहा टंकी का निर्माण कार्य

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

प्रचंड गर्मी की दस्तक के साथ ही वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत एकोड़ी में जल संकट ने विकराल रूप धारण कर लिया है। एक ओर सरकार हर घर नल हर घर जल का दावा कर रही है वहीं दूसरी ओर एकोड़ी के ग्रामीण बूंद.बूंद पानी के लिए भीषण जद्दोजहद करने को मजबूर हैं। स्थिति यह है कि पूरी बस्ती की प्यास महज एक हैंडपंप के भरोसे है जो अत्यधिक दबाव के कारण आए दिन दम तोड़ देता है।

एक हैंडपंप और 700 की आबादी संकट का गणित

एकोड़ी ग्राम पंचायत मुख्य रूप से बस्ती और चार टोलों में विभाजित है। बस्ती में निवास करने वाली करीब 700 लोगों की आबादी के लिए मीठे पानी का एकमात्र स्रोत चौक पर स्थित एकलौता हैंडपंप है। ग्राम में कुल पांच हैंडपंप हैं लेकिन विडंबना देखिए कि चार हैंडपंपों के पानी को खराब घोषित कर दिया गया है। उन पर स्पष्ट रूप से खराब पानी लिखकर उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। एकमात्र चालू हैंडपंप पर इतना दबाव है कि उसे आज सुधारा जाता है तो वह कल फिर जवाब दे देता है।

अधूरी योजना ठेकेदार की लापरवाही उजागर

ग्रामीणों की प्यास बुझाने के लिए कुछ वर्ष पूर्व जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजना को स्वीकृति मिली थी। योजना की शुरुआत में ग्रामीणों में यह उम्मीद जगी थी कि अब उनके आंगन तक पानी पहुंचेगा। लेकिन ठेकेदार की कार्यप्रणाली ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया। वर्तमान में स्थिति यह है कि काम अत्यंत धीमी गति से चल रहा है। अब तक केवल पानी की टंकी के चार स्तंभ करीब 4 फीट ऊंचे और एक भूमिगत टैंक का ही निर्माण हो सका है। महीनों से काम अधर में लटका हुआ है। इस समस्या को लेकर ग्रामीण कई बार विभागीय अधिकारियों को लिखित और मौखिक शिकायत दर्ज करा चुके हैं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

जल स्तर की चिंता

जैसे जैसे गर्मी बढ़ रही है जल स्तर नीचे जा रहा है जिससे निजी ट्यूबवेल और कुएं भी सूखने की कगार पर हैं। अपनी दैनिक जरूरतों में कटौती कर रहे ग्रामीणों में अब प्रशासन के खिलाफ बेतहाशा आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण सालों से पानी की इस किल्लत से जूझ रहे हैं। नल जल योजना कागजों और आधे.अधूरे पिलरों तक सिमट कर रह गई है। अगर ठेकेदार ने जल्द काम पूरा नहीं किया तो इस भीषण गर्मी एवं आने वाले दिनों में भी पानी की किल्लत का सामना उन्हें करना पड़ेगा।

1 किलोमीटर की दुर तय कर लाना पड़ता है पानी- गणेश चौहान

ग्रामीण गणेश चौहान ने बताया कि यह एकोड़ी का वार्ड नंबर एक है नल जल की टंकी का 1 वर्ष से काम रुका है एक हैंडपंप है जिसके ऊपर पूरी बस्ती आश्रित है। कम से कम 1 किलोमीटर के लोग पानी लेने आते हैं और भी हैंडपंप है पर वह खराब है या उनका पानी खराब है मेरे घर के सामने भी एक हैंड पंप है। उस पर पानी खराब लिखा हुआ है पीने लायक नहीं है जो चालू हैंडपंप था वह भी अभी बंद हो गया है 1 वर्ष से नल जल योजना का काम बंद पड़ा है। अभी होली के पहले कुछ लोग आए थे कम करें और चले गए फिर बंद है एक से दो बाल्टी पानी के लिए लोगों को इधर उधर भटककर व्यवस्था करनी पड़ रही है हम सोचे थे कि यह पानी की टंकी बनेगी साधन होगा पर कुछ हुआ नहीं।

ग्राम में पानी की भयंकर समस्या बनी हुई है-जीरनबाई बावने

ग्रामीण जीरनबाई बावने ने बताया कि पानी की भयंकर समस्या है बहुत दूर से पानी लाते हैं मुझे 500 मीटर चलना पड़ता है नल जल की टंकी बनी नहीं है। यह किसी एक वार्ड नहीं पूरे गांव की समस्या है एक हैंड पंप पर पूरा गांव है पर्याप्त पानी किसी को नहीं मिलता यहां पर करीब 700 लोगों का परिवार है हम चाहते हैं कि नल के माध्यम से घरों में पानी आए अभी गर्मी का मौसम है। घर में छोटे.छोटे बच्चे हैं घर में अपने उपयोग मवेशियों के उपयोग सभी में पानी लगता है बाहर से पानी की टंकी 1200 रूपये देकर बुलानी पड़ रही है। शादियों में तो एक टंकी से भी काम नहीं होता है पहले से यह समस्या है कहां जाएं समझ नहीं आ रहा हम गरीब लोगों की तो आप समस्या हो गई है।

हमारे गांव में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है-कालू राम ठाकरे

ग्रामीण कालू राम ठाकरे ने बताया कि हमारे गांव में पानी के लिए हाहाकार की स्थिति बनी हुई है हर कोई परेशान केवल पानी के लिए है। नल जल योजना स्वीकृत हुई थी परंतु वह भी अब कागजों में सिमटी नजर आ रही है, ग्राम के अंदर कुछ साधन है जहां से लोग पानी ले पा रहे हैं। परंतु वह भी बिजली से संचालित होते हैं तो कई लोगों को निराश होकर लौटना पड़ता है। वर्तमान में सबसे ज्यादा समस्या ग्राम के अंदर ऐसे व्यक्ति है जिनके घर में बुजुर्ग लोग हैं अभी सरकार ने शौचालय घर घर बना दी है। एक बाल्टी पानी की आवश्यकता हर घर में हर व्यक्ति को शौचालय के लिए लगती है और कहां से इतना पानी लाइन यह चिंता का विषय हर किसी के लिए बना हुआ है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत राजा भोज कृषि कॉलेज के पास हुआ हादसा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी-लालबर्रा मार्ग पर स्थित राजा भोज कृषि महाविद्यालय के सामने सोमवार शाम करीब 8 बजे एक हृदयविदारक भीषण सड़क दुर्घटना घटित हुई। इस हादसे में एक मोटरसाइकिल चालक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान पुष्पराज बोपचे निवासी कटंगी के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में मुख्य मार्ग डाइवर्ट होने के कारण वारासिवनी-लालबर्रा मार्ग पर वाहनों का दबाव अत्यधिक बड़ गया है। सोमवार रात लगभग 8 बजे पुष्पराज बोपचे अपनी मोटरसाइकिल से लालबर्रा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कृषि महाविद्यालय के सामने मोड टर्निंग पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक सड़क पर दूर जा गिरा और उसे गंभीर चोटें आईं। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। उसी समय वारासिवनी से कटंगझरी की ओर एक इवेंट पर जा रही डायल 112 की टीम वहां से गुजरी। भीड़ देखकर पुलिस कर्मियों ने वाहन रोका और तत्काल घायल युवक को उठाकर सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुँचाया। सिविल अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने युवक का परीक्षण किया लेकिन अस्पताल पहुँचने से पहले ही उसकी मृत्यु हो चुकी थी। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त उसके पास मिले आई.डी कार्ड और मोबाइल से हुई। वह धनवंतरी हर्बल कंपनी में कार्यरत था। कार्ड के अनुसार मृतक का नाम पुष्पराज बोपचे निवासी वार्ड नंबर 2 दुर्गा मंदिर के पास कटंगी है। पुलिस ने उसके मोबाइल से परिजनों को इस

दुखद घटना की सूचना दे दी है। वारासिवनी थाना पुलिस ने वर्तमान में शव को सिविल अस्पताल के शव वि' छेदन गृह के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। परिजनों को सूचना दे दी गई हैए उनके पहुँचने का इंतज़ार है। शव का परीक्षण मंगलवार सुबह 10 बजे किया जाएगा। इस मार्ग पर यातायात के बढ़ते दबाव के कारण स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था और गति सीमा निर्धारित करने की मांग की है।

सरस्वती विद्यालय वारासिवनी ने घोषित किया वार्षिक परीक्षा परिणाम, मेधावी छात्र पुरस्कृत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। स्थानीय सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 का वार्षिक परीक्षा परिणाम हर्षोल्लास के साथ घोषित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक भव्य गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के नन्हे-मुन्नों से लेकर नौवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक उत्कृष्टता का जश्न मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मधुकर वासनिक, अध्यक्षता विद्यालय के सचिव विजय तेलास्कर, विशिष्ट अतिथि जितेंद्र टेम्मरे सहित बड़ी संख्या में अभिभावक और मातृ शक्ति उपस्थित में किया गया। जिसमे उपस्थित अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और सरस्वती वंदना की गयी। तत्पश्चात् सभी अतिथियों का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। सत्र 2025-26 के परीक्षा परिणाम का अनावरण मुख्य अतिथि के द्वारा किया गया। विद्यालय के अधीक्षक ने अपने उद्बोधन में सफल छात्र-छात्राओं को उज्वल भविष्य का आशीर्वाद देते हुए बधाई दी। इस वर्ष भी नर्सरी से लेकर कक्षा नवमी तक के विद्यार्थियों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विद्यालय का मान बड़ाया है। सत्र में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इसमें नर्सरी में कनिष्का टेम्पूर्णे 99.3 प्रतिशत प्रथमए मनस्वी सहारे 97.3 प्रतिशत द्वितीयए मनन सहारे 92 प्रतिशत तृतीय रहे। इसी प्रकार एलकेजी मे सेजश पटले 97.3 प्रतिशत प्रथम, रिद्धिमा खंडेलकर एवं राम ठाकरे 96 प्रतिशत द्वितीय, ओम चौहान 95.6

प्रतिशत तृतीय रहे। यूकेजी में तोवी ठाकरे एवं अन्वी कटरे 99.3 प्रतिशत प्रथम, सिफाली चौधरी 98 प्रतिशत द्वितीय, वेदांत बिंझाड़े 96 प्रतिशत तृतीय रहे। कक्षा प्रथम लिया पंचेश्वर 95.25 प्रतिशत प्रथम, यूवानी लिमजे 88.75 प्रतिशत द्वितीय, लव्य नखाते 88.25 प्रतिशत तृतीया रहे। कक्षा द्वितीय ईशान मिश्रा 97.5 प्रतिशत प्रथम, श्रेया आहाके एवं देवांश खंडेलकर 97.2 प्रतिशत द्वितीय, रौनक मानेश्वर 95.5 प्रतिशत तृतीय रहे। कक्षा तृतीय में हिमानी ढोक 96 प्रतिशत प्रथम, सारोन देवांगन 94.75 प्रतिशत द्वितीय, निकिशा टेंम्भरे 92.25 प्रतिशत तृतीय रहे। कक्षा चतुर्थ मैं महिमा नेवारे 96 प्रतिशत प्रथम, मोनार्क ठाकरे 92.25 प्रतिशत द्वितीय, प्रिंसी पटले 75.75 प्रतिशत तृतीय रहे। कक्षा पांचवी में मयंक ढोक 92.75 प्रतिशत प्रथम, आईशा नकाशे एवं अक्षदा मेश्राम 91 प्रतिशत द्वितीय, चित्रांश नेवारे 90.5 प्रतिशत तृतीय रहे। कक्षा षष्ठ देवांश पटले 95 प्रतिशत प्रथम, सागर चौबे 94.3 प्रतिशत द्वितीय, वंश भगत 92.6 प्रतिशत तृतीय रहे। कक्षा सप्तम में चारु पटेल 95.5 प्रतिशत प्रथम, कृतिका पटले 89.6 प्रतिशत द्वितीय, श्रेया बिसेन 88.6 प्रतिशत तृतीय रहे। कक्षा आठवीं में मानसू यादव 93.6 प्रतिशत प्रथम, अनुज मानेश्वर 92.5 प्रतिशत द्वितीय, सृष्टि आहाके 91.8 प्रतिशत तृतीय। कक्षा नवम में यामिनी भोरगढे 73.67 प्रतिशत प्रथम, जीविका ठाकरे 59.1 प्रतिशत द्वितीय, श्रेयांश खंडेलकर 53.83 प्रतिशत तृतीय ने स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र मिश्रा ने सभी सफल भैया-बहनों को बधाई देते हुए उनके निरंतर आगे बढ़ने की कामना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल अंकों का खेल नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का आधार है। संपूर्ण कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन और आभार प्रदर्शन दयानंद धुवारे द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में सांस्कृतिक प्रमुख श्रीमती लता पटले, कुमारी कीर्ति अटराहे, नीतू टेमरे, सरिता मिश्रा, रीता ठाकरे और मीना थेर का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं सहित स्कूल स्टाफ मौजूद रहा।

हजारो कार्यकर्ताओ की मेहनत पर नही फेरने दिया जायेगा पानी - प्रदीप जायसवाल

भाजपा कार्यालय सहित नगर मंडल के सभी 60 बूथो मनाया गया भाजपा स्थापना दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारतीय जनता पार्टी का 47 वां स्थापना दिवस मंगलवार को भाजपा कार्यालय में गरिमामय वातावरण में मनाया गया। यह कार्यक्रम पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, जिला मंत्री श्रीमती रेखा गोखले, नगर मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, वरिष्ठ नेता चिरौजी पारधी, शक्तिकेन्द्र प्रभारी पप्पू हरिनखेडे, पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमती स्मिता जायसवाल सहित अन्य अतिथियों कि उपस्थिती में प्रारंभ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थित पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल एवं भाजपा पदाधिकारीयो सहित कार्यकर्ताओ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और भारत माता के तैल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पार्टी की रीति-नीति और विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने पार्टी लाईन से प्रथक कार्य करने वालो को शिकायत मिलने के उपरांत जमकर आडे हाथो लेते हुये पारिवारीक माहौल मे स्पष्ट कहा की व्यक्तिगत विरोध के कारण ऐसे लोगो को हजारो कार्यकर्ताओ की भावनाओ को आहत नही करने दिया जायेगा। श्री जायसवाल ने पार्टी के गौरवशाली इतिहास, उपलब्धियों और भावी लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होने कहा की कुछ भी हो जाये पार्टी की नीति व सिद्वांत ही सबके लिये सर्वोपरि है। जब तक प्रदेश की राजधानी भोपाल मे हमारा प्रतिनिधित्व नही होगा। हम छोटे पदो को पाकर भी जनता की उम्मीदो पर खरा नही उतर सकते है। जैसे की एक टांसफार्मर अनेको जगह रोशनी प्रदान करता है। हजारो कार्यकर्ताओ की मेहनत को आगे से जाया जाने नही दिया जायेगा। व्यक्तिगत विरोध के नाम पर पार्टी को किसी भी विषय मे कमजोर करने नही दिया जायेगा। श्री जायसवाल ने कहा कि पार्टी का इतिहास बताता है की 6 अप्रैल 1980 को जिस बीज को बोया गया था। वह आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। कार्यकर्ताओं के अटूट संघर्ष और जनता के विश्वास के दम पर आज यह संख्या 300 के पार पहुँच गई है। इस अवसर पर भाजपा के समस्त पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, पार्षद गण एवं समर्पित कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सम्यक्त्व के भाव जागृत हों,आत्म-जागरण, समत्व और सच्चे दर्शन की ओर एक गहन यात्रा

मनुष्य जीवन केवल भौतिक उपलब्धियों का नाम नहीं है, बल्कि यह आत्मा की पहचान और उसके वास्तविक स्वरूप की खोज का माध्यम है। जब तक मनुष्य अपने भीतर छिपे सत्य को नहीं पहचानता, तब तक वह बाहरी संसार में भटकता रहता है। सम्यक्त्व, अर्थात् सम्यक् दर्शन, इस आत्म-जागरण की प्रथम सीढ़ी है। यह वह अवस्था है, जहाँ से आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप की ओर अग्रसर होती है और जीवन का सच्चा उद्देश्य स्पष्ट होने लगता है। जैसे सागर का जल ऊपर से खारा प्रतीत होता है, परंतु गहराई में उतरने पर वही जल मधुर हो जाता है, ठीक उसी प्रकार दर्शन का विषय भी प्रारंभ में सामान्य व्यक्ति को नीरस या कठिन लग सकता है। लेकिन जैसे-जैसे साधक इसकी गहराई में उतरता है, उसे इसमें आनंद और शांति का अनुभव होने लगता है। यह अनुभव बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है, जो आत्मा को स्थिरता और संतोष प्रदान करता है। सम्यक्त्व का अर्थ केवल किसी सिद्धांत को स्वीकार करना नहीं है, बल्कि यह आत्मा की एक ऐसी जागृत अवस्था है, जहाँ मिथ्यात्व अर्थात् गलत दृष्टिकोण का प्रभाव समाप्त हो जाता है। जब सम्यक् दर्शन आत्मा में प्रकट होता है, तब वह सूर्य के समान प्रकाशित होता है, जिसके सामने अज्ञान रूपी अंधकार टिक नहीं पाता। यह स्थिति सहज नहीं होती, बल्कि इसके लिए आत्म-पुरुषार्थ, साधना और निरंतर प्रयास आवश्यक है। आज के समय में मनुष्य बाहरी दिखावे और भौतिक सुखों में इतना उलझ गया है कि वह अपने वास्तविक स्वरूप को भूल चुका है। वह अपने शरीर, पद, प्रतिष्ठा और संपत्ति को ही अपना सब कुछ मान बैठता है। यही आसक्ति उसे सत्य से दूर ले जाती है। यदि सम्यक्त्व की प्राप्ति करनी है, तो सबसे पहले इस देह और संसार के प्रति अत्यधिक मोह को त्यागना होगा। जब तक मनुष्य अपने भीतर वैराग्य और समत्व की भावना विकसित नहीं करता, तब तक वह आत्मा के सच्चे स्वरूप को नहीं जान सकता। सम्यक्त्व कोई बाहरी वस्तु नहीं है, जिसे किसी से प्राप्त किया जा सके। यह तो आत्मा का स्वाभाविक गुण है, जो अज्ञान के कारण दबा हुआ है। जब मनुष्य अपने भीतर की चेतना को जागृत करता है, तब यह गुण स्वत: प्रकट हो जाता है। इसके लिए किसी बाहरी प्रगति नहीं कर सकता। जब मनुष्य अपने भीतर की शक्ति को पहचानता है, तब वह किसी भी परिस्थिति में विचलित नहीं होता। जीवन में मित्र और शत्रु दोनों मिलते हैं, परंतु जिसका आत्म-विश्वास दृढ़ होता है, वह किसी से भयभीत नहीं होता। वह हर स्थिति में संतुलित और स्थिर रहता है। इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहाँ आत्म-विश्वास और सम्यक् दृष्टि के कारण व्यक्तियों ने असंभव को संभव कर दिखाया। यह आत्म-विश्वास ही वह शक्ति है, जो मनुष्य को कठिनाइयों से लड़ने और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। जब मनुष्य अपने भीतर इस शक्ति को जागृत कर लेता है, तब वह बाहरी परिस्थितियों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि स्वयं अपने जीवन का निर्माता बन जाता है। समत्व की भावना भी सम्यक्त्व का एक महत्वपूर्ण अंग है। जीवन में सुख और दु:ख, लाभ और हानि, मान और अपमान आते रहते हैं। जो व्यक्ति इन सभी परिस्थितियों में समान भाव रखता है, वही सच्चा साधक आडंबर, दिखावे या कर्मकांड की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि सच्ची साधना और आत्म-निरीक्षण की आवश्यकता होती है। आत्म-विश्वास इस मार्ग का एक महत्वपूर्ण आधार है। बिना आत्म-विश्वास के कोई भी व्यक्ति आध्यात्मिक

(दो टूक) तेल की तलवार और कूटनीति की ढाल-पश्चिम एशिया संकट में भारत की अग्निपरीक्षा

युद्ध की आग में तपती भारतीय अर्थव्यवस्था

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है।

होर्मुज की घेराबंदी

विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है।

सामरिक पैट्रोलियम भंडार- क्या पर्याप्त है चंद दिनों की सुरक्षा ?

ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बढ़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

कूटनीतिक विवशता और स्वतंत्र विदेश नीति का संकट

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला 'रेमिटेंस' भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है।

अफवाहों का बाजार और सरकारी डैमेज कंट्रोल

युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैनिक पैदा किया है। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधीकृत स्रोत हैं और पैनिक की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे?

विकल्प नहीं, अनिवार्यता है वैकल्पिक ऊर्जा

वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ती आयात निर्भरता के इस दौर में वैकल्पिक ऊर्जा अब केवल एक विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुकी है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही सच्ची स्वतंत्रता का आधार है और भारत को इस दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे। प्रधानमंत्री की मुफ्त बिजली योजनाएं और रूफटॉप सोलर मिशन केवल नीतिगत पहल नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सशक्त आधारस्तंभ हैं। भारत में 33 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता हैं, जो बड़े पैमाने पर आयातित ईंधन पर निर्भर हैं। यदि रसोई को इंडक्शन कुकिंग और एथनॉल आधारित विकल्पों की ओर मोड़ा जाए तो न केवल खर्च कम होगा बल्कि ऊर्जा आयात का बोझ भी घटेगा। लगभग 8 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली पर खाना बनाना एलपीजी की तुलना में किफायती है, वहीं कृषि अवशेषों से बनने वाला एथनॉल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। इससे 'अन्नदाता' ही 'ऊर्जादाता' बन सकता है। परिवहन क्षेत्र में विद्युतीकरण भी उतना ही आवश्यक है। वर्तमान में तेल की सबसे अधिक खपत इसी क्षेत्र में होती है जबकि बिजली की हिस्सेदारी नगण्य है। यदि सार्वजनिक और वाणिज्यिक परिवहन को इलैक्ट्रिक किया जाए तो अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है। सौर ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे विकल्प भारत को स्थायी, स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा भविष्य की ओर ले जा सकते हैं। अब समय आ गया है कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में निर्णायक परिवर्तन करे।

बिजली खपत का बदलता स्वरूप

भारतीय अर्थव्यवस्था में बिजली का 42 प्रतिशत हिस्सा उद्योगों में और 17 प्रतिशत कृषि में उपयोग होता है। जैसे-जैसे शहरीकरण बढ़ रहा है, कार्यालयों और दुकानों (वाणिज्यिक क्षेत्र) में बिजली की मांग बढ़ेगी। हमें कोयला आधारित बिजली (जो अभी भी हमारी रीढ़ है) से हटकर परमाणु, सौर और पवन ऊर्जा की ओर तीव्र गति से मुड़ना होगा। सालाना 143 अरब डॉलर (2025 के आंकड़े) का तेल आयात एक ऐसा घाव है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। सूर्य और पवन के रूप में भारत के पास असीमित प्राकृतिक संसाधन हैं लेकिन उन्हें 'ऊर्जा' में बदलने की इच्छाशक्ति और निवेश की गति अभी भी मंथर है।

भविष्य का रोडमैप- ऊर्जा सुरक्षा ही राष्ट्रीय सुरक्षा

ईरान-इजरायल युद्ध ने भारत के लिए एक कठोर चेतावनी प्रस्तुत की है। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य बाधित होता है तो यह केवल क्षेत्रीय संकट नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए 'आर्थिक प्रलय' का कारण बन सकता है। उर्वरक, ईंधन, सेमीकंडक्टर, हर आपूर्ति श्रृंखला पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा। ऐसे में भारत को त्वरित, ठोस और दूरदर्शी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, रणनीतिक भंडार का सुदृढ़ीकरण अनिवार्य है। अगले 24 महीनों में कम से कम 90 दिनों का तेल और गैस रिजर्व तैयार करना राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि किसी भी वैश्विक व्यवधान के समय देश की ऊर्जा आवश्यकताएं प्रभावित न हों। दूसरा, ऊर्जा विविधीकरण पर आक्रामक रणनीति अपनानी होगी। रूस, मध्य एशिया और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते, पाइपलाइन परियोजनाएं और वैकल्पिक व्यापार मार्ग विकसित करना समय की मांग है। तीसरा, परमाणु ऊर्जा, सौर शक्ति और ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश को युद्ध स्तर पर बढ़ाना होगा।

- योगेश कुमार गोयल

(7 अप्रैल विश्व स्वास्थ्य दिवस)

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

- योगेश कुमार गोयल

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय

के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य- हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करो? लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।

माता-पिता बुजुर्गों की देखभाल न करने पर सरकार का त्वरित डंडा चलेगा

वैश्विक स्तरपर आज का समाज अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।तकनीकी उन्नति, वैश्वीकरण और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने जहां जीवन को सुविधाजनक बनाया है,वहीं पारिवारिक संरचनाओं और संबंधों के स्वरूप को भी गहराई से प्रभावित किया है।कभी संयुक्त परिवारों में पनपने वाली भावनात्मक सुरक्षा और सामूहिक जिम्मेदारी अब तेजी से एकल परिवारों में सिमटती जा रही है। इस परिवर्तन के बीच सबसे अधिक प्रभावित वर्ग है,बुजुर्ग माता-पिता। जीवन के उस चरण में,जब उन्हें सबसे अधिक सहारे,सम्मान और देखभाल की आवश्यकता होती है, वे अक्सर उपेक्षा,अकेलेपन और आर्थिक असुरक्षा का सामना करते हैं।ऐसे समय में तेलंगाना राज्य द्वारा पारित कर्मचारी जवाबदेही एवं माता- पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 न केवल एक कानूनी कदम है, बल्कि यह सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला ऐतिहासिक हस्तक्षेप भी है।इस विधेयक का मूल संदेश स्पष्ट और कठोर है यदि कोई संतान अपने माता-पिता की देखभाल से मुंह मोड़ती है, तो राज्य उसके निजी दायित्व को लागू करने के लिए सटीक रूप से हस्तक्षेप करेगा।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं ने गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह विचार अपने आप में क्रांतिकारी है,क्योंकिपारिवारिक संबंधों को अब तक निजी और नैतिक क्षेत्र माना जाता रहा है, जहां कानून की भूमिका सीमित थी। परंतु जब नैतिकता विफल हो जाती है, तब कानून का हस्तक्षेप अनिवार्य हो जाता है। यह विधेयक इसी सिद्धांत पर आधारित है कि बुजुर्गों की उपेक्षा केवल व्यक्तिगत असफलता नहीं, बल्कि एक सामाजिक अपराध है, जिसका समाधान केवल सामाजिक उपदेशों से नहीं, बल्कि कठोर कानूनी प्रावधानों से ही संभव है। एक अधिवक्ता व लेखक के रूप में मैं यह सुझाव देना चाहूंगा के कि इस विधेयक को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, वेतन कटौती की सीमा को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत और अधिकतम राशि को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किया जा सकता है,ताकि यह अधिक प्रभावी और निवारक बन सके। साथियों बात अगर हम अब क्या ऐसा कानून सभी राज्यों में लागू किया जाना चाहिए? इसको समझने की करें तो इस प्रश्न का उत्तर सीधा सख्ती से हां में है, क्योंकि इसके कई सामाजिक, आर्थिक और कानूनी पहलू हैं। एक ओर यह कानून वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा करने का एक सशक्त माध्यम बन सकता है। यह उन संतान को जिम्मेदारी का एहसास कराएगा जो आर्थिक रूप से सक्षम होते हुए भी अपने माता-पिता की उपेक्षा करते हैं। इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा कि माता-पिता की सेवा केवल एक विकल्प नहीं बल्कि एक अनिवार्य कर्तव्य है इसके अलावा, इस कानून को पूरे देश में लागू करने के लिए केंद्र सरकार को पहल करनी चाहिए। यदि सभी राज्य इस मॉडल को अपनाते हैं, तो यह बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय ढांचा तैयार कर सकता है।हालांकि, यह स्पष्ट करना जरूरी है कि अभी तक भारत के किसी भी राज्य या केंद्र सरकार द्वारा ऐसा कोई व्यापक कानून लागू नहीं किया गया है,जिसमें सीधे वेतन से 15प्रतिशत कटौती का प्रावधान अनिवार्य रूप से लागू हो। कुछ मामलों में न्यायालयों ने व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर वेतन से भरण- पोषण राशि काटने के आदेश दिए हैं, लेकिन यह एक सामान्य कानून नहीं बल्कि केस-टू-केस आधार पर लिया गया निर्णय होता है। साथियों बात अगर हम बुजुर्गों के व्यथा को समझने की करें तो बुढ़ापा जीवन का एकअपरिहार्य सत्य है। यह वह अवस्था है, जहां शारीरिक और मानसिक क्षमताएं धीरे-धीरे क्षीण होने लगती हैं। बीमारियां बढ़ती हैं,आय के स्रोत समाप्त हो जाते हैं और व्यक्ति पूरी तरह से दूसरों पर निर्भर हो जाता है।भारतीय संदर्भ में यह निर्भरता मुख्यत: संतान पर होती है,क्योंकि अधिकांश लोगअपनी जीवन भर की कमाई अपने बच्चों की शिक्षा, विवाह और भविष्य निर्माण में खर्च कर देते हैं। सरकारी कर्मचारियों को पेंशन का सहारा मिल सकता है, लेकिन निजी क्षेत्र के बुजुर्गों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण होती है। ऐसे में यदि संतान भी उनका साथ छोड़ दे, तो यह स्थिति उनके लिए अत्यंत कष्टदायक और अमानवीय बन जाती है। साथियों बात कर हम तेलंगाना विधानसभा द्वारा 29 मार्च 2026 को पारित विधेयक को समझने की करें तो यह विधेयक इसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। इसके तहत यदि कोई कर्मचारी चाहे वह सरकारी हो या निजी अपने माता-पिता की देखभाल में लापरवाही करता है, तो उसके वेतन से 15 प्रतिशत या अधिकतम 10,000 रुपये प्रति माह की कटौती की जाएगी और यह राशि सीधे माता-पिता के बैंक खाते में जमा कराई जाएगी। यह प्रावधान न केवल आर्थिक सहायता सुनिश्चित करता है,बल्कि यह एक सशक्त संदेश भी देता है कि संतान अपने दायित्व से बच नहीं सकती।यह कानून जनप्रतिनिधियों जैसे विधायक, सरपंच पर भी लागू होता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि जवाबदेही सभी के लिए समान है।इस विधेयक की एक विशेषता इसकी स्पष्ट और समयबद्ध प्रक्रिया है। यदि माता-पिता को लगता है कि उनके साथ उपेक्षा हो रही है, तो वे जिला कलेक्टर के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कलेक्टर को 60 दिनों के भीतर मामले की जांच कर निर्णय देना अनिवार्य है। यदि शिकायत सही पाई जाती है, तो वेतन कटौती का आदेश जारी किया जाता है। यदि आवेदन खारिज हो जाता है, तो वरिष्ठ नागरिक आयोग के पास अपील का प्रावधान है। यह प्रक्रिया पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करती है,जो अक्सर अन्य कानूनों में देखने को नहीं मिलती। साथियों बात अगर हम विधेयक में एक और महत्वपूर्ण प्रावधान को समझने की करें तो वह है, वरिष्ठ नागरिक आयोग की स्थापना। यह आयोग एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश की अध्यक्षता में कार्य करेगा और अपीलीय निकाय के रूप में कार्य करेगा। इसके पास गवाहों को बुलाने, जांच करने और निर्णय देने कीशक्तियां होंगी। यह व्यवस्था न केवल शिकायतों के त्वरित निपटान को सुनिश्चित करती है, बल्कि यह बुजुर्गों को न्याय प्राप्त करने का एक सशक्त मंच भी प्रदान करती है। यह कानून केवल दंडात्मक नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सामाजिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करना भी है। भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है मातृ देवो भव, पितृ देवो भव का आदर्श हमारे संस्कारों में गहराई से निहित है। श्रवण कुमार की कथा इसका प्रतीक है, जहां पुत्र अपने माता-पिता की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर देता है। परंतु आधुनिक जीवन की आपाधापी में ये मूल्य कहीं पीछे छूटते जा रहे हैं। ऐसे में यह कानून एक चेतावनी भी है और एक मार्गदर्शन भी कि यदि समाज अपने मूल्यों को भूल जाएगा, तो राज्य को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। साथियों बात अगर हम भारत में पहले से ही माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 लागू है इसको समझने की करें तो। इसकी सबसे बड़ी कमजोरी इसका धीमा क्रियान्वयन है।कई बार शिकायतों के निपटान में इतनी देरी हो जाती है कि बुजुर्गों को न्याय मिलने से पहले ही उनकी स्थिति और खराब हो जाती है। तेलंगाना का यह नया विधेयक इस कमी को दूर करता है, क्योंकि इसमें समयबद्ध प्रक्रिया और सख्त प्रावधान शामिल हैं। यह न केवल पुराने कानून को मजबूत करता है, बल्कि उससे आगे जाकर एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत करता है।यह भी महत्वपूर्ण है कि इस कानून को केवल दंडात्मक उपाय के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे एक सामाजिक सुधार के उपकरण के रूप में समझा जाए। सरकार को इसके साथ-साथ जागरूकता अभियान भी चलाने चाहिए,ताकि लोग अपनेकर्तव्यों को समझें और स्वेच्छा से उनका पालन करें। शिक्षा प्रणाली में भी ऐसे मूल्यों को शामिल किया जाना चाहिए, जो बच्चों को अपने माता-पिता के प्रति जिम्मेदार बनाएं। साथियों बात अगर हम इस संपूर्ण प्रावधानों बातों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो कई देशों में बुजुर्गों की देखभाल के लिए कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। चीन में फिलियल रिस्पॉन्सिबिलिटी लॉ है, जो बच्चों को अपने माता-पिता से मिलने और उनकी देखभाल करने के लिए बाध्य करता है। सिंगापुर में मेंटेनेंस ऑफ पेरेंट्स एक्ट है, जिसके तहत माता- पिता अपने बच्चों से आर्थिक सहायता की मांग कर सकते हैं।

अमेरिका और यूरोप के कई देशों में भी ऐसे कानून हैं, हालांकि उनका स्वरूप और कठोरता अलग-अलग है। इस दृष्टि से तेलंगाना का यह विधेयक वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप है, लेकिन इसकी कठोरता और स्पष्टता इसे विशेष बनाती है। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह कहना गलत नहीं होगा कि तेलंगाना का यह विधेयक एक नए सामाजिक अनुबंध की शुरुआत है, जहां राज्य, समाज और व्यक्ति के बीच जिम्मेदारियों का पुनर्संतुलन किया जा रहा है। यह कानून हमें यह याद दिलाता है किविकास केवल आर्थिक प्रगति का नाम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों के संरक्षण से भी जुड़ा है। यदि हम अपने बुजुर्गों की उपेक्षा करते हैं, तो हम न केवल अपने अतीत से मुंह मोड़ते हैं, बल्कि अपने भविष्य को भी असुरक्षित बनाते हैं। इसलिए, समय की मांग है कि हम इस पहल को गंभीरता से लें और इसे एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप दें। प्रत्येक राज्य, प्रत्येक नागरिक और प्रत्येक परिवार को यह समझना होगा कि बुजुर्गों की देखभाल केवल एक कर्तव्य नहीं, बल्कि एक नैतिक और मानवीय जिम्मेदारी है। यदि समाज इस जिम्मेदारी को निभाने में विफल रहता है, तो कानून का डंडा चलना ही चाहिए क्योंकि अंतत: एक सभ्य समाज की पहचान इसी से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और निर्भर सदस्यों के साथ कैसा व्यवहार करता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ऊपरी स्तरों पर माँग कमजोर पड़ने से सोमवार को खाद्य तेलो में सुस्ती आयी। तिलहनों में सोयाबीन व सरसो बाजार बने रहे। अनाज मंडी में आज 31 कट्टे नये मूंग की आवक रही, जिसके सौदे 8611 रू. प्रति क्विंटल पर हुये। अन्य दलहनों में चना 5600-5675 रू. प्रति क्विंटल पर रहा। किराना जिंसों में शक्कर सहित अन्य जिंसों में भाव बने रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में ऊपरी स्तरों पर माँग सुस्त पड़ने से भावों में नरमी का रूख रहा। तिलहनों में सोयाबीन व सरसो बाजार बने रहे। दलहनों में व्यापार सामान्य ही रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4125-4180, खोपरा गोला 340-390, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 270-280, ऊंझा हल्का 250-260, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-860, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2450-2500, (160) 2700-2750, (200) 2600-2650, (250) 2300-2400

तेल- सींगदाना 1770-1780, मुम्बई 1790, राजकोट तेलिया 2760, सोया साल्वेंट 1500-1510, सोया रिफाइंड 1570-1580, कपास्या 1500, धूलिया 1485, कड़ी 1480,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1570,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2275, देवास-उज्जैन 2275, खंडवा-बुरहानपुर 2250, अकोला 3525 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7300-7500, रायडा 6400-6600, सोयाबीन 5600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5675, एवरेज 5500-5550, विशाल 5500-5600, महाराष्ट्र विशाल 5600-5625, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7500-7700, एवरेज 7300-7400, हल्की 7000-7200, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2250-2300, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3200, सेला 3500-3700, परमल 3300-3500, दुबराज 4500-5600, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में ग्राहकी कमजोर रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में शनिवार के मुकाबले नरमी का रूख रहा। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 233000, चाँदी (99) 232500, टंच 232000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 150400,

रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 44 पैसे की तेजी के साथ ही 92.96 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 33 पैसे बढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.85 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी, डॉलर के मजबूत होने और अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.13 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 33 पैसे चढ़कर 92.85 पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कड़े कदमों के बाद रुपये में गुरुवार को कई वर्षों की सबसे बड़ी एकदिवसीय तेजी दर्ज की गई और यह अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 152 पैसे मजबूत होकर 93.18 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 787.30 अंक उछलकर 74,106.85 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 255.15 अंक बढ़कर 22,968.25 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान अधिकतर सूचकांक लाभ के साथ ही ऊपर आये। निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस , निफ्टी पीएसयू , निफ्टी रियल्टी , निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं केवल निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी मीडिया ही नीचे आये हैं। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 815.60 अंक बढ़कर 54,492.65 और

निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 202.55 अंक ऊपर आकर 15,853.05 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में ट्रेंट, एक्सिस बैंक, टाइटन, एलएंडटी, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, इंडिगो,एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व,पावर ग्रिड, एनटीपीसी, ब ी इ ं ए ल , ईसीआई बैंक, टाटा स्टील, टीसीएस और एचयूएल के शेयर लाभ में रहे जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक और सन फार्मा के शेयरों को नुकसान हुआ। बाजार में तेजी आने का कारण रुपए में बढ़त और ईरान-अमेरिका के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों को बताया जा रहा है। जिससे बाजार को बल मिला हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से बाजार पर अंकुश बना रहा। इससे पहले आज सुबह बाजार सपाट शुरुआत के बाद नीचे आ गया। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों पर दबाव आया। सेंसेक्स हल्की गिरावट के साथ 73,477 अंक पर खुला, इसी तरह निफ्टी भी सपाट रुख के साथ 22,780 पर खुला पर जल्द ही इसमें भी गिरावट रही। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 74.10 अंक फिसलकर 22,639 के स्तर इ पर आ गया। बाजार में इस कमजोरी की प्रमुख वजह वैश्विक अनिश्चितता रही।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में 14 महीने में सबसे धीमी रही-पीएमआई

नई दिल्ली। एजेंसी। देश के सेवा क्षेत्र में मार्च 2026 में विस्तार जारी रहा, लेकिन वृद्धि की गति पिछले 14 महीनों में सबसे धीमी रही। एचएसबीसी इंडिया द्वारा जारी मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, मौसमी रूप से समायोजित सेवा पीएमआई कारोबार सूचकांक फरवरी के 58.1 से घटकर मार्च में 57.5 पर आ गया। पीएमआई में 50 से ऊपर अंक गतिविधियों के विस्तार और 50 से कम अंक संकुचन का संकेत देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया। कंपनियों ने अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका और पश्चिम एशिया से मांग बढ़ने की बात कही। सर्वेक्षण में यह भी बताया गया कि बिक्री मूल्य मुद्रास्फीति सात महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि कच्चे माल की लागत में तेज वृद्धि हुई। फरवरी के बाद खाना पकाने का तेल, अंडे, बिजली, फल, ईंधन, श्रम, मछली, चिकन, मीट और सब्जियों की कीमतें बढ़ीं। निजी क्षेत्र में लागत दबाव लगभग चार वर्ष में सबसे अधिक रहा। रोजगार में लगातार तीसरे महीने वृद्धि दर्ज हुई। कंपनियों का मानना है कि बढ़ते विश्वास और मांग के कारण नौकरी सृजन मजबूत रहा। उत्पादन के दृष्टिकोण में कंपनियों की आशावादिता पिछले 12 वर्षों में सबसे अधिक रही। एचएसबीसी इंडिया का समग्र पीएमआई फरवरी के 58.9 से घटकर मार्च में 57.0 हो गया, जो लगभग तीन वर्षों में विस्तार की सबसे धीमी दर दर्शाता है। यह सूचकांक विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के भारित औसत पर आधारित है।

भारत में स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि की संभावना

2030 तक बदल जाएगी रोजगार की तस्वीर, लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (इक्रियर) के अध्ययन के अनुसार भारत में*स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता (ईई) क्षेत्रों में रोजगार अगले चार वर्षों में तीन गुना बढ़ सकता है। 2021-22 में इन क्षेत्रों में कुल रोजगार 4,44,900 था, जो 2029-30 तक लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की संभावना है। अध्ययन के अनुसार वर्ष 2029-30 तक स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 9,05,000 और ऊर्जा दक्षता में 4,28,700 रोजगार होने की उम्मीद है। 2021-22 में स्वच्छ ऊर्जा और अन्य पारंपरिक स्वच्छ ऊर्जा में रोजगार 3,18,000 और ईई में 1,26,900 था। इक्रियर का कहना है कि यदि भारत 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करता है तो संबंधित रोजगार 2.8 गुना बढ़ जाएंगे। वहीं 15 करोड़ टन तेल समतुल्य ऊर्जा बचत का लक्ष्य प्राप्त होने पर ईई में रोजगार 3.8 गुना बढ़ने की संभावना है। विश्लेषण में यह भी सामने आया कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा सबसे अधिक रहेगा। अध्ययन में यह भी उजागर हुआ कि वर्ष 2022-2030 के बीच गुजरात में 79,000 व राजस्थान में 77,000 अतिरिक्त नौकरियों का सृजन होगा और ये सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाले राज्य बनने की उम्मीद है। पवन ऊर्जा आधारित रोजगार सृजन के मामले में तमिलनाडु और गुजरात अग्रणी हैं जबकि आंध्र प्रदेश में बड़े जलविद्युत आधारित रोजगार में सबसे अधिक हिस्सेदारी होने की उम्मीद है। छतों पर सौर पैनल लगाने से संबंधित रोजगार के मामले में गुजरात के अग्रणी रहने की उम्मीद है जबकि जमीन पर लगाए जाने वाले सौर पैनल में सबसे अधिक अतिरिक्त रोजगार राजस्थान में मिलने की संभावना है। ऊर्जा दक्षता के रोजगार में तमिलनाडु का दबदबा है और उसके बाद गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक आते हैं।

मेष- आज आपका दिमाग जैसे नए-नए आइडियाज की फैक्ट्री बन गया है, हर पल कुछ नया सोचने और उसे करने का जुनून रहेगा। काम का बोझ जरूर बढ़ेगा, लेकिन आपकी मेहनत आपको पीछे नहीं हटने देगी। नौकरी बदलने वालों के लिए किस्मत मुस्कुरा रही है और प्रॉपर्टी से जुड़े फैसले भी आपके पक्ष में जा सकते हैं। किसी सहकर्मी की बात दिल को चुभ सकती है, लेकिन आप उसे नजरअंदाज करना ही बेहतर समझेंगे। वहीं, अविवाहित लोगों के जीवन में किसी खास की एंट्री दिल की धड़कनें बढ़ा सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए राहत और खुशियों की सौगात लेकर आया है। खर्चों पर कंट्रोल रखेंगे तो मन भी हल्का रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को पहचान और सम्मान मिल सकता है। आपकी मेहनत और काम करने का तरीका बॉस को प्रभावित करेगा, जिससे आपका आत्मविश्वास और बढ़ेगा। नए लोगों से मुलाकात आपके लिए नए रास्ते खोल सकती है। जीवनसाथी के साथ चल रही खटास भी आज प्यार में बदलती नजर आएगी।

मिथुन- आज किस्मत आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। सामाजिक कार्यों में आपकी पहचान बढ़ेगी और बड़े लोगों से मिलने का मौका भी मिल सकता है। लेकिन ध्यान रखें, आपके आसपास कुछ लोग आपकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। घर के अधूरे कामों को नजरअंदाज करना आगे परेशानी खड़ी कर सकता है। परिवार में किसी सदस्य के बाहर जाने की खबर भावुक कर सकती है।

कर्क- आज आप ऊर्जा से भरपूर नजर आएंगे और आपकी समझदारी हर काम को आसान बना देगी। भगवान की भक्ति में मन लगेगा और दिल को सुकून मिलेगा। बिजनेस में आपकी सोच आपको आगे बढ़ाएगी और नया काम शुरू करने का साहस भी आएगा। विद्यार्थियों के लिए मेहनत ही सफलता की कुंजी बनेगी। संतान की ओर से मिलने वाली खुशखबरी आपका दिन बना देगी।

सिंह- आज आपका आत्मविश्वास आसमान छूता नजर आएगा, खासकर बिजनेस में आपकी योजनाएं आपको शानदार लाभ दिला सकती हैं। घर में किसी मेहमान के आने से माहौल खुशनुमा रहेगा, लेकिन आपकी व्यस्तता भी बढ़ेगी। अपनी दिनचर्या को सुधारने की जरूरत महसूस होगी। काम को टालने की आदत आपको थोड़ा पीछे खींच सकती है, इसलिए सावधान रहें। घूमने-फिरने की योजना दिल को ताजगी दे सकती है।

कन्या- आज निवेश से जुड़े फैसले आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। काम के सिलसिले में यात्रा भी करनी पड़ सकती है, जो आगे चलकर लाभ देगी। सेहत को हल्के में लेना ठीक नहीं होगा। भाई-बहनों के साथ समय बिताना खुशी देगा और किसी दूर के रिश्तेदार से मुलाकात दिल को सुकून देगी। माता-पिता की सेवा करने का अवसर मिलेगा और कोई रुकी हुई डील आखिरकार पूरी हो सकती है।

तुला- आज आर्थिक स्थिति मजबूत होती नजर आएगी और व्यापार में नई साझेदारी का रास्ता खुल सकता है। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए दरवाजे खुलेंगे। नई मुलाकातें आपके जीवन में ताजगी लाएंगी। दूर से मिलने वाली कोई खुशखबरी दिल को खुश कर देगी। दिया हुआ पैसा वापस मिलने की संभावना है और नौकरी में प्रमोशन की खबर भी आपको उत्साहित कर सकती है।

वृश्चिक- आज आपका दिन सफलता और संतोष से भरा रहेगा। उन्नति की राह पर आप तेजी से आगे बढ़ेंगे और धन-समृद्धि में वृद्धि होगी। आपने जो वादे किए हैं, उन्हें निभाने का समय आ गया है। आपका भला सोचने वाला दिल हर किसी के लिए अच्छा करेगा, भले ही लोग उसे समझ न पाएं। सेहत भी आपका साथ देगी और किसी जरूरतमंद की मदद करने से मन को सच्ची खुशी मिलेगी।

धनु- आज काम के क्षेत्र में आपका प्रदर्शन शानदार रहेगा और बॉस के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। बिजनेस में आपकी मेहनत रंग लाएगी और जीवनसाथी को दी गई सलाह उनके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। आपकी लगन आपको एक नई ऊंचाई तक पहुंचाएगी। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों के लिए अच्छी खबर मिल सकती है। परिवार में रिश्तों की मिठास बढ़ेगी, हालांकि किसी की बात दिल को लग सकती है।

मकर- आज आपको हर कदम सोच-समझकर उठाने की जरूरत है, क्योंकि जल्दबाजी आपको परेशानी में डाल सकती है। बिजनेस में बदलाव करने से बचें, वरना नुकसान हो सकता है। कठिन परिस्थितियों में धैर्य ही आपका सबसे बड़ा हथियार बनेगा। मदद मांगने पर आपको सहयोग जरूर मिलेगा, लेकिन कोई काम बनते-बनते बिगड़ सकता है, इसलिए सतर्क रहें।

कुंभ- आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन आपको अपने भावनाओं पर काबू रखना होगा। किस्मत आपका साथ देगी, लेकिन आलस्य आपको पीछे खींच सकता है। सिंगल लोगों के जीवन में प्यार की दस्तक हो सकती है। आप अपने लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे।

मीन- आज सेहत आपका पूरा साथ देगी और पुरानी समस्याओं से राहत मिलेगी। हालांकि कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप संभाल लेंगे। कुछ नया करने की चाह आपके अंदर जोश भर देगी। संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है। लिया हुआ कर्ज वापस मांगने की स्थिति बन सकती है, इसलिए तैयार रहें।

शब्दजाल - 8221

शब्दजाल में प्रमुख 10 'खेलों' के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

हॉकी, फुटबाल, क्रिकेट, बैडमिंटन, निशानेबाजी, एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, टेबिल टेनिस, शतरंज, कुश्ती

शब्दजाल - 8220 का हल

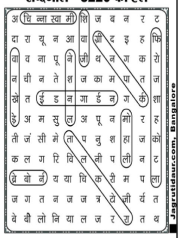

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7165

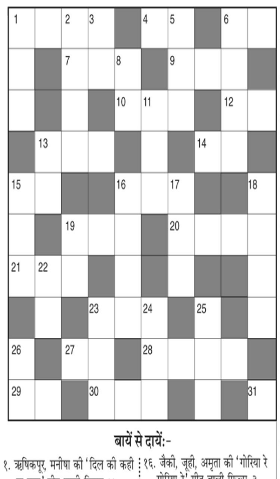

बायें से दायें:-

१. ऋषिकपूर, मनीषा की 'दिल की कही ना जाए' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली रितिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
६. कृतिका, सोनू की 'सुबह सुबह जब खिड़की' गीत वाली फिल्म-२
७. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
९. फिल्म 'चोरी चोरी' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१२. ऋषिकपूर, डिम्पल की 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'पिया तू अब तो आजा' गीत वाली फिल्म 'कारवाँ' का नायक-३
१४. प्रशांत, ऐश्वर्या की 'कोलंबस कोलंबस' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली मनोज वाजपेयी, तब्बू की फिल्म-२
१६. जैकी, जूही, अमृता की 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दम भर जो उधर मुँह फेरे' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-३
२०. धर्मेन्द्र, हेमा की 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
२१. 'यादें' में रितिक की नायिका -३
२३. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मेरी जाँ प्यार करो' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी, रंजीता की फिल्म-२
२८. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनिल राज की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देवआनंद, माला की फिल्म-२
३०. 'अगर जिंदगी हो तेरे संग हो' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'चंदा रे दी चाँदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हँसदे हँसदे' गीत वाली कमल हासन, रवीना, मनीषा की फिल्म-३
२. अमिताभ, शाहरूख, उदय चोपड़ा, ऐश्वर्या, किम शर्मा, प्रीति की फिल्म-४
३. 'आजा आजा गिव मी ए' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
५. 'दिल क्यों धड़कता है' गीतवाली फिल्म-३
६. 'सुनिये तो रूकिये तो' गीत वाली शाहरूख, जूही चावला की फिल्म-२,२
८. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में नायक-२
११. मिथुन, आदित्य, रेखा की 'मेरा नाम बिल्लू' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'अभी साँस लेने की' गीत वाली सलमान, सनी, करिश्मा की फिल्म-२
१५. सनी, मीनाक्षी, ममता की 'कोई जाए तो ले' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मेरे सपनों की रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१७. मिथुन, अतुल, पूजाभट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'जीवन के सफर में राही' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-४
१९. 'कभी हाँ कभी ना' में सुचित्रा कृष्णामूर्ति के चरित्र का नाम-२
२२. 'सनम तेरी कसम' में नायिका कौन-२
२३. सनी, अमृता की 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'प्यार कोई खेल नहीं' की नायिका-३
२५. 'रूके रूके से' गीत वाली फिल्म जिसमें संजीव, शर्मिला थे-३
२६. फिल्म 'संन्यासी' में नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7164

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मीन में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	मीन में
बुध	कुंभ में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	06.12 बजे से
वृष	07.52 बजे से
मिथुन	09.50 बजे से
कर्क	12.04 बजे से
सिंह	14.20 बजे से
कन्या	16.32 बजे से
तुला	18.43 बजे से
वृश्चिक	20.57 ब.से
धनु	23.13 बजे से
मकर	01.18 बजे से
कुंभ	03.05 बजे से
मीन	04.38 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 97 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 16.35 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा अहोरात्र।
योग व्यतीपात 16.17 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 16.35 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 45'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872672
जूलियन दिन 2461137.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 18
विशेष विश्व स्वास्थ्य दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः कड़वा सच

एक फकीर कहीं जा रहे थे। रास्ते में उन्हें एक सौदागर मिला, जो पांच गधों पर बड़ी-बड़ी गठरियां लादे हुए जा रहा था। गठरियां बहुत भारी थीं, जिसे गधे बड़ी मुश्किल से ढो पा रहे थे। फकीर ने सौदागर से प्रश्न किया, 'इन गठरियों में तुमने ऐसी कौन-सी चीजें रखी हैं, जिन्हें ये बेचारे गधे ढो नहीं पा रहे हैं?' सौदागर ने जवाब दिया, 'इनमें इंसान के इस्तेमाल की चीजें भरी हैं। उन्हें बेचने मैं बाजार जा रहा हूं।' फकीर ने पूछा, 'अच्छा! कौन-कौन सी चीजें हैं, जरा मैं भी तो जानूं!' सौदागर ने कहा, 'यह जो पहला गधा आप देख रहे हैं इस पर अत्याचार की गठरी लदी है।' फकीर ने पूछा, 'भला अत्याचार कौन खरीदेगा?' सौदागर ने कहा, 'इसके खरीदार हैं राजा-महाराजा और सत्ताधारी लोग। काफी ऊंची दर पर बिक्री होती है इसकी।' फकीर ने पूछा, 'इस दूसरी गठरी में क्या है?' सौदागर बोला, 'यह गठरी अहंकार से लबालब भरी है और इसके खरीदार हैं पंडित और विद्वान। तीसरे गधे पर ईर्ष्या की गठरी लदी है और इसके ग्राहक हैं वे धनवान लोग, जो एक दूसरे की प्रगति को बर्दाश्त नहीं कर पाते। इसे खरीदने के लिए तो लोगों का तांता लगा रहता है।' फकीर ने पूछा, 'अच्छा! चौथी गठरी में क्या है भाई?' सौदागर ने कहा, 'इसमें बेईमानी भरी है और इसके ग्राहक हैं वे कारोबारी, जो बाजार में धोखे से की गई बिक्री से काफी फायदा उठाते हैं। इसलिए बाजार में इसके भी खरीदार तैयार खड़े हैं।' फकीर ने पूछा, 'अंतिम गधे पर क्या लदा है?' सौदागर ने जवाब दिया, 'इस गधे पर छल-कपट से भरी गठरी रखी है और इसकी मांग उन औरतों में बहुत ज्यादा है जिनके पास घर में कोई काम-धंधा नहीं हैं और जो छल-कपट का सहारा लेकर दूसरों की लकीर छोटी कर अपनी लकीर बड़ी करने की कोशिश करती रहती हैं। वे ही इसकी खरीदार हैं।' तभी महात्मा की नींद खुल गई। इस सपने में उनके कई प्रश्नों का उत्तर मिल गया था।

सूडोकु नवताल- 7474

★☆☆☆☆ सरल

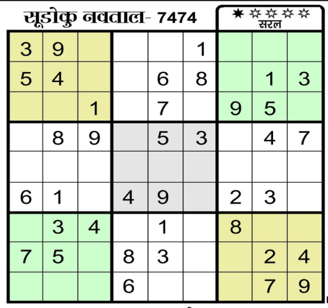

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7473 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8689

बाएँ से दाएँ

1. तन,शरीर-3
3. चकोर,चंद्रप्रेमी पक्षी-3
6. झगड़ा,द्वेष-3
7. मोटा आटा-2
8. खिंचाव,स्वर विस्तार-2
9. असली,शुद्ध-3
10. यंत्रशाला-4
12. कार्यविधि-3
14. चिंगारी-3
16. एक कंद जिसे सुखा कर सौंठ बनाई जाती है-4
18. दूल्हे की पगड़ी-3
20. सम्मान-2
21. प्राण,जीवन तत्व-2
22. कुशल,होनहार-3
24. राशिचक्र की एक राशि-3
25. प्रेमी,साजन- 3

ऊपर से नीचे

2. अवलोकन,दरस-3
3. चलने का ढंग-2
4. तलघर-4
5. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6. जलजला-3
7. रसीला,रस से भरपूर-4
8. बल,जोर,दम-3
10. चाचा,अंकल-2
11. शौहर,पति-3
13. 'दीवाने हुए पागल' की नायिका-2,2
14. वहम,संदेह-3
15. राजा,सम्राट-3
16. उपद्रवी,आतंकी-4
17. गिरवी रखी वस्तु-3
20. बैठने की जगह-3
21. शराब का प्याला-2
23. रांझे की प्रेमिका-2

शब्द पहेली - 8688 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

33 केव्ही विद्युत लाईन का पोल गिरा, बड़ी दुर्घटना टली

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्रान्तर्गत कारंजा विद्युत वितरण केन्द्र के ग्राम घंसा के सिंगोला वितरक नहर पर एक बड़ा हादसा टल गया जहां नहर के पास से गुजर रही 33 केव्ही विद्युत लाईन का पोल तार सहित नहर पर जा गिरा। बतादे कि यह नवीन विद्युत लाईन का कार्य प्रारंभ है जिसके चलते विद्युत सप्लाई प्रारंभ नही थी ठेकेदार के द्वारा विद्युत पोल एवं लाईन बिछाई जा रही थी यदि तारो में विद्युत प्रवाह होते रहता ऐसे में वह नहर के पानी में गिरता तो निश्चित रूप से बडी दुर्घटना सामने आती। इस संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 अप्रैल को सुबह करीब 7 से 8 बजे के दरम्यान ग्राम घंसा में सिंगोला वितरक नहर पर एक विद्युत पोल तारो सहित जा गिरा, वहीं नहर पर पानी भी था लेकिन गनिमत रहा कि विद्युत तारो में विद्युत प्रवाह नही हो रहा था। बतादे कि ग्राम कारंजा से डोंगरगांव 33 केव्ही की नवीन लाईन बिछाई जा रही है जिसका कार्य वर्तमान में ठेकेदार पद्धति से किया जा रहा है। ग्रामीणो ने बताया कि यदि यह विद्युत लाईन प्रारंभ रहती तो निश्चित रूप से एक बड़ा हादसा घटित हो सकता था क्योंकि वर्तमान में नहर प्रारंभ है किसान अपने अपने खेतो मे कार्य करते है मवेशी भी पानी आदि कि तलाश में नहरो के पास जाते है, कई बार तो बच्चे में अनभिज्ञ होकर खेलने आदि नहर के पास चले जाते है ऐसे मे यदि उक्त विद्युत

लाईन में विद्युत सप्लाई होती रहती और वह नहर मे गिरती तो संभवत- एक बड़ा हादसा घटित हो सकता था। हालांकि घटना घटित होते ही उक्त घटना की सूचना जेई कारंजा एवं स्थानीय स्टाफ को दे दी गई थी जिनके द्वारा ठेकेदार से इस संबध चर्चा की गई है।

कार्यो की गुणवत्ता पर सवाल-

विद्युत लाईन कार्यो की गुणवत्ता पर पहले से ही प्रश्न चिन्ह उठते आ रहे है। जिसमे सबसे अधिक शिकायतें आती है ठेकेदार सही ढंग से खंबो को जमीन में जितने नीचे तक गाडना चाहिये वह नही किया जाता ऐसे मे अनेको बार देखने मे आता है थोडी सी आंधी तूफान में विद्युत पोल डगमगाने लगते है। कई स्थानो पर इन खंबो के टूटने से बडे हादसे घटित हो चुके है उसके बाद भी ठेकेदार या जांच अधिकारी इस संबध में ध्यान नही देते की लाईन ठीक तरह से बिछी है कि नही, खंबो को जितने अन्दर तक गड़ाना चाहिये उतना कार्य किया गया है कि नही, तारो की गुणवत्ता सही है कि नही कितने अंतराल में कितनी उंचाई, लंबाई एवं वजन के खंबे लगाये जाने है तारो की क्या गुणवत्ता होगी, विद्युत पोलो का क्या माप दंण्ड है यह सभी देखने का कार्य संबधित विभाग का है। उक्त घटना की भी जांच होनी चाहिये कि आखिर बिना आंधी तूफान के यह विद्युत पोल गिरा कैसे, क्या ठेकेदार के द्वारा सही ढंग से कार्य नही किया गया है यह सभी जांच का विषय है।

इनका कहना है-

इस संबध में कारंजा के जेई विश्वजीत शर्मा से चर्चा की गई तो आपने बताया कि यह कारंजा से डोंगरगांव को जोडने वाली 33 केव्ही लाईन है जिसका कार्य प्रारंभ है। निविदाकार के द्वारा यह कार्य किया जा रहा था वर्तमान में उक्त पोल पर विद्युत सप्लाई प्रारंभ नही है। पोल व्यवस्थित करने के लिये निविदाकार को आदेशित किया गया है।

भाजपा ने मनाया अपना 47 वां स्थापना दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय जनता पार्टी का 47वॉ स्थापना दिवस 6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ के द्वारा अपने अपने मण्डलों में आयोजित किया गया। इसी कड़ी में भाजपा मण्डल लांजी के द्वारा विधायक राजकुमार कर्राहे के निवास स्थल पर पार्टी स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात भाजपा का ध्वजारोहण कर, भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्यक्ष, डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी के छायाचित्रों के समक्ष दीप प्रज्जवलित माल्यार्पण कर स्थापना दिवस मनाया। भारतीय जनता पार्टी कि स्थापना 6 अप्रैल 1980 को मुंबई अधिवेशन में हुई थी। जो राष्ट्रीय एवं मानव एकात्मवाद की विचारधाराओं को लेकर कार्य प्रारंभ किया था जो निरंतर करते हुये आज एक वट वृक्ष के रूप में विश्व क सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। जो निरंतर संगठन को मजबूत करने के लिये जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक को लाभ पंहुचा रही है। स्थापना दिवस पर सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ ने अपने अपने घर में भाजपा का ध्वज फहराया गया। स्थापना दिवस के मौके पर कार्यकर्ताओं ने 卐राष्ट्र प्रथम, पार्टी प्रथम का संकल्प लिया और आगामी दिनों में विकास कार्यों तथा जनसेवा को और तेज करने का संदेश दिया। भाजपा पदाधिकारियों ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा एक विचारधारा है, जो देश की सेवा और अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए समर्पित है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में लांजी विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का उल्लेख किया और कहा कि पार्टी के स्थापना दिवस पर हम सभी को और अधिक मेहनत से जुड़ना चाहिए ताकि क्षेत्र की जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इस दौरान विधायक राजकुमार कर्राहे, भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, अविनाश रैंच, किशोर रामटेक्कर, गौरव बैस, संदीप रामटेक्कर, सचिन अग्रवाल, बिसोनी अध्यक्ष देवेश ऐडे, दिनेश कचवाहे, सुशीला दुग्गड़, मीना बिलगौर, प्रगति पालीवाल, वीणा उपराड़े, श्यामा मुरकुटे, प्रेमा राखड़े आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

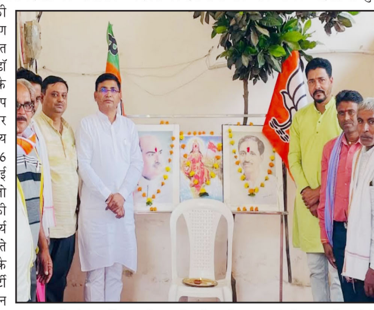

अब ग्रामीणों को नहीं मिलेगा मुफ्त में पानी

एकल नल जल योजनाओं में इस माह से शुरू हो जाएगी पानी की सुचारू रूप से आपूर्ति

भोपाल। एजेंसी। मप्र में जल जीवन मिशन के तहत चल रही एकल नल जल योजनाओं को तेजी से पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। संभावना जताई जा रही है कि इस माह एकल नल जल योजनाएं पूरी हो जाएंगी, जिसके बाद पानी की आपूर्ति सुचारू रूप से शुरू कर दी जाएगी। हालांकि, इन योजनाओं के संचालन और रखरखाव के लिए ग्रामीणों को अब पानी मुफ्त में नहीं मिलेगा, बल्कि उन्हें हर महीने 100 रुपये (या पंचायत द्वारा निर्धारित रखरखाव शुल्क) देना होगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2019 को जल जीवन मिशन की घोषणा की थी। केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की डेडलाइन मार्च, 2024 रखी थी। चूंकि इस अवधि में अधिकतर राज्यों में जल जीवन मिशन का काम पूरा नहीं हो पाया, इस कारण केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन 2.0 के रूप में पुनर्गठित कर देश में मिशन की अवधि दिसंबर, 2028 तक बढ़ा दी है।

गौरतलब है कि प्रदेश में जल जीवन मिशन में दो तरह की योजनाओं (एकल नल जल और समूह नल जल) पर काम चल रहा है। प्रदेश में एकल नल जल योजनाओं की संख्या 28 हजार से ज्यादा है। एकल नल जल योजनाओं का 98 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अप्रैल के अंत तक एकल नल जल योजनाओं का काम पूरा कर लिया जाएगा। पूर्व में इसकी डेडलाइन दिसंबर, 2025 और फिर मार्च, 2026 निर्धारित की गई थी। समूह नल जल योजनाओं की कुल संख्या 147 है। समूह नल जल योजनाओं का करीब 70 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। समूह नल जल योजनाओं का काम पूरा करने की डेडलाइन मार्च, 2027 निर्धारित है।

अलग-अलग रहेंगे शुल्क

उधर, प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की सप्लाई मुफ्त नहीं की जाएगी। गांवों में नलों से पानी सप्लाई का शुल्क लिया जाएगा। शुल्क का निर्धारण कर दिया गया है। जिन गांवों में नल-जल योजना शुरू हो चुकी है, वहां पानी सप्लाई के लिए प्रति कनेक्शन प्रति माह 100 रुपए शुल्क लिया जाएगा। जनजातीय विकासखंडों के गांवों में यह शुल्क 60 रुपए प्रति माह और मास्टर प्लान वाले गांवों में 120 रुपए प्रति माह होगा। स्कूल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी जैसे सार्वजनिक संस्थानों के लिए यह शुल्क 200 रुपए प्रति माह होगा। यह व्यवस्था मई से लागू करने की तैयारी है। मप्र पंचायत (ग्रामीण नल जल योजना संचालन-संधारण एवं प्रबंधन नीति)2026 में नलों से पानी सप्लाई के शुल्क के संबंध में प्रावधान किया गया है। इसके अनसार ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्थित औद्योगिक इकाइयों से पानी की खपत के आधार पर उत्पादन शुल्क के रूप में बिल वसूला जाएगा, वहीं अन्य व्यावसायिक संस्थानों से 500 रुपए प्रति माह शुल्क लिया जाएगा। यही नहीं नई नीति में नल कनेक्शन का शुल्क भी तय किया गया है। नल कनेक्शन के लिए अनुसूचित जाति एवं जनजाति परिवारों को 1000 रुपए और अन्य परिवारों को 2500 रुपए देना होंगे। सार्वजनिक संस्थानों के लिए नल कलेक्शन का शुल्क 5000 रुपए, औद्योगिक संस्थानों के लिए 10,000 रुपए और अन्य व्यावसायिक संस्थानों के लिए 8000 रुपए निर्धारित किया गया है। जिन परिवारों ने पहले बिना शुल्क के कनेक्शन ले लिया था, उन्हें भी यह राशि किश्तों में जमा करनी होगी। इसके अलावा बल्क जल मीटर की स्थापना और रखरखाव का खर्च संबंधित उपभोक्ता को ही उठाना होगा। पानी की आपूर्ति और शुल्क वसूली को व्यवस्थित करने के लिए गांवों में वॉल्व सह पंप ऑपरेटर नियुक्त किए जाएंगे। नियमों के तहत सरपंच और पानी समिति के सदस्यों को लोक सेवक का दर्जा दिया जाएगा, जिससे जल प्रबंधन में जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। बता दें कि मध्य प्रदेश में एकल नल जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण (ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस) की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों को सौंपी गई है। अब तक प्रदेश के सिर्फ दो जिलों-बुरहानपुर एवं निवाड़ी को हर घर जल जिला प्रमाणित घोषित किया गया है।

बैहर में जल सेवा समागम के तहत निबंध लेखन व रैली आयोजित

पद्मेश न्यूज। बैहर। कलेक्टर मृणाल मीणा एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत विकासखंड बैहर में जल संरक्षण को लेकर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

शासकीय अरण्य भारती महाविद्यालय बैहर में अध्ययनरत मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्रों द्वारा जल सेवा समागम द्वितीय चरण के तहत निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं जागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर जल स्त्रोतों के पुनरुद्धार एवं जल संचयन के प्रति जन-जागरूकता फैलाना रहा।

परामर्शदाताओं के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित जल संगोष्ठी को संबोधित करते हुए शिवनाथ यादव ने कहा कि जल संकट से निपटने का एकमात्र उपाय जल का सही प्रबंधन और संवर्धन है। उन्होंने ग्रामीणों से वर्षा जल संचयन की तकनीकों को अपनाने की अपील की। संगोष्ठी के पश्चात छात्रों ने ग्राम के प्रमुख मार्गों पर रैली निकालकर जल है तो कल है जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनसमुदाय को जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति समर्पित रहने का सामूहिक संकल्प दिलाया गया।

कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक महेश पटले, परामर्शदाता शिवनाथ यादव, सुरेश यादव, भंवरसिंह मेरावी, आकांक्षा तेकाम समाज सेवी संदीप गजभिये, अभय यादव,विमल भावे ,ज्योति कुर्वेती, मोनिका ठाकरे, अर्पिता यादव, शिवानी शिवहरे, साक्षी दुबे, निकिता ठाकरे, संदीप बिसेन, आरती कुशरे, सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। ग्रामवासियों ने अभियान की सराहना करते हुए भविष्य में भी जल संवर्धन गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का भरोसा दिया।

उच्च शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों से मांगी संबद्ध कॉलेजों की जानकारी

भोपाल। एजेंसी। सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया को लेकर तैयारी तेज हो गई हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीन आने वाले संबद्ध कॉलेजों की विस्तृत जानकारी बनाकर भेजें। यह डाटा 25 अप्रैल तक विश्वविद्यालय को जमा करना है। इसके आधार पर ही प्रवेश देने वाले संस्थानों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। इस सत्र से विभाग को पारंपरिक और व्यावसायिक के अलावा नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिए भी प्रवेश प्रक्रिया करवानी होगी। विभाग ने विश्वविद्यालयों से 10 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कॉलेज की जानकारी देने पर जोर दिया है।

प्रमुख रूप से पाठ्यक्रम का नाम, उपलब्ध सीटों की संख्या, फैकल्टी की स्थिति, कॉलेज की संबद्धता, वर्तमान में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या, परीक्षा परिणाम, कॉलेज संचालित करने वाली सोसायटी का पंजीयन और प्राचार्य का विवरण शामिल है, ताकि विद्यार्थियों को पारदर्शी और बेहतर विकल्प मिल सकें। अधिकारियों के मुताबिक, इस साल नए कॉलेज और नए पाठ्यक्रम के बारे में भी डाटा दिया जाएगा। साथ ही, किन संस्थानों में सीट वृद्धि हुई है, उसके बारे में भी रिपोर्ट में उल्लेख करना होगा।

मप्र उच्च शिक्षा विभाग

1360 कॉलेजों के लिए जारी होगी गाइडलाइन

प्रदेश में कुल 1360 कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिनमें 569 सरकारी और 791 निजी कॉलेज हैं। इन संस्थानों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के कुल 299 प्रकार के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। बीए, बीकॉम, बीएससी, बीएचएमसी सहित अन्य स्नातक पाठ्यक्रम की आठ लाख से अधिक सीटें हैं। वहीं एमए, एमकॉम, एमएससी और एमएसडब्ल्यू जैसे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में लगभग साढ़े तीन लाख सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। अकेले देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) के अंतर्गत आने वाले कॉलेजों की संख्या लगभग 180 से 200 के बीच है। विभाग ने मई के पहले सप्ताह से प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की योजना बनाई है, ताकि छात्रों को समय पर दाखिला मिल सके।

नर्सिंग कॉलेजों का नया समीकरण

पिछले साल आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर से प्रदेशभर के नर्सिंग कॉलेज अलग हो चुके हैं। अब इन्हें राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय के दायरे में शामिल कर लिया गया है। अकेले डीएवीवी में 30 नर्सिंग कॉलेज जुड़ गए हैं। इनकी संबद्धता जारी करने की प्रक्रिया जारी है। अप्रैल में विश्वविद्यालय इन संस्थानों का निरीक्षण करेगा और उसके आधार पर संबद्धता जारी होगी। प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन कॉलेज में भी उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा, जिसके लिए अलग से काउंसिलिंग रखी जाएगी।

कॉलेजों की सूची जल्द होगी तैयार

डीसीडीसी डॉ. सचिन शर्मा का कहना है कि प्रवेश के लिए कॉलेजों की सूची जल्द देंगे। वैसे इन दिनों नर्सिंग कॉलेजों से आवेदन प्राप्त हो चुके हैं और कुछ संस्थानों का निरीक्षण किया जा चुका है। अगले कुछ हफ्तों में विभाग प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े नियम व गाइडलाइन भी जारी कर सकता है। विभाग का लक्ष्य है कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे और छात्रों को उनकी पसंद के पाठ्यक्रमों में बेहतर विकल्प मिल सकें।

गौवंश तस्करी का प्रयास नाकाम, आरोपी जंगल की ओर फरार

पद्मेश न्यूज। लामता(बालाघाट)। चांगोटोला क्षेत्र में गौवंश तस्करी का एक गंभीर मामला सामने आया है। नैनपुर-बालाघाट मार्ग स्थित पादरीगंज के जंगल मार्ग से लगभग 18 नग गौवंश को क्रूरता पूर्वक मारते-पीटते ले जाया जा रहा था।

राहगीरों को संदेह होने पर उन्होंने संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की, लेकिन स्थिति भांपते ही आरोपी मौके से जंगल की ओर फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों एवं जागरूक युवाओं ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर सभी गौवंश को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया और तत्काल इसकी जानकारी चांगोटोला पुलिस को दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से सभी गौवंश को सुरक्षित थाने पहुंचाया। इस दौरान कुछ पशु घायल अवस्था में पाए गए, जिनका उपचार पशु चिकित्सकों द्वारा कराया जा रहा है। घटना को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उन्होंने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करते हुए क्षेत्र में पशु तस्करी पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता जताई है।

चांगोटोला थाना प्रभारी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

ग्रामीणों की सतर्कता से एक बड़ा अपराध टल गया, लेकिन इस घटना ने क्षेत्र में पशु सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

राजेंद्र भारती केस में आज दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई

भोपाल। एजेंसी। दतिया से कांग्रेस विधायक रहे राजेंद्र भारती को एफडी घोटाला मामले में दिल्ली एमपी/एमएलए कोर्ट ने 3 साल की सजा सुनाई है और 60 दिनों के भीतर अपील दायर करने का समय दिया है। कोर्ट के फैसले के बाद विधानसभा सचिवालय ने उनकी विधानसभा सदस्यता भी रद्द कर दी और दतिया सीट को रिक्त घोषित कर दिया गया। इस पूरे मामले में राजेंद्र भारती ने दिल्ली हाई कोर्ट में 4 तारीख को याचिका दायर की थी, जिसकी सुनवाई मंगलवार को तय हुई है। राजेंद्र भारती की तरफ से केस की पैरवी विवेक तनखा करेंगे।

27 साल पुराने एफडी घोटाला मामले में दिल्ली की एमपी-एमएल कोर्ट ने भारती को 3 साल की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने उन्हें अपील दायर करने के लिए 60 दिनों को समय भी दिया है। लेकिन कोर्ट के फैसले के बाद 3 अप्रैल की बीती रात विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा ने देर रात सचिवालय खोलकर राजेंद्र भारती की विधानसभा सदस्यता रद्द करने का आदेश जारी करते हुए दतिया विधानसभा सीट को रिक्त घोषित कर दिया।

राजेंद्र भारती का एफडी घोटाला मामला

पूरे घटनाक्रम की शुरुआत 1998 से हुई, जब श्याम सुंदर संस्थान के अध्यक्ष सावित्री श्याम (राजेंद्र भारती की मां) ने दतिया सहकारी ग्रामीण विकास बैंक में तीन साल के लिए 10 लाख रुपये एफडी (फिक्सड डिपॉजिट) कराई थी। जिस पर 13.5 प्रतिशत का ब्याज उन्हें मिलना चाहिए था। इस दौरान बैंक के संचालक मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र भारती थे और वहीं श्याम सुंदर संस्थान बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के सदस्य भी थे। उनके कार्यकाल के दौरान ही बैंक के रिकार्ड में हेराफेरी और कूटरचना कर भारती ने सावधि जमा एफडी की अवधि को 3 साल से बढ़ाकर 15 साल कर दी और साल 1विनोद उपाध्याय / 06 अप्रैल, 2026 से 2011 के बीच सालाना 13.5 प्रतिशत ब्याज दर के अनुसार, 1 लाख 35 हजार रुपये निकाल लिए। इसके बाद इस पूरे मामले की शिकायत बैंक कर्मचारी नरेंद्र सिंह ने कोर्ट में दर्ज कराई। कोर्ट ने शिकायत को गंभीरता से लिया और राजेंद्र भारती पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने का आदेश दिया।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

संघ के एजेंडे को जमीन पर साकार करेगी भाजपा

आरएसएस और भाजपा की दो दिनी समन्वय बैठक में हुआ मंथन

भोपाल । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वैचारिक और सांगठनिक विषयों को भाजपा राज्यों में धरातल पर उतारने और संगठन को मजबूत करने के लिए व्यापक योजना पर काम कर रही है। आगामी चुनावों को देखते हुए, संघ और भाजपा के बीच समन्वय को और गहरा किया जा रहा है। इसी के मद्देनजर गतदिनों भोपाल में संघ और संगठन की समन्वय बैठक में मंथन किया गया और निर्णय लिया गया कि मप्र में भाजपा संघ के एजेंडे का का जमीन पर क्रियान्वयन करेगा। संघ के वैचारिक मुद्दों, जैसे-सामाजिक समरसता, हिंदुत्व, राष्ट्रीय सुरक्षा, और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे जैसे संदेशों को आम जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया जा रहा है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के निर्णयों को प्रदेश भाजपा मप्र में आगे बढ़ाएगी। संघ ने पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व से अपनी मंशा जता दी। सूत्रों की मानें बैठक में सत्ता और संगठन के समन्वय को लेकर भी चर्चा की गई है। बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान लिए गए संकल्पों को कैसे पूरा किया जाएगा और इसमें भाजपा की क्या भूमिका रहेगी इस पर मंथन किया गया। बैठक में भाजपा संगठन से अपेक्षा की गई है कि संघ के अनुषांगिक संगठनों सेवा भारती सहित दूसरे संगठनों की गतिविधियों से सहयोग दिया जाए। इससे मध्यप्रदेश में संघ के कार्यों और संगठन को और मजबूत बनाया जा सके।

संगठन में कसावट और बदलाव

मप्र में 2028 के विधानसभा चुनाव और 2027 के नगरीय निकाय चुनावों को लेकर संगठन में बदलाव की प्रक्रिया जारी है। इसका उद्देश्य बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करना है। भाजपा गांव-बस्ती चलो जैसे अभियानों के जरिए मंत्री, सांसद और विधायक को सीधे ग्रामीण स्तर पर सक्रिय कर रही है, ताकि जनता से सीधा संवाद हो सके। संघ अपने सांगठनिक ढांचे में बदलाव (प्रांत प्रणाली की जगह संभाग व्यवस्था) कर रहा है ताकि गांवों और मोहल्लों तक

बेहतर पहुंच बन सके। संघ और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच लगातार समन्वय बैठकें हो रही हैं। गौरतलब है कि संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में भौगोलिक स्वरुप में परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है, जिसमें अब प्रांतीय कार्यकारणी के स्थान पर संभागीय कार्यकारणी गठित की जाएगी। यह प्रक्रिया मार्च 2027 से प्रारम्भ होगी। बताया गया है कि दो दिन हुई बैठक में भाजपा ने भी अपने संगठनात्मक ढांचे को संघ की तरह संभाग स्तर पर मजबूत करने की बात कही है। यानि कि एक बार फिर भाजपा संभागीय मुख्यालयों में अपने संगठन मंत्री बैठाकर पार्टी को गतिविधियों को निचले स्तर तक मजबूती से उतारने का प्रयास करेगी।

संगठन के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

सूत्रों की मानें तो बैठक में संघ विरोधी विचारधारा वाले दलों द्वारा देश में जो वातावरण निर्मित किया जा रहा है, उससे कैसे निपटा जाए। इसे लेकर भी बैठक में चर्चा की गई है। पदाधिकारियों ने समाज के बांटने वाले प्रयासों पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे संघ की विचारधारा से जुड़ रहे लोगों को किसी भी स्थिति में गुमराह होने से बचाना होगा। इसके लिए संघ के स्वयं सेवक अपने स्तर पर काम कर रहे है, लेकिन भाजपा के कार्यकर्ताओं को भी इसके लिए बूथ स्तर पर लोगों को जागरुक बनाना होगा। बैठक से जुड़े सूत्रों का कहना है कि दो दिवसीय बैठक में मध्यप्रदेश भाजपा का अगला संगठन महामंत्री कौन होगा, इस पर भी चर्चा की गई है। निर्णय क्या हुआ, यह खबर बाहर नहीं आ सकी है, लेकिन यह कहा जा रहा है कि यदि प्रदेश संगठन महामंत्री बनाए जाते है, तो इसका एक दो दिन में घोषणा हो जाएगी और यदि नहीं निर्णय नहीं होता, तो फिर संगठन महामंत्री का विषय लंबे समय तक के लिए टल जाएगा और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ही इस भूमिका में रहेंगे। बैठक से जुड़े सूत्रों की मानें तो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के साथ समन्वय बैठक में जिन बिंदुओं को लेकर मंथन किया गया है, उन्हें जमीनी स्तर तक उतारने के लिए प्रदेश भाजपा कोई बड़े अभियान या एजेण्डे की घोषणा कर सकती है। जिसके जरिए संघ की लाइन को भाजपा बूथ स्तर पर ले जा सके।

मप्र में सशक्त बन रही पंचायती राज संस्थाएं

- 16,773 परियोजना कार्य पूरे, पंचायत प्रोत्साहन योजना में इन 14 जिलों ने किया बेहतर प्रदर्शन

भोपाल। मध्यप्रदेश में पंचायती राज संस्थाएं सशक्त बन रही है। पंचायत प्रोत्साहन योजना में 14 जिलों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। 9 लाख से ज्यादा पदाधिकारियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया गया है। 16,773 परियोजना कार्य पूरे किए गए हैं। सरकार ने इसे लेकर आंकड़े जारी किए हैं। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, नरसिंहपुर, सागर, छतरपुर, सीधी, पूर्वी निमाड़, हरदा, नीमच, गुना, और झाबुआ पंयायतों ने प्रोत्साहन योजना में अच्छा प्रदर्शन किया है। ग्राम पंचायत विकास योजना और परियोजना क्रियान्वयन एक सतत प्रक्रिया है। प्रदेश की ग्राम पंचायतों में केंद्रीय वित्त आयोग के अनुदानों का उपयोग करते हुए कुल 16,773 परियोजना कार्य पूरे किए गए हैं। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान का प्राथमिक उद्देश्य निर्वाचित प्रतिनिधियों और उनके पदाधिकारियों की क्षमता निर्माण कर पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत बनाना, ग्राम पंचायत भवन और कम्प्यूटरीकरण जैसी अधोसंरचनात्मक सहायता प्रदान करना है।

अनुदान के दो घटक- टाइड और अनटाइड

ई-पंचायतों पर मिशन मोड परियोजना (एमएमपी-ईपंचायत) में पंचायतों के डिजिटलीकरण की दिशा में ई-गवर्नेंस परियोजनाओं को वित्तपोषित किया जाता है। इससे पीआरआई के कामकाज में कार्यदक्षता, जवाबदेही और पारदर्शिता आई है। वर्तमान में पंद्रहवें वित्त आयोग (एफएफसी) के तहत, राज्यों के माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को केंद्रीय वित्त आयोग की हस्तांतरित निधि आवंटित की जाती है। आयोग के अनुदान के दो घटक हैं-टाइड और अनटाइड। अनटाईड अनुदान कुल अनुदान का 40 प्रतिशत है। इसका उपयोग वेतन या अन्य स्थापना व्यय को छोडक़र संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में निहित 29 विषयों में स्थान-विशिष्ट की जरूरतों के लिए किया जा सकता है। टाइड अनुदान कुल अनुदान का 60 प्रतिशत है। इसका उपयोग बुनियादी सेवाएं प्रदान करने के लिए किया जा सकता है जैसे स्वच्छता और खुले में शौच से मुक्ति, घरेलू कचरे का प्रबंधन और उपचार, मल और गाद प्रबंधन, पेयजल की आपूर्ति, वर्षा जल संचयन जैसे कार्य शामिल है। यदि किसी स्थानीय निकाय ने एक श्रेणी की जरूरतों को पूरी तरह से पूरा कर दिया है, तो वह अन्य श्रेणी की धनराशि का उपयोग कर सकता है।

उच्च स्तरीय प्रशिक्षण

प्रदेश में पीआरआई के निर्वाचित प्रतिनिधियों और उनके पदाधिकारियों को मिलाकर 9 लाख पदाधारियों को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), ग्रामीण प्रबंधन संस्थान आनंद जैसे उत्कृष्टता संस्थानों के सहयोग से नेतृत्व/प्रबंधन विकास कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया गया है। मुख्य उद्देश्य संचार, निर्णय लेने, वित्तीय प्रबंधन और टकराव समाधान समेत आवश्यक नेतृत्व कौशल को निखारना है। वर्तमान में पंचायती राज संस्थाओं की क्षमता निर्माण पर विशेष जोर दिया जा रहा है ताकि वे स्वयं के राजस्व स्रोतों को जुटा सकें। अब तक प्रदेश के 3,275 प्रतिभागियों को ओएसआर मॉड्यूल का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

ई-गवर्नेंस

पंचायतों में ई-गवर्नेंस को मजबूत बनाने और बढ़ावा देने के लिए, डिजिटल इंडिया पहल के तहत, स्थानीय ग्रामीण शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यदक्षता लाने के लिए विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऐप विकसित किए हैं। सिंगल साइन ऑन डिजिटल प्लेटफॉर्म, ईग्रामस्वराज ऐप पंचायत स्तर पर योजना, लेखांकन, निगरानी और ऑनलाइन भुगतान की सुविधा प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इस ऐप को सार्वजनिक निधि प्रबंधन प्रणाली, सरकारी ई-मार्केटप्लेस और ऑडिट ऑनलाइन ऐप के साथ एकीकृत किया गया है ताकि भुगतान में कोई परेशानी न हो, खरीद प्रक्रिया पारदर्शी हो और पंचायतों के खातों की लेखापरीक्षा की जा सके। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान मध्यप्रदेश में 23,011 ग्राम पंचायतों में से 22,978 ग्राम पंचायतों (99.85 प्रतिशत) ने अपने ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीपीडीपी) को ईग्रामस्वराज पर अपलोड किया है और 21,950 ग्राम पंचायतों (95.5 प्रतिशत) ने ईग्रामस्वराज-पीएफएमएस इंटरफेस के माध्यम से विक्रेताओं को 2156.10 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए हैं।

एमपी के खेल एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग के सरकारी बंगले पर चोरो ने बोला धावा

– बंगले के परिसर में बने स्टोर रूम से ट्रॉफियां, मोमेंटो और शील्ड उड़ाए

भोपाल। मध्यप्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग के सरकारी बंगले को बैखौफ चोरो ने अपना निशाना बनाते हुए परिसर में बने स्टोर रुम का ताला चटका दिया। बदमाश स्टोर रुम में रखे खेल मंत्री को उपहार में मिले स्मृति चिन्ह समेत अन्य सामान बटोर कर चंपत हो गए। वारदात 2 और 3 अप्रैल की दरमियानी रात की है, इसका खुलासा 6 अप्रैल की सुबह हुआ है। मामले में टीटी नगर थाना पुलिस ने गुपचुप मामला कायम कर जॉच शुरु कर दी है।

जानकारी के अनुसार खेल मंत्री के पीए वरुण सक्सेना पिता स्वर्गीय महेंद्र कुमार सक्सेना (38) ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की वे शाहपुरा स्थित अपेक्स बैंक कॉलोनी में रहते है, और मूलत: अपेक्स बैंक में सामान्य सहायक के पद पर तैनात हैं। वहां से प्रतिनियुक्ति में वे खेल मंत्री के बंगले में अटैच हैं। वरुण सक्सेना ने पुलिस को आगे बताया की मंत्री को मिले उपहार और स्मृति चिन्ह को बंगले के परिसर में बने स्टोर रुम में रखा गया था। यह कमरा आनंद विहार स्कूल की तरफ है, और पिछले हिस्से में गुजराती समाज का मांगलिक भवन है। 2-3 अप्रैल की दरमियानी रात को अज्ञात चोर स्टोर रुम का ताला तोड़कर यहॉ रखी ट्रॉफियां, मोमेंटो और शील्ड उड़ा ले गए हैं। अगली सुबह स्टोर रूम का ताला टूटा नजर आने पर सिक्योरिटी गार्ड ने देखा तो सामान गायब था। पुलिस जॉच में सामने आया की जिस स्टोर रूम में चोरी हुई, वहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। आरोपियो का सुराग जुटाने के लिये पुलिस आसपास के रास्तो और मकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अफसरो का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

4 संभागों में 9 अप्रैल से गेहूं खरीदी, अन्य में 15 अप्रैल से शुरू

19 लाख किसानों ने कराया पंजीयन...

भोपाल । प्रदेश में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से शुरू की जा रही है। इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभागों में 9 अप्रैल से खरीदी आरंभ होगी, जबकि शेष संभागों में 15 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर उपार्जन किया जाएगा। सरकार ने छोटे किसानों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं, ताकि उन्हें पहले लाभ मिल सके।

इस वर्ष 19 लाख से अधिक किसानों ने गेहूं बेचने के लिए पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 4 लाख अधिक है। इससे स्पष्ट है कि इस बार उपार्जन का दायरा बढ़ा है। सरकार ने खरीदी की सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। खरीदी केंद्रों पर सुव्यवस्थित व्यवस्था और समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में किया जाएगा।

घूसखोर पंचायत सचिव को ईओडब्लयू रंगे हाथों दबोचा

मकान निर्माण की परमिशन के मांगी थी 25 हजार की रिश्वत

भोपाल। ईओडब्लयू इंदौर टीम ने मकान निर्माण की परमिशन के लिये गरीब किसान से 25 हजार की रिश्वत की मांग करने वाले तहसील सांवेर में पंचायत सचिव को रंगे हाथों दबोचा है। विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार फरियादी मोहित ने एसपी, ईओडब्लयू लिखित शिकायत करते हुए बताया था की वह गरीब परिवार से है, उसके पिता ने मजदूरी करके 400 स्कवायर फीट का ईडब्लयूएस प्लॉट ग्राम बजरंग पालिया में डॉल्फिन सिटी में खरीदा था। उस प्लॉट पर मकान बनाने के लिये उसने जिला पंचायत इंदौर में आवेदन दिया था। यह आवेदन फॉरवर्ड होकर सचिव के पास पहुंचा था। इसके बाद जब उसने पंचायत सचिव अशोक सोलंकी तहसील सांवेर, जिला इंदौर से संपर्क किया तब वह ईडब्ल्यूएस प्लॉट पर मकान निर्माण की परमिशन देने के ऐवज में 25 हजार रुपये की रिश्वत की मांग रहा है। आवेदन की जॉच कराये जाने पर आरोपी द्वारा रिश्वत मांगने की शिकायत सही पाई गई। इसके बाद टीम ने आरोपी को रंगे हाथ दबोचने के लिये योजना बनाते हुए विशेष टीम बनाई। प्लानिंग के मुताबिक ईओडब्लयू टीम ने फरियादी मोहित को रिश्वत की रकम की पहली किस्त के रुप में 8 हजार रुपये देकर आरोपी को देने के लिये भेजा। अरोपी नें रिश्वत के 8 हजार रुपये फरियादी से लिये इसके बाद फरियादी द्वारा पूर्व से तय किया गया इशारा वहॉ पहले से घात लगाकर बैठी ईओडब्लयू टीम को किया गया। संकेत मिलते ही टीम ने अरोपी पंचायत सचिव अशोक सोलंकी रंगे हाथों धर दबोचा है। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओ के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है। ट्रैप टीम में डीएसपी, 5 निरीक्षक सहित 7 अन्य सदस्य शामिल रहे। अधिकारियो का कहना है की आरोपी द्वारा ली जा रही रिश्वत में अन्य किन-किन अधिकारियों की भूमिका है, इसकी भी जांच की जाएगी।

तोते या स्टार कछुए पालना अपराध

भोपाल। आपने घर में स्टार कछुए या देशी तोते पाल रखे हैं तो वन विभाग को सरेंडर कर दीजिए। दरअसल, तोते को भी विलुप्त हो रही प्रजाति में शामिल कर लिया गया है। इन्हें पिंजरे में रखकर पालना अपराध की श्रेणी में आता है। वहीं स्टार कछुआ भी पहले से शेडयूल-1 में रखा गया है।

दरअसल, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत भारत में पाए जाने वाले सभी मूल पक्षी संरक्षित प्रजातियों की श्रेणी में आते हैं। इसलिए, उन्हें पकडऩा, बेचना, खरीदना या पिंजरे में कैद करके घर में पालना एक कानूनी अपराध है। वहीं विदेशी तोते पाल सकते हैं, लेकिन यह साबित करना होगा कि उन्हें कानूनी तरीके से खरीदा है और आपको सरकारी पोर्टल पर उनकी जानकारी दर्ज करानी होगी। बिना सही कागजात के विदेशी पक्षी रखना भी आपको कानूनी जांच के घेरे में ला सकता है।

इसलिए रखते हैं लोग

ऐसी भ्रांति है कि स्टार प्रजाति के कछुए को घर में रखने पर समृद्धि आती है, इसलिए लोग चोरी-छिपे इन्हें खरीदकर रख लेते हैं। इसी तरह दो मुंहे सांप को लेकर भी अंधविश्वास है। तांत्रिक क्रिया कर धन पता लगाने के लिए इसकी तस्करी की जाती है। अब सूचना मिलने पर सीधे प्रकरण दर्ज किया गया जाएगा।

पहले दिन 9 दुकानों पर चली जेसीबी

भोपाल की लाइफलाइन बड़ी झील के पास बुलडोजर एक्शन, तोड़े जाएंगे 347 अवैध निर्माण

भोपाल। भोपाल की लाइफलाइन कही जाने वाली बड़ी झील शहर की पहचान है लेकिन भीड़ भाड़ और अवैध निर्माण ने यहां घूमने आने वालों की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। अब प्रशासन ने एक बड़ा अभियान शुरू कर दिया है। क्योंकि बड़ा तालाब के किनारे बने अतिक्रमणों पर बुलडोजर चलना शुरू हो गया है। सोमवार से शुरू हुआ यह अभियान 21 अप्रैल तक चलेगा। कुल 15 दिनों तक चलने वाली इस कार्रवाई में जिला प्रशासन ने 347 अतिक्रमण चिन्हित किए हैं, जो तालाब के फुल टैंक लेवल के 50 मीटर दायरे में आते हैं।

पहले दिन भदभदा में चला 'पीला पंजा'अभियान के पहले दिन भदभदा इलाके में बुलडोजर एक्शन देखने को मिला। यहां 9 दुकानों पर प्रशासन का बुलडोजर चला। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा, ताकि किसी भी विरोध या अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने विरोध जताया, लेकिन प्रशासन ने साफ कर दिया है कि यह कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है और पीछे नहीं हटेगी। पिछले दो महीने से जिला प्रशासन अतिक्रमण को चिह्निंत कर रहा था। टीटी नगर एसडीएम वृत्त के गौरा गांव, बिसनखेड़ी में सबसे ज्यादा कब्जे सामने आए थे। वहीं, बैरागढ़, बहेटा में भी लोगों ने तालाब की सीमा पर निर्माण कर लिए हैं। एसडीएम अर्चना शर्मा द्वारा नोटिस दिए जाने के बाद कई लोगों ने खुद ही अतिक्रमण हटाना शुरू कर दिया। मौके पर भारी भीड़ जुटी, जिसे देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया था।

प्रशासन की चेतावनी, लोगों ने हटाने का काम किया

भदभदा क्षेत्र में बड़ा तालाब में आ रहे मकान और दुकानों को लेकर एसडीएम अर्चना शर्मा ने नोटिस दिए थे। इसके चलते सोमवार को कई लोगों ने अपने हाथों से अतिक्रमण हटाना शुरू किया। मौके पर काफी भीड़ भी इकट्ठा हो गई। इसके चलते पुलिस बल तैनात किया गया। ताकि, किसी भी प्रकार के हंगामे की स्थिति में कार्रवाई की जा सके। टीटी नगर एसडीएम सर्कल के गौरा गांव और बिसनखेड़ी में सबसे ज्यादा अतिक्रमण सामने आए हैं। इसके अलावा बैरागढ़ और बहेटा क्षेत्र में भी बड़े पैमाने पर निर्माण किए गए हैं। वन विहार नेशनल पार्क क्षेत्र में भी सीमांकन के दौरान करीब 2.5 किमी में 100 से ज्यादा पिलर लगाए जाने की बात सामने आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्माण वेटलैंड नियमों के खिलाफ हो सकता है।

पूर्व मंत्री ने भाजपा युवा मोर्चा उपाध्यक्ष जय सूर्या की नियुक्ति पर उठाए सवाल, कहा

आपराधिक प्रवृत्ति वाले व्यक्ति को पद देना शुभ नहीं

भोपाल । भाजपा के युवा मोर्चा में प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर धार जिले के बदनावर विधानसभा क्षेत्र से जय सूर्या की नियुक्ति को लेकर पार्टी के अंदर सियासी तकरार बढ़ गई है। पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने इस नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए इसे शुभ संकेत नहीं बताया है। पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने बिना नाम लिए जय सूर्या पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस व्यक्ति को युवा मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है, वह निष्क्रिय रहने के साथ-साथ आपराधिक छवि वाला व्यक्ति है। उन्होंने दावा किया कि इस व्यक्ति पर कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं और वह पिछले दो वर्षों से जिले की राजनीति से पूरी तरह गायब रहा है।दत्तीगांव ने कहा कि मैंने पार्टी को लिखित शिकायत दे दी है। इसमें उनके क्रियाकलाप, विधानसभा चुनाव में गैरमौजूदगी और आपराधिक रिकॉर्ड का जिक्र किया गया है। यदि जरूरत पड़ी तो थाने से आरटीआई लगाकर उनके और उनके परिवार पर दर्ज प्रकरण निकलवाए जा सकते हैं।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर भाजपा जैसे स्वच्छ छवि वाली पार्टी दागी और आपराधिक प्रवृत्ति वाले चेहरों को जिम्मेदारी देगी तो लाखों युवाओं का पार्टी से विश्वास उठ सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह मध्य प्रदेश के युवाओं का सवाल है। जय सूर्या पर आरोप है कि वे लंबे समय से निष्क्रिय रहे हैं और उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पार्टी के अंदरूनी हलकों में भी इस नियुक्ति को लेकर असंतोष के स्वर उठ रहे हैं। राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने शुभकामनाएं देते हुए भी कटाक्ष किया कि यह शुभ संदेश नहीं है। उन्होंने भाजपा के सिद्धांतों, दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विचारधारा का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी को स्वच्छ छवि और अनुशासन बनाए रखना चाहिए। अब सवाल यह है कि भाजपा का उच्च नेतृत्व इस विवादित नियुक्ति पर दोबारा विचार करेगा या अंदरूनी विरोध के बावजूद फैसले पर कायम रहेगा। फिलहाल इस मुद्दे पर पार्टी के अंदर बहस तेज हो गई है।

दिन का खर्च 8 लाख, कमाई 15 हजार

घाटे का सौदा बनी भोपाल मेट्रो...तीन महीने में तीसरी बार घटे फेरे

भोपाल। इंदौर के बाद शुरू की गई भोपाल मेट्रो भी अभी तक घाटे का सौदा साबित हुई है। बीते तीन महीनों में भोपाल मेट्रो के हालात ये हो चुके है कि अब रोज का खर्चा भी वसूल नहीं हो रहा। जहां रोजाना इसके संचालन पर करीब 8 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं, वहीं आमदनी महज 13 से 15 हजार रुपये तक सिमट गई है। लगातार घटती यात्रियों की संख्या ने मेट्रो की रफ्तार पर भी ब्रेक लगा दिया है, जिसके चलते इसके फेरे और संचालन समय में तीसरी बार बदलाव करना पड़ा है।

शुरुआत में मेट्रो को लेकर लोगों में उत्साह था और पहले कुछ दिनों में करीब 7 हजार यात्री रोज़ाना सफर कर रहे थे। इससे उम्मीद जगी थी कि आने वाले समय में संख्या और बढ़ेगी, लेकिन इसके उलट यात्रियों की

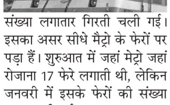

संख्या लगातार गिरती चली गई। इसका असर सीधे मैट्रो के फेरों पर पड़ा हैं। शुरुआत में जहां मेट्रो जहां रोजाना 17 फेरे लगाती थी, लेकिन जनवरी में इसके फेरों की संख्या 13 कर दी गई।

मेट्रो के फेरों में कटौती

अब एक बार फिर से मेट्रो के फेरों में कटौती हुई है, अब इनकी संख्या 9 कर दी गई है। सिर्फ फेरे ही नहीं मेट्रों के संचालन के समय में भी बदलाव हुआ है। अब मेट्रो सेवा सुबह 11-30 बजे से शाम 4-30 बजे तक ही सीमित कर दी गई है, जो दर्शाता है कि मांग के अनुसार सेवा को सीमित किया जा रहा है।

100 से 150 यात्री कर रहे हैं सफर

भोपाल मेट्रो में रोजाना सिर्फ 100 से 150 यात्री ही सफर कर रहे हैं। यात्रियों की इस भारी कमी ने मेट्रो प्रबंधन को अपने ऑपरेशनल फैसलों पर बार-बार पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। खर्च और आय के बीच यह बड़ा अंतर परियोजना की व्यवहारिकता पर सवाल खड़े कर रहा है।

प्रदेश में तीन साल में कारखानों में 104 मजदूरों की मौत

औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा को लेकर उठ रहे सवाल

भोपाल। मध्य प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद डॉ. संदीप कुमार पाठक के सवाल के जवाब में श्रम और रोजगार मंत्रालय ने चौंकाने वाली जानकारी दी है। राज्यसभा में पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक एमपी में बीते तीन सालों (2022-2024) में प्रदेश के कारखानों में कुल 104 मजदूरों की जान गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि जहां 2023 में मौतों का आंकड़ा 33 था, वहीं 2024 में यह बढक़र 35 हो गया। सरकार ने इन हादसों के पीछे आग, विस्फोट और ऊंचाई से गिरने जैसे कारणों को मुख्य माना है। नियमों की अनदेखी करने वाली इकाइयों पर सरकार ने सख्ती दिखाते हुए अकेले वर्ष 2023 में ही 60.45 लाख रुपये का जुर्माना ठोका है। प्रशासन ने सुरक्षा में चूक के लिए तीन सालों में कुल 1 करोड़ 28 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला है।

मध्य प्रदेश में केवल मौतें ही नहीं, बल्कि घायल होने वाले श्रमिकों की संख्या भी डराने वाली है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में कुल 698 श्रमिक गैर-घातक चोटों (नॉन फैटल इंज्युरीस) का शिकार हुए। साल 2022 में 269 श्रमिक घायल हुए, जबकि 2023 में 205 और 2024 में 224 श्रमिक हादसों की चपेट में आए। अन्य राज्यों से तुलना करें तो गुजरात (1,724 घायल) और महाराष्ट्र (2,518 घायल) के मुकाबले एमपी की स्थिति बेहतर दिखती है।

कागजों पर सख्ती, जमीन पर सुस्ती

प्रदेश में सुरक्षा मानकों को जांचने के लिए निरीक्षणों का सिलसिला तो चला, लेकिन हादसों पर लगाम नहीं लग सकी। साल 2022 में 1,437 निरीक्षण हुए जो 2023 में घटकर 1,038 रह गए, हालांकि 2024 में फिर सक्रियता बढ़ी और 1,282 फैक्ट्रियों की जांच की गई। जुर्माने की बात करें तो मध्य प्रदेश प्रशासन ने 2022 में 30.69 लाख, 2023 में रिकॉर्ड 60.45 लाख और 2024 में 37.74 लाख रुपए का जुर्माना वसूला है। तुलनात्मक रूप से देखें तो तमिलनाडु ने 2023 में 3.59 करोड़ रुपए का भारी-भरकम जुर्माना लगाया था।

2,420 मामले अब भी लंबित

एमपी में सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर कानूनी कार्यवाही की रफ्तार धीमी है। साल 2024 की रिपोर्ट बताती है कि प्रदेश में पिछले वर्षों के 2,420 मामले अदालतों में लंबित पड़े हैं । साल 2024 के दौरान 145 नए अभियोग लॉन्च किए गए। दिलचस्प बात यह है कि जहां कर्नाटक जैसे राज्यों में 2023 में 5 लोगों को कारावास की सजा हुई, वहीं मध्य प्रदेश में कारावास के कॉलम में शून्य दर्ज है, जो लचर पैरवी की ओर इशारा करता है।

आज होगा मुम्बई और राजस्थान का मुकाबला

गुवाहाटी । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। इस मैच में जहां रॉयल्स जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी। वहीं मुम्बई का लक्ष्य पिछले मैच में मिली हार से उबरकर जीत की राह पर वापसी करना रहेगा। आंकड़ों पर नजर डालें ता अब तक दोनो के बीच 31 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 16 मुम्बई ने जबकि 14 रॉयल्स ने जीते हैं। कप्तान रियान पराग की राजस्थान टीम ने अब तक काफी अच्छा खेला है। टीम के हर खिलाड़ी ने अपनी ओर से योगदान दिया है। यशस्वी जायसवाल ने टीम को अच्छी शुरुआत दी है, वहीं वैभव सूर्यवंशी ने इसे तेजी रही है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने पावरप्ले के दौरान टीम को काफी गति प्रदान की है। मध्यक्रम में ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला है, जबकि शिमरोन हेटमायर ने दबाव भरे पलों में भी बड़े-बड़े छक्के लगाकर टीम लक्ष्य तक पहुंचाया है। पराग ने स्वयं भी अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों से टीम में अहम योगदान दिया है, जिससे टीम की मुख्य बल्लेबाजी संरचना में स्थिरता बनी रही है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के आने से टीम का संतुलन बेहतर हुआ है।

गेंदबाजी में टीम के पास जोफ्रा आर्चर जैसा तेज गेंदबाज है। वहीं नांद्रे बर्गर ने ने उनका अच्छा साथ दिया है। बीच के ओवरों में रवि बिश्नोई ने अपनी स्पिन से विरोधियों पर अंकुश लगाया है। वहीं संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे ने भी अच्छी गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर दूसरी ओर मुंबई इंडियंस की टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या की इस मैच से वापसी अभी तय नहीं है। ऐसे में कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास ही रहने की संभावना है। मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा , सूर्यकुमार यादव के साथ ही तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी।

इसके अलावा रयान रिकेल्टन शेरफेन रदरफोड 'और मिशेल सैंटनर के अलावा टीम के पास । शार्दुल ठाकुर जैसे ऑलराउंडर हैं। मुंबई की गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट पर आधारित है। वहीं बीच के ओवरों में स्पिनर मिशेल सैंटनर विरोधी टीम पर अंकुश लगायेंगे। कुल मिलाकर देखा जाये तो मुकाबला रोमांचक होगा।

राजस्थान रॉयल्स -

रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, तुमार देशपांडे, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई। इम्पैक्ट प्लेयर- डोनोवन फरेरा।

मुम्बई इंडियंस -

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, मिचेल सेंटनर, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह। इम्पैक्ट प्लेयर- शार्दुल ठाकुर।

बांग्लादेश बोर्ड में थम नहीं रहा विवाद, एक ही दिन में चार इस्तीफे

अब तक कुल सात निदेशकों ने पद छोड़ा

ढ़ाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि बैठक के बाद चार सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। एक ही दिन में चार इस्तीफे से सभी हैरान हैं। इस्तीफा देने वाले अधिकतर सदस्य केवल 6 महीने ही बोर्ड के साथ रहे हैं। वहीं कुल मिलाकर देखा जाये तो अब तक 25 में से 7 बोर्ड निदेशकों ने इस्तीफा दे दिया है। इससे बीसीबी प्रशासन के कामकाज को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं।

माना जा रहा है कि इस्तीफ बीसीबी प्रमुख अमीनुल इस्लाम के विरोध में हुए हैं। इसके बाद भी अमीनुल इस्तीफा नहीं देना चाहते हैं। पिछले साल के चुनाव में कथित गड़बड़ी और सत्ता के गलत इस्तेमाल की जांच में भी वह दोषी नहीं पाये गये हैं जिससे उनका मनोबल बढ़ गय है। बांग्लादेश सरकार को भी रिपोर्ट दे दी गयी है। इसमें चुनावों को सही

पाया गया है हालांकि कुछ सवाल बने हुए हैं। बोर्ड पर खेल मंत्रालय का दबाव बना हुआ है। अब तक इस्तीफा देने वाले चार निदेशकों में सनियान तनीम, मेहराब आलम, फैयाजुर रहमान और मंजुरुल आलम शामिल हैं। अमीनुल ने कहा, मैं अपनी कुर्सी पर बैठा रहूंगा, मैं और क्या कर सकता हूं? मैं जाने वाला आखिरी इंसान होऊंगा। मेरे पास बोर्ड एक बहुत अच्छी, समर्पित और ईमानदार टीम है। मैं इस टीम के साथ बांग्लादेश क्रिकेट की सेवा करना चाहता हूँ। उन्होंने साथ ही कहा, मैं आईसीसी में काम करने वाला अकेला बांग्लादेशी था। मैं यह नहीं कह रहा कि मैं कुछ बड़ा हूं पर मैं अपने अनुभव की वजह से यहां बैठा हूं। मैंने अपने देश के समर्थन के लिए और सब कुछ छोड़ दिया। अगर यह अब मेरा नहीं रहा, तो मैं दूसरा रास्ता देखूंगा, लेकिन मैं अपने देश को समर्थन देना जारी रखूंगा। हूँ। हमारी टीम अच्छी है और वेमैं इस टीम के साथ काम करना चाहता हूं और बांग्लादेश क्रिकेट की सेवा करना चाहता हूं। अमीनुल ने ये भी कहा, हम एक दिन भी आजादी से काम नहीं कर सके, क्योंकि एक बाहरी ताकत हमेशा हमें परेशान कर रही थी और अब भी कर रही है। हमारा क्रिकेट रुका हुआ है और मैंने कई बार कहा है कि एक बाहरी ताकत हमें परेशान कर रही है और इस वजह से हमारे क्रिकेट की रफ़्तार धीमी हो गई है। कार्यक्रम में टकराव के कारण अमीनुल जांच कमेटी के सामने पेश नहीं हुए, लेकिन उन्होंने एक लिखित जवाब सौंप दिया है।

धोनी फिटनेस टेस्ट में पास हुए तो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उतरेंगे

मुम्बई । आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने शुरुआती तीनो ही मैचों में हार के कारण मुश्किलों में फंसी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए राहत की खबर है। टीम को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी की अगले मैच में वापसी हो सकती है बशर्ते वह फिटनेस टेस्ट में पास हो जाएं। धोनी काफ इंजरी (पिंडली की चोट) के कारण अब तक इस लीग में नहीं खेल पाये हैं हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है पर उन्हें खेलने की अनुमति फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही मिलेगी। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो वह 11 अप्रैल को चेन्नई में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच से वापसी करेंगे। अगर ऐसा होता है तो सीएसके का मनोबला बढ़ जाएगा। धोनी के नहीं होने पर सीएसके को काफी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। उनके रहने से टीम को मार्गदर्शन मिलता रहता है। इस बार आईपीएल 2026 अंकतालिक में टीम का खाता भी नहीं खुला है और वह सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। सीएसके के लिए इस मैच से युवा डेवाल्ड ब्रेविस भी वापसी कर सकते हैं क्योंकि अब वह भी अपनी चोट से उबर गये हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में अगर धोनी और ब्रेविस खेलते हैं तो इससे सीएसके को काफी लाभ होगा। अगले कुछ दिनों में धोनी का फिटनेस टेस्ट होने की संभावना है और अगर वह इसमें पास हो गए तो चेपॉक में दिल्ली के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। आईपीएल में सीएसके धोनी पर कितना निर्भर है इसका अंदाजा आंकड़ों से होता है। अब तक धोनी ने केवल 8 मुकाबले नहीं खेल हैं। 3 मुकाबले 2010 में, 2 मुकाबले 2019 में और 3 मुकाबले अब तक 2026 में उन्होंने नहीं खेले हैं। हैरानी की बात ये है कि जिन 8 मैचों में एमएस धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे हैं, उनमें से केवल एक ही मैच में सीएसके जीती है। वहीं बचे हुए 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है।

युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं।युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

सीएसके के लिए प्लेऑफ की राह अभी खुली हुई

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में लगातार तीसरी हार मिली है। यह इस टूर्नामेंट में दूसरा अवसर है, जब सीएसके ने शुरुआत के तीन मैच हारी है। इससे पहले साल 2022 में सीएसके ने शुरुआती चार मुकाबले खो दिए थे जिससे अब ये सवाल उठने लगे हैं कि क्या टीम अब भी प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर सकती है ? तो इसका जवाब है हां। लगातार तीन हार से सीएसके अंकतालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गयी है पर इसके बाद भी उसके प्लेऑफ में पहुंचने के रास्ते खुल हुए हैं।

प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अभी सीएसके के सामने कोई बाधा नहीं है। न ही ऐसा है कि उसे दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़े। उस इसके लिए केवल आगे के बचे हुए 11 में से 8 मैच जीतने होंगे क्योंकि

शीर्ष-4 में सीधे जगह बनाने के लिए किसी भी टीम को कम से कम 16

अंकों की जरूरत होती है और इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए सीएसके को बचे हुए 11 मैचों में से 8 मैच हर हाल में जीतने होंगे। लगातार तीन हार से चेन्नई का नेट रन रेट -2.517 भी सबसे खराब हो गया है। ऐसे में अगर टूर्नामेंट के अंत में शीर्ष-4 की एसी स्थिति बनती है कि सीएसके के अंक किसी दूसरी टीम के बराबर होते हैं, तो कम रन रेट के कारण सीएसके को बाहर होना पड़ेगा। ऐसे में सीएसके को बड़े अंतर से जीत हासिल कर रन रेट भी बेहतर करना होगा। सीएसके का अगला मुकाबला 11 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स से होगा और इस मैच से जीतकर वह वापसी करना चाहेगी।

तुषार आने वाले समय में भारतीय टीम में नजर आयेगा - स्टेन

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेल स्टेन ने राजस्थान रॉयल्स के युवा तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे की जमकर प्रशंसा की है। अपने जमाने के दिग्गज तेज गेंदबाज रहे स्टेन ने कहा है कि जिस धैर्य से तुषार ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अंतिम ओवरा किया उससे पता चलता है कि वह शीर्ष स्तर का गेंदबाज है। वह इसी प्रकार गेंदबाजी करता रहा तो भविष्य में भारतीय टीम में जगह बना सकता है। जिस प्रकार से उसने अंतिम ओवर में केवल 4 रन दिये उससे चयनकर्ता भी प्रभावित हुए बिना नहीं रहेंगे। तुषार ने अंतिम ओवर में जीत के लिए जरुरी रन गुजरात को नहीं बनाने दिये। उसने में राशिद खान और कसिगो रबाडो को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। स्टेन ने कहा कि

कहा, तुषार का अंतिम ओवर बहुत अच्छा था। उन्होंने दबाव में एकदम सही गेंदबाजी की, राशिद खान जैसे खिलाड़ी को भी शॉट खेलने से रोक दिया। किसी भी गेंदबाज के लिए इतने अधिक दबाव वाली हालत में शांत रहना बहुत कठिन होता है क्योंकि आपके दिमाग में बहुत सी बातें चलती रहती हैं पर ऐसे में भी तुषार ने गेंदबाजी पर पूरा नियंत्रण बनाये रखा। स्टेन ने कहा, तुषार ने चार जबरदस्त यॉर्कर डालीं। फिर उन्होंने अपनी लाइन बदली और लेंथ गेंद डाली और ऐसा करके उन्होंने राशिद पर अंकुख लगाया और बड़ा शॉट मारने के लिए मजबूर कर दिया।

पिछले सत्र की कमजोरियों को दूर करने से लाभ मिला- बिश्नोई

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर रवि बिश्नोई ने कहा है कि पिछले सत्र की कमजोरियों को दूर करने का लाभ उसे इस सत्र में मिला है। इसी कारण वह इस सत्र में अब तक अच्छी गेंदबाजी करने में सफल हुए हैं। बिश्नोई के अनुसार उन्होंने अपनी गलतियों पर घरेलू क्रिकेट में काम किया है। बिश्नोई ने मैच के बाद कहा पिछला सत्र मेरे लिए काफी कठिन रहा था, पर मैंने अपने तरीके से काम किया। अगर उनकी लेंथ सही नहीं होती तो बल्लेबाज उन्हें आसानी से चौके-छक्के मार देते थे। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी थी, जिस पर उन्होंने पूरे घरेलू सत्र में काम किया।बिश्नोई ने बताया कि जब उनकी लेंथ सही जगह पर पड़ती है तो बल्लेबाजों के लिए रन बनाना कठिन हो जाता है।

बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने घरेलू क्रिकेट के दौरान मानसिक, तकनीकी और शारीरिक तीनों पहलुओं पर काम किया, जिसका परिणाम अब दिख रहा है। आईपीएल में इस गेंदबाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में चार विकेट लिए और वह प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। बिश्नोई सबसे पहले साल 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े थे। पहले दो सत्र में उन्होंने 13 और 16 विकेट लिए, लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन नीचे आया। आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैच में 10 विकेट लिए, जबकि पिछले सीजन में 11 मैच में सिर्फ 9 विकेट ही ले सके और उनका इकॉनमी रेट भी काफी ज्यादा रहा।

सीएसके की तीसरी हार से निराश ऋतुराज बोले, मुझे बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिये थी

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल के 19 सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और उसे लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके को अपने तीसरे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में हार मिली है। इससे टीम के युवा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ निराश हैं। ऋतुराज ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि मुझे अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। साथ ही कहा कि अगर मैंने रन बना दिए होते तो मैच का परिणाम कुछ और होता पर ऐसा हुआ नहीं। इस मैच में आरसीबी से मिले 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम 207 रन ही बना पायी।

हार के बाद उन्होंने कहा, 'मैं भी टीम केप्रदर्शन से थोड़ा हैरान था। सरफराज खान, प्रशांत वीर और जेमी ओवरटन ने अच्छा खेल दिखाया। वहीं अगर मैंने शीर्ष क्रम में रन बनाये होते तो हम लक्ष्य हासिल कर सकते थे। इसलिए आरसीबी के खिलाफ मिली हार की जिम्मेदारी मैं अपने ऊपर लेता हूं। इस मैच में हमारी टीम ने जिस प्रकार विराट कोहली का कैच छोड़ा उससे भी हमें नुकसान हुआ। इसके अलावा आरसीबी के टिम डेविड की पारी से भी मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि हमारी कुछ गलतियों से मैच हमारे हाथ ने फिसल गया।' इस मैच में सीएसके ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया था। आरसीबी ने टिम और पडीक्कल के अलावा कप्तान रजत पाटीदार की नाबाद 48 रन और फिल सॉल्ट की 46 रन की पारी से तीन विकेट पर 250 रन बनाये जिसका पीछा करते हुए सीएसके 207 रन ही बना पायी।

संग्राम सिंह अर्जेंटीना में एमएमए खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

ब्यूनस आयर्स । भारत के संग्राम सिंह ने अर्जेंटीना में मिक्स्ड मार्शल आर्ट् (एमएमए) खिताब जीत लिया है। संग्राम ये एक अहम उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। संग्राम ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन को दो मिनट में ही हरा दिया। इस जीत के साथ ही संग्राम ने एक बार फिर अपने को साबित किया है। संग्राम की एमएमए में यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी और नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में भी मुकाबले जीते थे। वह कॉमनवेल्थ हेवीवेट चैंपियन भी रहे हैं। वहीं जीत के बाद संग्राम ने कहा, मेरे लिए जीत या हार अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। मैं या तो जीतता हूं या सीखता हूं। मैं हमेशा कहता हूं कि जुनून की कोई उम्र नहीं होती। मेरा सपना था कि मैं

अर्जेंटीना में जीतने वाला पहला भारतीय बनूं और आज मेरा सपना पूरा हो गया है। संग्राम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच को दिया है। उन्होंने कहा, मैं अपने कोच का आभार व्यक्त करता हूं, जो पिछले 25 साल से मेरे साथ हैं। उन्होंने मेरी सफलता के लिए दिन-रात मेहनत की। संग्राम के सामने फ्लोरियन काफी कमजोर नजर आये भारतीय रेसलर ने उन्हें पहले किक पकड़कर गिराया और फिर अपने दांव आजमाकर मैच अपने नाम कर लिया। संग्राम ने इससे पहले भी कई देशों में हुए खिताबी मुकाबले जीते हैं और वह इस क्षेत्र में देश का नाम रौशन करते आये हैं।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। ।

युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं।युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

शुरुआती बल्लेबाजों के विफल होने से हारे - ईशान किशन

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के कार्यकारी कप्तान ईशान किशन ने आईपीएल में यहां अपने घरेलू मैदान में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। इस मैच में सनराइजर्स को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ईशान ने कहा है कि शुरुआती बल्लेबाजों के असफल होने से टीम हारी है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने चार विकेट खो दिये थे। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी 56 रन और हेनरिक क्लासेन के 62 रनों की सहायता से सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में केवल 156 रन तक पहुंची थी। ईशान ने कहा कि जो स्कोर उनकी टीम ने बनाया था वह बचाव के लिए पर्याप्त नहीं था। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी हर्ष दुबे ने 18 रन देकर दो विकेट लेकर अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। इससे टीम ने अंतिम ओवर तक जीत हासिल करने का प्रयास किया। ईशान ने कहा कि यह एक अच्छा मैच था पर बचाव के लिए उनके रन कम पड़ गये। गेंदबाजों ने योजना के अनुसार अच्छी गेंदबाजी की और क्षेत्ररक्षकों ने भी अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। साथ ही कहा शुरुआत में 4 विकेट गिरने से दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव आ गया पर क्लासेन और नीतीश ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 150 से ऊपर पहुंचाया। वहीं सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ ने अच्छी बल्लेबाजी कर मैच हमारे हाथ से छीन लिया।

सरफराज ने पॉवरप्ले में अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज सरफराज खान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में नंबर चार पर खेलते हुए पावरप्ले में अर्धशतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इस मैच में हालांकि वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। आरसीबी की टीम के 250 रनों के जवाब में सीएसके टीम 19.4 ओवर में 207 रन ही बना पायी।

सरफराज के लिए आमतौर पर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच अच्छी रही। इससे पहले साल 2015 में उन्होंने यहां आरसीबी की ओर से खेलते हुए 45 रन बनाये थे। अब एक दशक बाद इसी मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेली है। इस मैच में सीएसके के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए

विफल रहे। शीर्ष तीन बल्लेबाज संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे केवल 17 रन ही बना पाये। सरफराज ने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाया।

सरफराज अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही आईपीएल में आईपीएल में नंबर 4 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए पहले छह ओवरों के अंदर अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। वहीं आरसीबी के खिलाफ सरफराज का यह दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले उन्होंने साल 2019 में पंजाब किंग्स की ओर से एक अर्धशतक लगाया था. वहीं अब छह साल बाद अपना दूसरा अर्धशतक लगाया है।

पीएम मोदी ने कहा, असम में कांग्रेस को हराकर बीजेपी-एनडीए जीत की हैट्रिक लगाएंगे

दिल्ली में बैठे शाही परिवार के घोषित युवराज हार की सेंचुरी बनाएंगें

बरपेटा। बीजेपी के स्टार प्रचारक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के बरपेटा में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने अमस की जनता को विश्वास दिलाया है कि इस बार असम में भाजपा-एनडीए की हैट्रिक लगेगी और दूसरा काम, कांग्रेस के शाही परिवार के नामदार जो दिल्ली में बैठे हैं, उनकी हार की सेंचुरी का रिकॉर्ड भी असम के लोग ही बनवाएंगे।

पीएम मोदी ने असम के सुनहरे भविष्य को लेकर अपना विजन पेश कर कहा कि पिछला दशक राज्य को डर, अस्थिरता और भ्रष्टाचार से बाहर निकालने के लिए समर्पित था। लेकिन हमारा लक्ष्य असम में राज्य के संसाधनों का सही उपयोग कर विकास की गति तेज करना और वहां की सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान को विश्व पटल पर ले जाना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस का विजन हमेशा छोटा रहा है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी का पूरा ध्यान शॉर्ट-टर्म फायदे और करप्शन पर केंद्रित था। उन्होंने कहा कि इस बार का हर वोट विकसित असम और विकसित भारत की नींव को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। पीएम मोदी ने कहा कि वर्ष 2029 के आम चुनाव में संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण होगा, असम की महिलाओं को सभी दलों से आग्रह करना चाहिए ताकि विधेयक का पारित किया जाना सुनिश्चित हो सके। पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी के लोग नेशन फर्स्ट के मंत्र के साथ मां भारती की सेवा में पूरी तहर से समर्पित हैं। उनका संकल्प आत्मनिर्भर भारत बनाने का है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी जनता के बीच अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर नहीं जाती। जबकि बीजेपी सरकार, साफ नीयत से जनता को बताती है कि हमारी सरकार ने जनता की सेवा के लिए क्या किया। पीएम मोदी ने कहा, 2014 के पहले के 10 वर्षों में जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब देश के धान किसानों को एमएसपी के सिर्फ 4 लाख करोड़ रुपए मिले थे। लेकिन 2014 के बाद के 10 वर्षों में धान किसानों को हमारी सरकार ने 16 लाख करोड़ रुपये दिए हैं। इस बात से साफ है कांग्रेस कभी धान किसानों का भला नहीं कर सकती। 2013 में जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब धान का एमएसपी मात्र 1,300 रुपए/ क्विंटल था। आज धान का एमएसपी करीब 2,370 रुपए/ क्विंटल है और असम की भाजपा सरकार अपनी तरफ से भी इसमें वृद्धि करती है। महिला आरक्षण को लेकर पीएम मोदी ने कहा, विकसित भारत बनाने के लिए विधानसभा में और संसद में महिलाओं की भूमिका हो, ये बहुत जरूरी है, इसलिए हमारी सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। इसमें महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण तय हुआ है। देश की बहन बेटियों ने 40 साल तक इसका इंतजार किया है।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर पाकिस्तान के विचारों से संबंध रखने का आरोप लगाकर कहा कि विपक्षी दल के राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी रवैये की वजह से पाकिस्तान को बार-बार इसकी कीमत चुकानी पड़ी है। पीएम मोदी ने दावा किया कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कांग्रेस नेताओं ने पाकिस्तान के पक्ष में रुख अपनाया था। उन्होंने रक्षा और शासन व्यवस्था के क्षेत्र में पार्टी के व्यापक रिकॉर्ड की आलोचना को दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाकर कहा कि इस तरह के रुख ने ऐतिहासिक रूप से राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पाकिस्तान को प्रोत्साहन दिया है।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने अपने 60—65 साल के राज में हमारे आदिवासियों के साथ सबसे बड़ा अन्याय किया है। सबसे ज्यादा गरीबी आदिवासी क्षेत्रों में रही, हिंसा की बम बंदूक की सबसे बड़ी समस्या आदिवासी क्षेत्रों में रही। देश के आदिवासी समाज को कांग्रेस ने यही सब दिया। जबकि अब कांग्रेस खुलकर घुसपैठियों का साथ दे रही है। कांग्रेस, ने अमस में अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई का विरोध कर रही है। कांग्रेस असम में ऐसा कानून बनाने की बात भी कर रही है, इसके बाद घुसपैठिया शब्द कहने पर जेल होगी। कांग्रेस, कानून में ही घुसपैठियों को पीड़ित घोषित कर देगी। यहां की जो मूल संतानें हैं, जो जनजातियां हैं उन पर जेल का खतरा मंडरा रहा होगा। हर इंटरव्यू में, अपने भाषण में कांग्रेस के बड़े बड़े नेता इसतरह असम विरोधी कानून की चर्चा कर रहे हैं। इसलिए भाजपा को दिया गया आपका वोट असम को सुरक्षा देगा, असम की पहचान बचाएगा।

पत्नी पर लगाए कांग्रेस नेताओं के आरोपों का है पाकिस्तानी कनेक्शन

असम सीएम सरमा ने कहा- यह चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव के पहले राज्य की राजनीति में उबाल आ गया। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर कांग्रेस द्वारा लगाए गए वित्तीय आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इसमें विदेशी साजिश और पाकिस्तानी कनेक्शन होने का दावा किया है। इस मामले में अब कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है और एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है।

यह आरोप उन्होंने तब लगाया जब कांग्रेस नेताओं ने मौजूदा चुनावी माहौल में उनकी पत्नी के वित्तीय और निजी रिकॉर्ड पर सवाल उठाए। यह विवाद तब शुरू हुआ जब गौरव गोगोई समेत कांग्रेस नेताओं ने नई दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दावा किया कि सीएम सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन पासपोर्ट हैं और वह व्योमिंग स्थित एक कंपनी के ज़रिए 52,000 करोड़ रुपए की संपत्ति को नियंत्रित करती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरमा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस्तेमाल की गई सामग्री एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया नेटवर्क से ली गई थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी मीडिया चैनलों ने हाल के दिनों में असम चुनावों पर असामान्य रूप से कई चर्चाएं प्रसारित की हैं, जो सभी कांग्रेस के पक्ष में थीं। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 दिनों में पाकिस्तान में कम से कम 11 टॉक शो असम चुनावों पर केंद्रित थे। उन्होंने इसे अभूतपूर्व बताया और सुझाव दिया कि यह चुनावी माहौल को प्रभावित करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

सरमा ने पुष्टि की कि उनकी पत्नी, रिंकी भुइयां ने एफआईआर दर्ज कराई है जिसमें उन्होंने आरोपों को मनगढ़ंत और मानहानिकारक करार दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों को प्रभावित करने के लिए कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने पर गंभीर कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सीएम सरमा ने तर्क दिया कि विदेशों में शेल कंपनियां बनाना अपेक्षाकृत आसान है और उन्होंने अपने विरोधियों पर सबूत गढ़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति 199 यूएसडी का भुगतान करके कंपनी रजिस्टर करवा सकता है। कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद उन्होंने तो रिंकी के नाम पर एक और कंपनी भी बना ली। उन्होंने फिर दोहराया कि कांग्रेस नेताओं द्वारा पेश किए गए दस्तावेज़, जिनमें पासपोर्ट की तस्वीरें भी शामिल थीं, मनगढ़ंत थे और उन्हें संदिग्ध विदेशी संस्थाओं से हासिल किया गया था। बता दें असम में मतदान 9 अप्रैल को होना है और परिणाम 4 मई को आएगा।

पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर पीएम मोदी ने बताए अपने दो बचे टारगेट

नई दिल्ली,। बीजेपी के स्टार प्रचारक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी के कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित किया है। कार्यकर्ताओं को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा ने अपने कई मुद्दों पर काम पूरा किया है और अब भी बचे हुए मसलों पर हमारा सकारात्मक प्रयास जारी हैं। उन्होंने खासतौर पर दो मुद्दों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र एक चुनाव पर काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाकर कहा कि भाजपा ने जिन मुद्दों को उठाया था, उसमें से कई पूरे हो गए हैं। पीएम मोदी ने कहा, अंग्रेजों के दौर के सैकड़ों कानूनों का अंत, आर्टिकल 370 और 35ए का हटना, लोकतंत्र के लिए नए संसद भवन का निर्माण, सामान्य समाज के गरीबों के लिए 10 फीसदी आरक्षण, राम मंदिर का निर्माण और तीन तलाक पर रोक जैसे कितने ही काम हमारी सरकार ने बीते सालों में किए हैं।

इतना ही नहीं पीएम मोदी ने बता दिया कि समान नागरिक संहिता और एक राष्ट्र एक चुनाव हमारे दो प्रमुख मुददे हैं जिस पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा एकमात्र राजनीतिक दल है जहां हम दल को अपनी मां मानते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारा मिशन अभी भी जारी है और हमारा लक्ष्य विकसित भारत का निर्माण करना है। इसकी प्राप्ति के लिए हम निस्वार्थ भाव से लगे रहने वाले है। भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यकर्ताओं को बधाई देकर पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नेशन फर्स्ट (राष्ट्र प्रथम) के मंत्र के साथ काम करती है। उन्होंने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर निशाना साधकर कहा कि दिल्ली में बैठे शाही परिवार के नामदारों की हार की सेंचूरी का रिकॉर्ड इस बार असम के लोग ही बनवाएंगे। कांग्रेस कभी अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर जनता के बीच नहीं जाती, जबकि हम साफ नीयत के साथ पाई-पाई का हिसाब देते हैं।

हाईकोर्ट ने दे दी शादीशुदा युवती को पार्टनर के साथ रहने की इजाजत

युवती ने कोर्ट को बताया था उसके पति और उसकी उम्र में है 21 साल का अंतर

नई दिल्ली,। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच ने 19 साल की युवती को उसके 40 वर्षीय पति के बजाय उसके पार्टनर के साथ रहने का अधिकार दे दिया। इस कानूनी लड़ाई की शुरुआत युवती के पति द्वारा दायर एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका से हुई थी। पति का आरोप था कि उसकी पत्नी को अनुज कुमार नामक व्यक्ति ने अवैध रूप से बंधक बना रखा है। पुलिस ने महिला का पता लगाया और उसे वन-स्टॉप सेंटर में रखने के बाद कोर्ट में पेश किया।

यह मामला पति द्वारा दायर एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका से शुरू हुआ था, जिसमें उसने आरोप लगाया था कि उसकी पत्नी को अनुज कुमार ग़ैर-क़ानूनी तरीक़े से अपने साथ रखे हुए है। पुलिस ने युवती का पता लगाया और उसे कोर्ट में पेश करने से पहले एक वन-स्टॉप सेंटर में रखा, लेकिन जब जजों ने उससे पूछा कि वह क्या चाहती है, तो उसके जवाब में युवती ने अपनी शादी के बारे में बात की, उम्र में 21 साल का फ़र्क के बारे में बताया युवती ने कहा कि वह 19 साल की थी, उसका पति 40 साल का और एक ऐसे रिश्ते के बारे में बताया जिसमें कभी तालमेल नहीं बन पाया। उसने कहा कि शादी ठीक से नहीं चल रही थी और उसने अपने साथ दुर्व्यवहार होने का आरोप भी लगाया।

युवती अपने पार्टनर अनुज के साथ रहना चाहती थी। कोर्ट ने काउंसलिंग का आदेश दिया, ताकि उसे अपने फैसले पर दोबारा सोचने का एक मौका मिल सके, लेकिन इससे कुछ भी नहीं बदला।

काउंसलिंग सेशन के बाद भी, युवती अपने फैसले पर अड़ी रही। उसके बगल में खड़ा उसका पार्टनर अनुज कुमार ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि वह युवती का पूरा ख़्याल रखेगा और उसकी सुरक्षा करेगा। जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस पुष्पेंद्र यादव की डिवीजन बेंच ने फैसला सुनाया कि सबसे ज़्यादा अहमियत युवती की अपनी आवाज की ही है। एक बार जब यह साफ हो गया कि युवती पर किसी भी तरह का कोई गैर-कानूनी दबाव या रोक-टोक नहीं है, तो पति की याचिका का कोई आधार ही नहीं बचा। कोर्ट ने महिला को उसके पार्टनर अनुज के साथ जाने की इजाज़त दे दी और इस बात को फिर से दोहराया कि एक बालिग व्यक्ति को यह फैसला करने का पूरा अधिकार है कि वह कहां और किसके साथ रहना चाहता है। मामले को बंद करने से पहले, कोर्ट ने महिला की सुरक्षा के लिए एक और कदम उठाया। अगले छह महीनों तक, कुछ तय अधिकारी जिन्हें शौर्य दीदी कहा जाएगा महिला के संपर्क में रहेंगे, और उसकी सुरक्षा और भलाई का पूरा ध्यान रखेंगे। जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद युवती को वन-स्टॉप सेंटर से रिहा कर दिया जाएगा। यह मामला भले ही एक कानूनी विवाद के तौर पर शुरू हुआ हो, लेकिन इसका अंत व्यक्तिगत आजादी पर एक मज़बूत संदेश के रूप में हुआ। युवती की बात को सही ठहराते हुए, कोर्ट ने लकीर खींच दी है। जब किसी वयस्क के जीवन की बात आती है, तो अंतिम फैसला उसी व्यक्ति का होता है।

राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू के दो कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू (दिल्ली यूनिवर्सिटी) के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कॉलेजों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के रामजस कॉलेज और मिरांडा कॉलेज में बम की धमकी के बाद सोमवार को कॉलेज परिसर को खाली करा लिया गया। पुलिस के मुताबिक, कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन को ई-मेल मिला, जिसमें उन्हें कैंपस में एक संभावित एक्सप्लोसिव डिवाइस के बारे में अलर्ट किया था। पूरी तरह से तलाशी लेने के लिए बम डिस्पोजल और स्निफर डॉग स्क्वॉड को तैनात किया गया है।

एटीएस और स्पेशल सेल की बड़ी कार्रवाई, मुंबई-दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की साजिश नाकाम

मुंबई,। मुंबई और दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की तैयारी कर रहे दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार कर एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया गया है। खबर है कि महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। एक आरोपी को मुंबई के कुर्ला इलाके से, जबकि दूसरे को कल्याण-कसारा मार्ग पर खडवली से पकड़ा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस को आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ी कुछ संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद यह जानकारी महाराष्ट्र एटीएस के साथ साझा की गई। दोनों एजेंसियों ने मिलकर ऑपरेशन चलाया और समय रहते बड़ी साजिश को विफल कर दिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और कई अहम दस्तावेज बरामद किए गए हैं। शुरुआती जांच में उनके कुछ आतंकवादी संपर्क होने की आशंका जताई जा रही है। गिरफ्तारी के बाद आगे की पूछताछ के लिए दोनों को दिल्ली ले जाया गया है। जांच एजेंसियां अब इन आरोपियों के नेटवर्क को खंगाल रही हैं और उनके संपर्क में रहने वाले अन्य युवकों पर भी नजर रखी जा रही है। जरूरत पड़ने पर आगे और कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल इस मामले में जांच जारी है और एटीएस की ओर से आधिकारिक बयान अभी सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से मुंबई और आसपास के इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। पिछले महीने भी पाकिस्तान से जुड़े एक संदिग्ध के मामले में महाराष्ट्र एटीएस ने मुंबई के गोवंडी और कुर्ला इलाकों में छापेमारी की थी। उस दौरान चार लोगों को हिरासत में लिया गया था। जांच एजेंसियों को शक है कि ये लोग प्रतिबंधित आतंकी संगठनों और पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स के संपर्क में थे और किसी बड़े हमले की योजना बना रहे थे।

कांग्रेस उम्मीदवार से बदसलूकी पर सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज

एझुकोन। चुनावी माहौल के बीच केरल के एझुकोन क्षेत्र में एक विवाद सामने आया है, जहां कांग्रेस उम्मीदवार आयशा पॉटी के साथ कथित बदसलूकी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने इस मामले में सीपीआई-एम के दो संदिग्ध कार्यकर्ताओं के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान कुझिमथिक्काडु निवासी प्रसाद और चूरापोयिका निवासी सथीश के रूप में हुई है। इन पर आरोप है कि इन्होंने रविवार दोपहर चूरापोयिका जंक्शन पर चुनाव प्रचार के दौरान आयशा पॉटी की गाड़ी को रोक लिया और उनके साथ गाली-गलौज की।

एफआईआर के मुताबिक, घटना के समय प्रसाद के हाथ में सीपीआई-एम का झंडा था और उसने कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। यह घटना उस समय हुई जब आयशा पॉटी अपने समर्थकों के साथ चुनाव प्रचार में व्यस्त थीं।

सैकड़ों महिलाओं के साथ अश्लील हरकत करने वाले बाबा अशोक खरात की संपत्ति की होगी जांच

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में खुद को आध्यात्मिक गुरु बताने वाले अशोक खरात का मामला अब एक बड़े राष्ट्रीय स्कैंडल में तब्दील होता जा रहा है। रेप, धोखाधड़ी और अवैध रूप से करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोपों में घिरे इस फर्जी बाबा के खिलाफ सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि अशोक खरात की बेहिसाब संपत्ति और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद यह साफ हो गया है कि प्रशासन अब केवल आपराधिक मामलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इस पूरे साम्राज्य की आर्थिक जड़ों को भी खोदेगा। अशोक खरात पर आरोप है कि उसने आस्था की आड़ में न केवल महिलाओं का यौन शोषण और दुष्कर्म किया, बल्कि डरा-धमका कर और धोखाधड़ी के जरिए भारी मात्रा में चल-अचल संपत्ति भी खड़ी की है। ईडी की एंट्री का मतलब है कि अब उसके बैंक खातों, विदेशी लेनदेन और बेनामी संपत्तियों के स्रोतों की गहराई से पड़ताल होगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सदन और सार्वजनिक मंचों पर यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार केवल हवा-हवाई आरोपों पर नहीं, बल्कि ठोस सबूतों के आधार पर काम कर रही है। अब तक खरात के खिलाफ विभिन्न थानों में करीब 12 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, और जैसे-जैसे जांच का दायरा बढ़ रहा है, पीड़ित और गवाह भी हिम्मत जुटाकर सामने आ रहे हैं। इस मामले में एक नया मोड़ तब आया जब कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) लीक होने का विवाद गरमाया। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि खरात के कुछ प्रभावशाली राजनीतिक नेताओं के साथ संबंध थे। इस पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि किसी की निजी जानकारी या डेटा का लीक होना गंभीर विषय है, जिसकी अलग से जांच कराई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल अधिकृत एजेंसियों को ही सीडीआर एक्सेस करने का अधिकार है और इस डेटा को अवैध रूप से सार्वजनिक करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल, विशेष जांच दल स्थानीय स्तर पर अपराधों की जांच कर रही है, जबकि ईडी अब इसके वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करने की तैयारी में है।

दिल्ली विधानसभा का बैरियर तोडकर घुसी कार

नकाबपोश ड्राइवर समेत 3 हिरासत में; स्पीकर ऑफिस के पास गुलदस्ता रखकर भाग गया था

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा कैंपस में सोमवार दोपहर को सुरक्षा में चूक हुई। दोपहर करीब 2 बजे यूपी नंबर की कार वीआईपी एंट्री वाला गेट नंबर-2 की बैरिकेडिंग तोडक़र अंदर घुसी। कार ड्राइवर ने नकाब पहना हुआ था। अधिकारियों के मुताबिक, ड्राइवर सीधे विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर गया और पोर्च के पास गुलदस्ता रखकर कार समेत मौके से फरार हो गया। हालांकि बम जैसी कोई चीज नहीं मिली। घटना के बाद दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची है। गेट नंबर 2 पर अब सीआरपीएफ की तैनाती की गई है। दिल्ली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और टाटा सिएरा कार बरामद कर ली। हाल ही में विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकियां भी मिली थीं। ड्राइवर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर बढ़ा और बरामदे के पास फूलों का एक गुलदस्ता रख दिया। इस घटना ने सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं खड़ी कर दी हैं, और अधिकारी इसे सुरक्षा में संभावित चूक के तौर पर देख रहे हैं।

आरबीआई के दम पर रुपए ने दिखाया दबंग रूप डॉलर के सामने इतना हुआ मजबूत

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक की पहलों के बाद, जिनका मकसद सट्टेबाजी की होड़ पर लगाम लगाना और रुपए में उतार-चढ़ाव को कम करना था, सोमवार को रुपया 14 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.04 (अस्थायी) पर बंद हुआ। फॉरेक्स ट्रेडर्स ने कहा कि हालांकि आरबीआई के उपाय रुपए के लिए काफी पॉजिटिव साबित हुए हैं। लेकिन विदेशी पूंजी की लगातार निकासी, डॉलर का मजबूत होना, और अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें रुपए पर दबाव डालना जारी रखे हुए हैं। आरबीआई ने सट्टेबाजी की स्थितियों पर लगाम लगाने के लिए अपने नियमों को सख्त किया और बैंकों की नेट ओपन पोज़िशन्स की सीमा 100 मिलियन डॉलर तय कर दी। आइए आपको भी बताते हैं कि करेंसी मार्केट बंद होने के बाद रुपए में किस तरह के आंकड़े देखने को मिल रहे हैं।

इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.13 पर खुला और इंट्राडे ट्रेड में इसमें तेजी आई, जिससे यह डॉलर के मुकाबले 92.79 के उच्च स्तर को छू गया। सोमवार के ट्रेडिंग सत्र के अंत में, रुपया 93.04 (अस्थायी) पर था, जो इसकी पिछली बंद कीमत से 14 पैसे ज़्यादा था। गुरुवार को, रुपये ने कई सालों में अपनी सबसे बड़ी एक-दिन की बढ़त दर्ज की और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 152 पैसे की बढ़त के साथ 93.18 पर बंद हुआ, जब रिजर्व बैंक ने बैंकों को ऑनशोर फॉरवर्ड मार्केट से रोकने के लिए कई उपाय किए। गुड फ्राइडे के कारण शुक्रवार को इक्विटी और फॉरेक्स मार्केट बंद रहे। वैश्विक तनाव रुपए पर दबाव बनाए हुए है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ तनाव बढ़ा दिया है, और होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए मंगलवार तक की समय सीमा दी है, साथ ही चेतावनी दी है कि इसका पालन न करने पर उसके बिजली बुनियादी ढांचे पर हमले हो सकते हैं।

पेमा खांडू के परिवार से जुड़े ठेकों की होगी सीबीआई जांच

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सीबीआई को आदेश दिया है कि वह अरुणाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री पेमा खांडू के परिवार से जुड़े कंपनियों को दिए गए सरकारी ठेकों की प्रारंभिक जांच दो सप्ताह के भीतर शुरू करे। न्यायाधीश विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि जांच में 1 जनवरी 2015 से 31 दिसंबर 2025 तक राज्य में हुए सभी सार्वजनिक कार्यों, ठेकों और वर्क ऑर्डर्स की समीक्षा शामिल होगी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सीबीआई इस मामले की स्थिति रिपोर्ट 16 हफ्तों के भीतर सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत करे। अदालत ने यह आदेश फरवरी 17 को मामले की सुनवाई के दौरान सुरक्षित रखा था।

मामले में प्रस्तुत याचिकाओं में दावा किया गया है कि पिछले 10 वर्षों में चार कंपनियों को, जो सीएम पेमा खांडू के परिवार से जुड़ी हैं, करीब 1,270 करोड़ रुपये के सरकारी ठेके दिए गए। याचिकाकर्ता एनजीओ, सेव मोन रीजन फेडरेशन और वॉलंटरी अरुणाचल सेना के वकील प्रशांत भूषण ने कोर्ट को बताया कि सीएम के परिवार से जुड़े ठेकों में स्पष्ट कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट पाया गया। इस मामले में सीएम पेमा खांडू, उनके पिता दोरजी खांडू की दूसरी पत्नी रिंचिन ड्रिमा और भतीजा त्सेरिंग ताशी को पार्टी प्रतिवादी बनाया गया है। दोरजी खांडू अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और अप्रैल 2011 में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में उनका निधन हुआ था।

बालाघाट
मंगलवार 07 अप्रैल 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने दी जान, पति सहित तीन गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक महिला की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए पति, सास और ननद को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि महिला को लंबे समय से मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था, जिसके चलते उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार 11 मार्च को वार्ड क्रमांक 02, पंप हाउस गली भटेरा चौकी निवासी 34 वर्षीय तरूणा वराड़े की फांसी लगने से मौत हो गई थी। घटना की जानकारी उसके पति नवनीत वराड़े ने स्वयं थाना कोतवाली में दी थी। प्रारंभ में पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान जो तथ्य सामने आए, उन्होंने मामले की दिशा बदल दी। पुलिस को पता चला कि मृतिका को उसका पति नवनीत वराड़े, सास शिमला वराड़े और ननद मोनिका बंशीचंद पिछले कई वर्षों से परेशान कर रहे थे। आरोप है कि महिला पर अपने पिता (छिंदवाड़ा निवासी) से घर खर्च के लिए पैसे लाने का लगातार दबाव बनाया जाता था। इसी को लेकर घर में अक्सर विवाद होता था और महिला को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। लगातार हो रही प्रताड़ना से परेशान होकर महिला ने आत्मघाती कदम उठाया। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 108 बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय एवं नगर पुलिस अधीक्षक मयंक कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कामेश कुमार धूमकेतु के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने तत्परता दिखाते हुए तीनों आरोपी नवनीत वराड़े (40 वर्ष), निवासी वार्ड नं. 02, पंप हाउस गली, भटेरा चौकी, शिमला वराड़े (65 वर्ष), निवासी वार्ड नं. 02, पंप हाउस गली, भटेरा चौकी, मोनिका बंशीचंद (39 वर्ष), निवासी ग्राम सेमरखापा, थाना कोतवाली, जिला मंडला को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जिला जेल भेज दिया गया है।

गोंदिया स्टेशन पर निर्माण कार्य का असर, लोकल ट्रेन के दो फेरे बंद

लंबी दूरी की ट्रेनें भी प्रभावित, बालाघाट स्टेशन पर यात्रियों को हुई परेशानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गोंदिया रेलवे स्टेशन पर चल रहे बड़े निर्माण कार्य का असर अब रेल यातायात पर दिखाई देने लगा है। गोंदिया से बालाघाट और तिरोड़ी की ओर संचालित होने वाली लोकल पैसेंजर ट्रेन के दो फेरों को रेलवे विभाग ने 25 अप्रैल तक के लिए बंद कर दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस निर्माण कार्य के चलते कुछ लंबी दूरी की ट्रेनें भी प्रभावित हुई हैं, जबकि कुछ ट्रेनों के समय में भी परिवर्तन किया गया है। 6 अप्रैल को बालाघाट रेलवे स्टेशन पर इस बदलाव का असर साफ नजर आया, जहां कई यात्री ट्रेन के इंतजार में परेशान होते दिखे। कुछ यात्रियों ने बताया कि उन्हें ट्रेनों के रद्द और समय परिवर्तन की जानकारी नहीं थी, जिसके कारण वे लंबे समय तक स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करते रहे। लंबी दूरी की ट्रेनों के यात्री भी अनिश्चितता के बीच स्टेशन पर ट्रेन के आने की प्रतीक्षा करते रहे। बताया जा रहा है कि गोंदिया से संचालित कुछ लंबी दूरी की ट्रेनें भी इस निर्माण कार्य के चलते 25 अप्रैल तक प्रभावित रहेंगी। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए समय परिवर्तन और अन्य व्यवस्थाएं की जा रही हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गोंदिया रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित बड़े तकनीकी कार्य के चलते रेलवे द्वारा लिए गए मेगा ब्लॉक का असर अब पूरे क्षेत्र में व्यापक रूप से दिखाई देने लगा है। इस ब्लॉक के कारण लंबी दूरी की ट्रेनों से लेकर स्थानीय यात्री सेवाएं तक बुरी तरह प्रभावित हो गई हैं। परिणामस्वरूप यात्रियों की यात्रा योजनाएं प्रभावित हुई हैं और लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवधि में कई एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों को पूरी तरह निरस्त कर दिया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों का संचालन आंशिक रूप से परिवर्तित किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार गाड़ी संख्या 18030 शालीमार-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस 04 अप्रैल से 24 अप्रैल 2026 तक तथा 18029 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-शालीमार एक्सप्रेस 06 अप्रैल से 26 अप्रैल 2026 तक रद्द रहेगी। इसी तरह 18237 कोरबा-अमृतसर एक्सप्रेस 05 अप्रैल से 25 अप्रैल तक एवं 18238 अमृतसर-बिलासपुर एक्सप्रेस 07 अप्रैल से 27 अप्रैल तक निरस्त रहेगी। इसके अलावा 12410 हज़रत निजामुद्दीन-रायगढ़ एक्सप्रेस 02 से 22 अप्रैल के बीच विभिन्न तिथियों में तथा 12409 रायगढ़-हज़रत निजामुद्दीन एक्सप्रेस 04 से 24 अप्रैल के बीच अलग-अलग दिनों में रद्द रहेगी। 12101 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-शालीमार एवं 12102 शालीमार-लोकमान्य तिलक टर्मिनल एक्सप्रेस भी अप्रैल माह की निर्धारित तिथियों में निरस्त रहेंगी। वहीं 12807 विशाखापत्तनम-हज़रत निजामुद्दीन तथा 12808 हज़रत निजामुद्दीन-विशाखापत्तनम एक्सप्रेस भी 05 से 25 अप्रैल के बीच विभिन्न तिथियों में रद्द कर दी गई हैं। स्थानीय स्तर पर संचालित ट्रेनों पर भी इसका गहरा असर पड़ा है। 68815 बल्लारशाह-गोंदिया एवं 68816 गोंदिया-बल्लारशाह मेमू पैसेंजर तथा 78805 गोंदिया-कटंगी और 78806 कटंगी-गोंदिया डेमू पैसेंजर 05 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक पूरी तरह बंद रहेंगी। इसके अलावा 68802, 68803, 68804, 68805 एवं 68806 गोंदिया-बल्लारशाह मार्ग की पैसेंजर ट्रेनें भी इस अवधि में हिरदामाली स्टेशन तक ही संचालित होंगी और आगे का सफर रद्द रहेगा। इसी प्रकार 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस 04 अप्रैल से 25 अप्रैल तक दुर्ग स्टेशन तक ही संचालित होगी तथा दुर्ग से गोंदिया के बीच का मार्ग निरस्त रहेगा। वहीं 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस 05 अप्रैल से 26 अप्रैल तक दुर्ग तक ही चलेगी और गोंदिया से दुर्ग के बीच का संचालन बंद रहेगा।

स्थानीय रेल सेवाएं भी प्रभावित

मेगा ब्लॉक का असर केवल लंबी दूरी की ट्रेनों तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय रेल सेवाएं भी पूरी तरह प्रभावित हो गई हैं। बल्लारशाहङ्कगोंदिया मेमू और गोंदिया-कटंगी डेमू ट्रेनों का संचालन 05 से 25 अप्रैल तक बंद कर दिया गया है। इससे रोजाना यात्रा करने वाले कर्मचारी, विद्यार्थी और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

यात्रियों के लिए जरूरी सलाह

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे आगामी दिनों में यात्रा की योजना बनाते समय विशेष सावधानी बरतें। टिकट बुकिंग से पहले अपनी ट्रेन की वर्तमान स्थिति की जानकारी अवश्य जांच लें, क्योंकि बिना पुष्टि के यात्रा करने पर असुविधा हो सकती है। मेगा ब्लॉक की स्थिति को देखते हुए यात्रियों को वैकल्पिक साधनों का सहारा लेने की भी आवश्यकता पड़ सकती है। रेलवे द्वारा समय-समय पर अपडेट जारी किए जा रहे हैं, जिनका पालन करना आवश्यक है।

बालाघाट में दो फेरों की ट्रेनें बंद - सुधीर वाजपेयी

बालाघाट स्टेशन के प्रभारी स्टेशन मास्टर सुधीर वाजपेयी ने दूरभाष पर जानकारी देते हुए बताया कि गोंदिया रेलवे स्टेशन पर 05 अप्रैल से 25 अप्रैल तक महत्वपूर्ण तकनीकी कार्य किया जाना प्रस्तावित है। इसके चलते गोंदिया से तिरोड़ी के बीच संचालित होने वाली दो फेरों की यात्री ट्रेनें भी बंद कर दी गई हैं। रेलवे विभाग द्वारा इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि यह कार्य रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कार्य पूर्ण होने के बाद सभी ट्रेन सेवाएं पुन: अपने निर्धारित समय और मार्ग पर सुचारू रूप से संचालित होने लगेंगी।

विद्युत करंट से घायल एक महिला की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विद्युत करंट से घायल एक महिला की जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतिका मंजूलता पति स्व. प्रमोद गौतम 33 वर्ष ग्राम रैचना थाना उगली जिला सिवनी निवासी है। इस महिला के शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है। जिसे जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है।

जानकारी के अनुसार मंजूलता के पति मनोज गौतम का निधन 2 वर्ष पहले हुआ है। मंजू लता के परिवार में दो बच्चे हैं।जिनमे लड़की 9 वर्ष की है और लड़का 7 वर्ष का है। पति की मृत्यु के बाद मंजूलता अपने ससुर देवर देवरानी के साथ संयुक्त परिवार में ही रहती थी और खेती किसानी करती थी। इन दिनों खेत में रबी की फसल लगाई गई थी। 6 अप्रैल को सुबह 9:00 बजे करीब कृषि कार्य करने के लिए मंजू लता अपने खेत गई थी। इसी दौरान खेत की फसल में पानी से सिंचाई करने के लिए वह खेत में लगी विद्युत पंप को चालू करने के लिए जैसे ही ग्रीप लगा रही थी। वैसे ही उसे जोरदार हाथ में करंट लगा और वह गिर गई।चिल्लाने की आवाज सुनकर खेत पड़ोसी दौड़े और उसके घर वालों को फोन से सूचना देने के बाद उसे उठाकर घर ला रहे थे तभी रास्ते में परिवार के लोग मिल गए।विद्युत करंट से गंभीर रूप से घायल और बेहोश मंजू लता को बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जिसका शव जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। शाम हो जाने की वजह से मंजू लता के शव का पोस्टमार्टम नहीं पाया है । जिसे जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है । 7 अप्रैल को शव का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल पुलिस द्वारा किया जाएगा।

डेंजर रोड पर भीषण सड़क हादसाः केश वैन की टक्कर से दो युवक गंभीर घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर समीप डेंजर रोड पर सोमवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा करीब दोपहर 12 बजे उस समय हुआ।जब तेज रफ्तार से आ रही एक केश वैन ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। दोनों युवक को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है ।जिनकी पहचान महेंद्र सहारे पिता रमेश सहारे 22 वर्ष ग्राम लखनवाड़ा थाना कटंगी निवासी और अभिषेक खंडाते पिता भारत खंडाते 22 वर्ष ग्राम कालीमाटी टेकाड़ी थाना कटंगी निवासी के नाम से हुई है।

दोनों युवक आपस में मित्र हैं और मजदूरी का काम करते हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 अप्रैल को दोनों युवक किसी काम से मोटरसाइकिल से बालाघाट आ रहे थे। जैसे ही वे डेंजर रोड से गुजर रहे थे।तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार केश वैन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गए।घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तुरंत जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया। उस समय दोनों युवक बेहोशी की हालत में थे।जिला अस्पताल पुलिस ने घायलों के पास मिले मोबाइल फोन के माध्यम से उनके परिजनों से संपर्क कर उनकी पहचान की। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों युवकों के परिवारजन अस्पताल पहुंच गए।

फिलहाल अभिषेक खंडाते की हालत नाजुक बनी हुई है जबकि महेंद्र सहारे का इलाज जारी है। दोनों को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय की परीक्षाएं स्थगित, नई तिथि घोषित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2025-26 में राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत आयोजित स्नातक पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं को अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। जारी अधिसूचना के अनुसार बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी., बी.एचएससी., बी.सीए. एवं बी.बीए. के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की परीक्षाएं जो 07 अप्रैल 2026 एवं 08 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होने वाली थीं, अब निर्धारित तिथियों पर आयोजित नहीं होंगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि संशोधित समय सारणी के अनुसार तृतीय वर्ष की परीक्षाएं अब 16 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होंगी, जबकि द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं 17 अप्रैल 2026 से आयोजित की जाएंगी। छात्र-छात्राओं से अपील की गई है कि वे नई समय सारणी के अनुसार अपनी तैयारी जारी रखें और अद्यतन जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक सूचनाओं पर नजर बनाए रखें।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट